अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 39.4°C
न्यूनतम तापमान 27.6°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.55

करंजिया शिक्षा विभाग में फिर अतिरिक्त प्रभार का मामला ⏩ 2

उर्वशी ढोलकिया ने अनीता हसनंदानी से 13 ⏩ 7

समय पर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं देना 5 पंचायत ⏩ 9

नीट और ओएसएम के मुद्दे पर संसदीय समिति सख्त

एनटीए से पूछा पेपर लीक की परिभाषा सीबीएसई से भी मांगे सवालों के जवाब

नई दिल्ली

नीट और सीबीएसई इस समय विवादों में है। ऐसे में इसे लेकर चल रही जांच के बीच संसद की उच्च स्तरीय समिति ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से कड़े सवाल किए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने दोनों से लिखित जवाब मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार, शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल मामलों की संसदीय समिति जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह कर रहे हैं, ने एनटीए से पूछा है कि उसके अनुसार पेपर लीक की परिभाषा क्या है और क्या 2018 के बाद से आयोजित परीक्षाओं में किसी पेपर लीक की घटना हुई है या नहीं? इस दौरान समिति ने यह भी सवाल किया है कि क्या एनटीए ने नीट-यूजी 2024 से जुड़ी कथित अनियमितताओं पर सीबीआई जांच के अलावा कोई अलग आंतरिक जांच की थी या नहीं। इसके अलावा समिति ने एनटीए से पिछले तीन सालों की

स्टाफ संख्या, 2022 के बाद की नई भर्तियों का विवरण और उच्च शिक्षा विभाग को भेजी गई वार्षिक रिपोर्ट भी मांगी है। समिति ने एनटीए से यह भी कहा है कि वह राधाकृष्णन समिति की 101 सिफारिशों पर की गई कार्रवाई की एक विस्तृत रिपोर्ट भी दे। बता दें कि यह समिति जून 2024 में परीक्षा सुधार और पारदर्शिता को लेकर गठित की गई थी। वहीं, दूसरी ओर सीबीएसई से भी ओएसएम प्रणाली और उससे जुड़े टेंडर प्रक्रिया पर कई सवाल पूछे गए हैं। समिति ने पूछा है कि ओएसएम टेंडर की शर्तों में समय-समय पर क्या बदलाव किए गए और क्या कोएम्प्ट एडुटेक को टेंडर देने से पहले उसके बैकग्राउंड जांच की गई थी या नहीं? समिति ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या बोर्ड को इस बात की जानकारी थी कि कोएम्प्ट एडुटेक या उसके निदेशक पहले ग्लोबएरेना टेक्नोलॉजीज से जुड़े रहे हैं जिसकी मूल्यांकन प्रणाली पर इसके पहले भी सवाल उठ चुके हैं। संसदीय समिति ने यह भी पूछा है कि तीसरे टेंडर में खराब प्रदर्शन करने वाले बिडर्स को अयोग्य ठहराने वाला प्रावधान क्यों हटाया गया, साथ ही ब्लैकलिस्टिंग से जुड़े नियम क्यों बदले गए और टर्नओवर की शर्त 50 करोड़ रुपये क्यों तय की गई।

समिति ने कोएम्प्ट को लेकर उठाए सवाल

समिति ने यह भी जानना चाहा कि क्या सीबीएसई को यह जानकारी थी कि कोएम्प्ट एडुटेक और/या उसके निदेशक पहले ग्लोबरेना टेक्लॉलिजीस से जुड़े रहे हैं, जिसकी मूल्यांकन प्रणाली पर 2019 के तेलंगाना इंटरमीडिएट परिणामों की जांच में सवाल उठे थे। इसके साथ ही यह तथ्य अनुबंध देने के निर्णय में कैसे शामिल किया गया। समिति ने सीबीएसई से यह भी पूछा कि ओएसएम अनुबंध के तीसरे आरएफपी में खराब प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले बोलीदाताओं को अयोग्य ठहराने वाला प्रावधान क्यों हटाया गया। इसके अलावा, समिति ने यह जानना चाहा कि पहले ब्लैकलिस्ट किए गए बोलीदाताओं पर रोक लगाने वाला प्रावधान तीसरे आरएफपी में केवल वर्तमान में ब्लैकलिस्ट कंपनियों तक सीमित क्यों कर दिया गया और बोलीदाता के लिए न्यूनतम 50 करोड़ रुपये के टर्नओवर की शर्त क्यों रखी गई।

जवाब के लिए तय की समय-सीमा

केंद्र सरकार ने इस समिति का गठन जून 2024 में किया था। इसका उद्देश्य एनटीए के माध्यम से परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन के लिए सुझाव देना था। इसमें एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रक्रिया में सुधार और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करने से जुड़े सुझाव शामिल थे। सीबीएसई को आठ जून तक और एनटीए को 10 जून तक लिखित जवाब देने को कहा गया है। दोनों एजेंसियों ने अभी तक जवाब नहीं दिया है। संसदीय समिति ने सीबीएसई से यह भी पूछा है कि ओएसएम प्रणाली के लिए जारी विभिन्न अनुरोध प्रस्तावों में कथित बदलाव क्यों किए गए और क्या अनुबंध देने से पहले कोएम्पट की पृष्ठभूमि की जांच की गई थी। समिति ने पहले सीबीएसई से फरवरी 2025, मई 2025 और अगस्त 2025 में जारी ओएसएम आरएफपी से जुड़े दस्तावेज मांगे थे, लेकिन बोर्ड ने उन्हें उपलब्ध नहीं कराया है।

नियमों में बदलाव की प्रक्रिया पर पूछे सवाल

समिति ने यह भी पूछा कि आरएफपी के प्रावधानों में बदलाव कर अपने डेटा सेंटर रखने वाले ठेकेदारों को प्राथमिकता देने के बजाय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से मान्यता प्राप्त डेटा सेंटर का उपयोग करने वालों को प्राथमिकता क्यों दी गई। समिति ने यह भी सवाल उठाया कि रोबोटिक स्कैनर का प्रावधान क्यों हटाया गया और उसकी जगह पर्याप्त स्कैनर जैसी सामान्य शर्त क्यों रखी गई। साथ ही, उत्तर पुस्तिकाओं की रीढ़ काटे बिना स्कैनिंग करने की शर्त क्यों हटाई गई। सूत्रों के अनुसार, समिति ने यह भी पूछा कि स्कैनिंग रिजॉल्यूशन की न्यूनतम आवश्यकता 300 डीपीआई से घटाकर 200 डीपीआई क्यों की गई। समिति ने यह भी पूछा कि बड़े प्रोजेक्ट संभालने का अनुभव (प्रति प्रोजेक्ट कम से कम 5 लाख छात्रों से जुड़ा कार्य) रखने की शर्त हटाकर कई परियोजनाओं की कुल उत्तर पुस्तिका संख्या के आधार पर अनुभव मान्य करने का प्रावधान क्यों किया गया।

बढ़ाकर महंगाई सरकार ने दी सफाई

हर सिलेंडर पर हो रहा 700 का घाटा

नई दिल्ली

भारत में एक बार फिर एलपीजी गैस सिलेंडर महंगा हो गया है और इस बार महंगाई का बम फूटा है घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर, जिसकी कीमतों में तेल कंपनियों ने एक झटके में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी। इससे पहले लगातार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया जा रहा था। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद सरकार का बयान आया है, जिसमें इस इजाफे के पीछे के कारण को बताया गया है। सरकार की ओर से बताया गया है कि एक सिलेंडर की सप्लाई की लागत 1,600 रुपये से ज्यादा हो गई है, जिससे हर घरेलू सिलेंडर पर लगभग 700 रुपये का नुकसान (अंडर-रिकवरी) हो रहा है। इसमें यह भी बताया गया है कि भारतीय घरों में खाना पकाने वाली गैस की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं। सरकार के बयान में कहा गया कि भारत उन कुछ देशों में से एक रहा, जिसने अमेरिका-ईरान की बाच युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद भी इस जरूरी समुद्री रूट से अपने एनर्जी कार्गो की आवाजाही जारी रखी और देश में किसी भी पेट्रोलियम प्रोडक्ट की कोई कमी नहीं हुई। मिडिल ईस्ट टेंशन के चलते तेल-गैस की किल्लत के बीच जहां बीते कुछ महीने में लगातार 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली थी, तो वहीं घरेलू रसोई गैस सिलेंडर में ये तीन महीने में दूसरी बार इजाफा किया गया है। इससे पहले 7 मार्च को प्रति सिलेंडर 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जब वेस्ट एशिया में संघर्ष के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई में रुकावट आई थी और इंटरनेशनल फ्यूल की कीमतें बढ़ गई थीं।

इंडिया गठबंधन की बैठक आज, शामिल होंगे 23 दल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की सोमवार को यहां होने वाली बैठक में 23 दलों ने भाग लेने की पुष्टि कर दी है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यहां कांस्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित इस बैठक में इंडिया गठबंधन के 23 दल शामिल हो रहे हैं। इस बारे में उन्हें इन दलों से बैठक में शामिल होने को लेकर पत्र मिल चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ दल अपने-अपने कारणों से इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन उन्होंने मोदी सरकार की नीतियों और कार्रवाइयों पर कड़ा विरोध व्यक्त किया है।

सीबीआई ने गबन मामले में कई जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू फाइनेंस बैंक से जुड़े 661 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन के मामले में रविवार को चंडीगढ़, पंचकूला और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में छह स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और नोएडा स्थित विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक के परिसरों को निशाना बनाकर की गई। जांचकर्ताओं को संदेह है कि सरकारी कर्मचारियों और बैंक अधिकारियों ने आपस में साठगांठ करके खाते खोले, सरकारी धन हस्तांतरित किया और अवैध लाभ के लिए उस पैसे को दूसरी जगह भेज दिया।

सीबीआई से तेज निकला 18 साल का बच्चा

नीट के तथ्य सामने लाने के लिए राहुल ने की सार्थक की प्रशंसा

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट और सीबीएसई से जुड़ी कथित अनियमितताओं के मामले में तथ्य सामने लाने वाले 18 वर्षीय सार्थक और उसके साथी निसर्ग की सराहना करते हुए कहा है कि देश की युवा शक्ति सत्ता और शासन से सवाल पूछने और सच उजागर करने का साहस रखती है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सार्थक मात्र 18 वर्ष का है, लेकिन उनकी सोच, साहस और सिद्धांत किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सार्थक और उसके साथी निसर्ग ने वह कर दिखाया जो देश के बड़े मीडिया संस्थान और खोजी पत्रकार भी नहीं कर पाए तथा सीबीएसई और सीओईएमपीटी की कथित मिलीभगत को देश के सामने रखा।

उन्होंने कहा सरकार चाहती है कि युवा केवल मनोरंजन में उलझे रहें और सवाल न पूछें, लेकिन इन युवाओं ने न केवल सवाल पूछे बल्कि उनके जवाब भी तलाश निकाले। यह इस बात का प्रमाण है कि देश के नौजवान जागरूक, जिज्ञासु और जानकार हैं तथा भारत का भविष्य किसी बहकावे में आने वाला नहीं है। देश का 18 साल का बच्चा सीबीआई से तेज निकला। नौजवानों की यह जीत सही मायने में सरकार की हार है। गौरतलब है कि सार्थक और निसर्ग ने सीबीएसई की परीक्षा संबंधी एक निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और साइबर सुरक्षा प्रमाणपत्रों को लेकर सवाल उठाए थे। दोनों युवाओं की पड़ताल के बाद इस मामले को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा मिली और परीक्षा प्रणाली से जुड़ी पारदर्शिता तथा जवाबदेही को लेकर बहस तेज हो गई है। राहुल गांधी ने इस ट्वीट में सार्थक के साथ एक तस्वीर भी पोस्ट कर लिखा सार्थक पूरे सिस्टम पर भारी।

अचानक साजिश हुई वर्ना मैं कांग्रेस अध्यक्ष होता: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के बड़े नेता अशोक गहलोत ने एक बार फिर वो पुराना मामला उठाया है, जब वो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते-बनते रह गए थे। गहलोत का कहना है कि उन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला हो चुका था, लेकिन एक साजिश की वजह से सब कुछ पलट गया। और आज भी लोग असली सच नहीं जानते। कुछ साल पहले कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की बात चली। उस वक्त सोनिया गांधी और कांग्रेस की टॉप लीडरशिप ने अशोक गहलोत को पार्टी का राष्ट्रीय

अध्यक्ष बनाने का मन बना लिया था। गहलोत खुद भी इस पद के लिए तैयार थे और उन्होंने इसे सम्मान की बात मानी थी। लेकिन जैसे ही यह तय होने लगा, पार्टी ने राजस्थान में पर्यवेक्षक भेजे यानी ऐसे नेता जो वहां की स्थिति देखने आए। इसके बाद हालात तेजी से बदल गए। गहलोत के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम के पीछे एक बड़ी साजिश थी, जिसकी वजह से वो अध्यक्ष नहीं बन पाए। इस पूरे मामले के बाद देशभर में यह बात फैल गई कि गहलोत ने खुद ही अध्यक्ष पद से मना कर दिया, क्योंकि वो राजस्थान का मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ना चाहते थे। गहलोत अब साफ कह रहे हैं कि यह धारणा गलत है। गहलोत के मुताबिक, सोनिया गांधी और कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें पार्टी अध्यक्ष बनाने का फैसला किया था।

रसोई गैस दर बढ़ाकर जनता को लूट रही है सरकार: खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाने को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि वह अब रसोई गैस के बहाने जनता को लूट रही है और 12 साल में उसने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 530 रुपये की वृद्धि की है। खड़गे ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मोदी सरकार ने पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में 89 रुपये की बढ़ोतरी की है। संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर 41 देशों से ईंधन विविधीकरण (फ्यूल डाइवर्सिफिकेशन) की बात कही थी, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की किल्लत बनी हुई है। उन्होंने सवाल किया कि 2025-26 में उज्ज्वला योजना के 5.56 करोड़ परिवारों ने केवल एक बार या एक भी बार रिफिल नहीं कराया। इनमें से 3.30 करोड़ परिवारों ने तो एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं लिया।

अब मप्र में कैंसिल हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित वनरक्षक, क्षेत्ररक्षक, जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा के दौरान रविवार को राजधानी स्थित मित्तल कॉलेज परीक्षा केंद्र पर जमकर हंगामा हुआ। दूसरी पाली की परीक्षा तकनीकी समस्या के कारण शुरू नहीं हो सकी, जिससे नाराज अभ्यर्थियों ने धरना देकर प्रदर्शन किया और परीक्षा प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को बुलाना पड़ा। बाद में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने परीक्षा स्थगित कर 20 जून को दोबारा आयोजित करने की घोषणा की। वनरक्षक, क्षेत्ररक्षक, जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा 4 जून से 19 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है। रविवार को दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक दूसरी पाली की परीक्षा निर्धारित थी, लेकिन सर्वर संबंधी तकनीकी समस्या के कारण परीक्षा शुरू नहीं हो सकी। अभ्यर्थियों का आरोप है कि रिपोर्टिंग के बाद उन्हें घंटों इंतजार कराया गया। बार-बार यह आश्वासन दिया गया कि तकनीकी समस्या जल्द दूर हो जाएगी, लेकिन शाम तक परीक्षा शुरू नहीं हो सकी। बाद में अधिकारियों ने सर्वर क्रैश होने की जानकारी दी। परीक्षा निरस्त होने से नाराज अभ्यर्थियों ने केंद्र परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अभ्यर्थी देवांशु तिवारी ने आरोप लगाया कि छात्र लगातार परीक्षा शुरू कराने और स्पष्ट जानकारी देने की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। उन्होंने बताया कि जब छात्र परिसर में धरने पर बैठ गए, तो कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें हटाने का प्रयास किया। विरोध बढ़ने पर पुलिस को बुलाया गया और अभ्यर्थियों को परिसर से बाहर किया गया। विरोध के दौरान कुछ अभ्यर्थियों ने परीक्षा में धांधली और पेपर लीक होने की आशंका भी जताई। हालांकि, इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। छात्रों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। हंगामे के बीच मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने देर शाम आधिकारिक सूचना जारी कर बताया कि 7 जून को दूसरी पाली में आयोजित परीक्षा तकनीकी समस्या के कारण स्थगित की गई है।

सर्वर हो गया था फेल, भड़के अभ्यर्थी

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है सहकारिता

मुख्यमंत्री बोले- सहकारिता में मजबूती लाकर अर्थव्यवस्था को देंगे नई गति

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकारिता क्षेत्र प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारी सरकार इसे और अधिक सशक्त बनाकर किसानों, ग्रामीणों तथा छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनायेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता एक व्यवस्था ही नहीं, यह समाज के सामूहिक उत्थान का प्राचीन और बड़ा माध्यम है। हम इसे आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि हम सहकारी मॉडल का समयबद्ध, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे आमजन को इसका वास्तविक और अधिकतम लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी बनाया जाएगा, जिससे किसानों को ऋण, बीज, उर्वरक और विपणन जैसी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। नई योजनाओं के जरिए युवाओं और किसानों को जोड़कर सहकारिता को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की सहकारी संस्थाओं की दैनंदिन कार्यप्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर इन्हें अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है। सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के साथ ही इनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं का विस्तार किया जा रहा है। विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से नवाचार, पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सहकारिता विभाग के सहयोग से हम किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनजातीय अंचलों के विकास सहित ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं को भी गति दे रहे हैं।

केंद्र सरकार से लगातार कर रहे समन्वय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सहकारिता को नई दिशा देने के लिए हमारी सरकार केंद्र सरकार से लगातार समन्वय कर रही है। हमने प्रदेश के 4 हज़ार 536 से अधिक पैक्स का सफलतापूर्वक कंप्यूटराइजेशन पूरा करा लिया है। इन सभी पैक्स की जानकारी केन्द्र सरकार की अपेक्षानुसार एनसीडी पोर्टल पर अद्यतन भी कर दी गई है। दूध (श्वेत) क्रांति 2.0 को प्रभावी एवं सफल बनाने तथा वित्तीय समावेशन के लिए दुग्ध समितियों एवं सदस्यों के खाते जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में खोले गये हैं। अन्य संस्थाओं को भी सहकारी बैंकों में लेन-देन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड तथा मप्र राज्य सहकारी बीज संघ के मध्य एक समझौता ज्ञापन हुआ है। इससे करीब 17 करोड़ रुपए का व्यवसाय हुआ और 844 पैक्स द्वारा सदस्यता प्राप्त कर ली गई है। राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड तथा मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ के मध्य भी समझौता ज्ञापन हुआ है। करीब 1335 पैक्स द्वारा इसकी सदस्यता ले ली गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड और मप्र राज्य सहकारी संघ के साथ भी एक पृथक समझौता ज्ञापन हो गया है। इसमें अबतक 1612 पैक्स द्वारा सदस्यता ले ली गयी है।

उमस ने बढ़ाई बेचैनी, बादलों की लुकाछिपी से तापमान में आई गिरावट

प्री-मानसून की दस्तक, तेज हवाएं चलने की संभावना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में मौसम के मिजाज में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। रविवार को भी शहर में सुबह से ही बादलों की आवाजाही का दौर जारी रहा। आसमान में उमड़ते-घुमड़ते बादलों और तेज धूप के बीच दिनभर चली लुकाछिपी ने मौसम को अजीब सा बना दिया। कभी तीखी धूप झुलसा रही थी, तो कभी हल्की बदरी छाने से लोगों को थोड़ी राहत की उम्मीद बंधती, लेकिन यह राहत कुछ ही पलों में हवा हो जाती। इस आंख-मिचौली के कारण हवा में नमी का स्तर बढ़ गया, जिससे दिनभर लोग भीषण गर्मी और चिपचिपी उमस से बेहाल नजर आए।

गर्मी का असर है बरकरार

बढ़ती उमस के कारण पारा एक बार फिर चढ़ गया है। रविवार को जिले में तापमान 39.4 डिग्री तक और न्यूनतम तापमान 27.6 तक पहुंच गया। तीखी धूप और ऊपर से उमस के डबल अटैक ने लोगों को घरों और दफ्तरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया। कूलर और एसी भी इस चिपचिपी गर्मी के सामने बेअसर साबित हो रहे हैं। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और जो लोग जरूरी काम से बाहर निकले, वे पूरी तरह पसीने से तर-बतर दिखे।

स्वास्थ्य पर पड़ सकता है असर

मौसम में अचानक आ रहे इस बड़े बदलाव कभी तेज धूप, कभी छांव और अत्यधिक उमस के कारण डॉक्टरों ने स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई है। इस तरह का उतार-चढ़ाव वाला मौसम बीमारियों को दावत देता है। ऐसे में खुद को सुरक्षित रखने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी बेहद आवश्यक हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव और उमस के कारण इस समय वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, उल्टी-दस्त और फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। हवा में नमी के कारण बैक्टेरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। इस चिपचिपी गर्मी में शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए नियमित अंतराल पर पानी पीते रहें। अपनी डाइट में नींबू पानी, छाछ, लस्सी, नारियल पानी और आम पन्ना जैसे ठंडे व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थों को जरूर शामिल करें।

बूंदाबांदी की संभावना

डॉक्टरों का कहना है कि इस मौसम में जरा सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है। यदि शरीर में सुस्ती, तेज सिरदर्द या चक्कर आने जैसे लक्षण दिखें, तो इसे सामान्य गर्मी न समझें और तुरंत नजदीकी चिकित्सक से परामर्श लें। शहरवासियों के लिए अच्छी खबर यह है कि मानसून अब ज्यादा दूर नहीं है। मौसम विभाग की मानें तो कुछ ही दिनों के भीतर मानसून की पहली फुहारें जबलपुर शहर को छू सकती हैं। फिलहाल शहर में प्री-मानसून एक्टिविटी शुरू हो चुकी है, जिसके चलते आने वाले एक-दो दिनों में तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी या गरज-चमक की स्थिति बन सकती है।

पोहा-जलेबी का नाश्ता हमारी जीवन शैली का अभिन्न हिस्साः महापौर

उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया विश्व पोहा दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी में रविवार को विश्व पोहा दिवस बेहद उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर निगम मुख्यालय स्थित शासकीय महापौर निवास के प्रांगण में आयोजित इस स्वदेशी पोहा-जलेबी और चटनी पार्टी में शहर की सांस्कृतिक समरसता, आपसी सौहार्द और अपनेपन की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। इस आयोजन में महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' की सहृदयता और आत्मीय स्वागत ने आए हुए सभी अतिथियों का दिल जीत लिया। सुबह 08 बजे से ही आयोजन स्थल पर उत्सव जैसा माहौल था, जहां एक ओर पोहे की सोंधी खुशबू हवा में तैर रही थी, वहीं दूसरी ओर कड़ाही से छनती गरमा-गरम जलेबियों और चटपटी चटनी के पारंपरिक स्वाद ने हर किसी का मन मोह लिया।इस स्नेहिल स्वदेशी आयोजन में शहर के गौरव और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक अजय विश्नोई, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार उपस्थित रहे।

एकत्रित हुए समाजसेवी

इनके अलावा शहर के प्रबुद्धजनों, पत्रकार, कला, खेल, शिक्षा, और स्वास्थ्य जगत के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों की संख्या में सजग नागरिकों और निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने एक साथ बैठकर इस पारंपरिक, सुपाच्य और हेल्दी फूड का आनंद लिया।

सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विश्व पोहा दिवस को मैंने एक प्रेम दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह आयोजन सभी स्नेहीजनों को एक साथ लाने, आपस में प्रेमपूर्वक संवाद करने और मन को शांति देने का एक सार्थक प्रयास है। पोहा-जलेबी सिर्फ हमारा पसंदीदा नाश्ता नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। देशहित में हमें स्वदेशी सामग्रियों और व्यंजनों को प्राथमिकता देनी चाहिए। संस्कारधानी में हर वर्ष इस परंपरा को इसी तरह धूमधाम से निभाया जाएगा।

हरिनाम संकीर्तन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के अति प्राचीन मंदिर, समस्त सनातनियों भक्तवृदों का आस्था, शांति, साधना-आराधना का केंद्र सनातन धर्म सभा श्री कृष्ण मंदिर गोरखपुर में श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम के तत्वावधान पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे, के सानिध्य में साप्ताहिक संकीर्तन अनेकों धर्मावलंबी श्रृंखला में मनमोहन हरि नाम संकीर्तन भक्ति भाव भजन के साथ सनातन धर्म मंदिर गोरखपुर में संकीर्तन का कार्यक्रम भगवान श्री कृष्णा की भक्ति के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जवाली पुरम द्वारा विगत अनेक वर्षो से सनातन संस्कृति की पवन भूमि संस्कारधानी जबलपुर में संकीर्तन के माध्यम से मात्र शक्तियों भाइयों और बहनों और आज की युवा पीढ़ियों को सनातन धर्म की विचारधाराओं के साथ एवं चैतन्य महाप्रभु भगवान श्री कृष्णा की उपदेश को सभी के जीवन में परिवर्तन हेतु घर-घर गली-गली बस्ती बस्ती नगर नगर में संकीर्तन की अलख जागते हरि नाम संकीर्तन किया जा रहा है। इस अवसर पर पं.अयोध्या प्रसाद शास्त्री, संयोजक देवेन्द्र नेमा, श्याम चतुर्वेदी, पं. देवेंद्र त्रिपाठी, पं. मुन्ना महाराज, कपिल द्विवेदी, लकी भाटिया, मोहित तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा सिहोरा का सबसे बड़ा साप्ताहिक बाजार

जगह-जगह अतिक्रमण, शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्यवाही

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

सिहोरा विकासखंड का सबसे बड़ा साप्ताहिक बाजार गोसलपुर मे बुधवार को भरता है। लेकिन यह अपनी अव्यवस्था और अतिक्रमण के चलते लगातार सिकुड़ता जा रहा है। जनसेवा समिति के नरेश तंतुवाय, कमल पटैल ने बताया की बाजार क्षेत्र का सीमांकन न होने और ग्राम पंचायत की उदासीनता के कारण बाजार स्थल पर भारी अतिक्रमण हो गया है। जिससे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गोसलपुर साप्ताहिक बाजार में खाद्यान्न, कपड़े, सब्जी, फल किराना और सोने-चांदी के आभूषणों की दुकानें लगती हैं। बाजार में लगभग चार दर्जन गांवों के लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं जिससे बाजार में अत्यधिक भीड़ रहती है। बाजार स्थल का स्पष्ट सीमांकन व हदबंदी नहीं होने के कारण बाजार क्षेत्र में लगातार अतिक्रमण हो रहा है। किराना दुकानदार, होटल संचालक और चाय-पान की दुकान सड़क किनारे तक फैली हैं। जिससे बाजार स्थल सिमटता जा रहा है और लोगों के लिए चलने तक की जगह नहीं है।

पार्किंग बनी समस्या

बाजार की मुख्य समस्या पार्किंग है। सड़क किनारे दुकानों के फैलाव के कारण बाजार आने वाले लोग अपने वाहन मजबूरी में सड़क पर ही खड़े करते हैं वहीं, दुकानदार भी अपने सामने दोपहिया वाहनों को खड़ा नहीं होने देते। अव्यवस्थित पार्किंग और भीड़ के कारण वाहनों के चोरी होने की समस्या भी बनी हुई है। स्थिति यह है की बाजार अब मूल स्थान के अलावा बस स्टैंड सड़क के दोनों किनारों पर भी फैल गया है जिससे यातायात भी प्रभावित होता है।

सड़क पर ऑटो चालकों का जमावड़ा

ग्राम के भारत नेमा, रूपेंद्र सिंह, गुड्डू साहू, महेंद्र सोनी का कहना है की बाजार का मुख्य प्रवेश द्वार बस स्टैंड गुडहाई अक्सर अवरुद्ध रहती है। आसपास के दर्जनों गांवों से सवारियों को लाने-ले जाने वाले ऑटो चालकों का डेरा बस स्टैंड मे लगा रहता है । अधिक संख्या में ऑटो खड़े होने से यह मुख्य प्रवेश द्वार बाधित हो जाता है। जिससे बाजार में प्रवेश करने वाले लोगों को और अधिक कठिनाई होती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है की इस विकराल होती समस्या के लिए ग्राम पंचायत गोसलपुर और जनप्रतिनिधियों की भूमिका संदिग्ध है। ग्राम पंचायत ने कभी भी इस गंभीर समस्या को व्यवस्थित करने या इसके समाधान में रुचि नहीं ली जिसका खामियाजा बाजार आने वाले हजारों लोगों और व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है।

पौधा रोपकर लिया सुरक्षा का संकल्प

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अर्शिया खान, डॉ अंशुल जैन,डॉ नेमपोली खरे के मार्गदर्शन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोसलपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत पीएचसी स्टाफ द्वारा परिसर में पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। इसके साथ ही सभी ने संकल्प लिया की वे प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएंगे और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाए रखेंगे। कार्यक्रम में असगर खान, मोनिकारानी सेन, रोशनी तिवारी, रेखा भंडारभर, रानू दबडे, राजेश समुन्दे, प्रहलाद झारिया उपस्थित रहे।

बढ़े हुए बिजली बिलों से परेशान जनता ने घेरा विद्युत कार्यालय

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

बिजली बिलों में हो रही भारी वृद्धि को लेकर किसानों ने बिजली कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पूर्व विधायक दिलीप दुबे के साथ पहुंचे किसानों ने चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सिहोरा स्थित बिजली कंपनी कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों का आरोप है कि पहले छह माह में आने वाला बिल अब प्रतिमाह 8 से 12 हजार रुपये या उससे अधिक राशि के भेजा जा रहा हैं।

प्रभु सेवा अलंकरण समारोह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव स्मृति भवन, भंवरताल में प्रभु सेवा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जबलपुर के विकास के नव-निमित्त बने जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशान्त केशरवानी के अभिनंदन हेतु आयोजित किया गया था। समारोह में दोनों मुख्य अतिथियों का संस्थान की ओर से ब्रह्मा कुमारी बहनों ने तिलक लगाकर, शॉल-श्रीफल और ईश्वरीय सौगात भेंट कर भावभीना सम्मान किया गया। अध्यक्ष भ्राता संदीप जैन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ नैतिक मूल्यों और सकारात्मकता का संचार करने वाला एक सशक्त माध्यम है। संस्थान द्वारा मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना और व्यसनमुक्ति के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। श इस अवसर डॉ भ्राता श्याम जी रावत प्रो. मेडिकल कॉलेज, बीके वर्षा, बीके साधना, बीके रजनी आदि उपस्थित रहे।

2 तस्करों के साथ पकड़ा गया अवैध शराब का जखीरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला थाना पुलिस की टीम द्वारा 2 आरोपियों को 408 बाटल अंग्रेजी शराब के साथ रंगे हाथ पकडा गया है। थाना प्रभारी प्रभारी बरेला संगीता सिंह ने बताया कि कॉम्बिंग गस्त के दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि 2 व्यक्ति बंगाली डेयरी पेट्रोल पम्प के बाजू से ग्राम कोसमघाट में अवैध शराब बेचने के लिये रखे हैं जिसके बाद स्थान में दबिश दी गई बंगाली डेयरी में बने मकान के कमरे में 2 व्यक्ति दरवाजा खोलकर खाकी कार्टूनों की गिनती करते दिखे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया जो 26 वर्षीय प्रकाश चक्रवर्ती निवासी ग्राम सालीवाड़ा एवं 26 वर्षीय सौरभ पाल निवासी अग्रवाल पेट्रोल पम्प के पास बरेला है, जिनसे तखत पर रखे 34 कार्टूनों में 20 कार्टून में बैगपाईपर व्हिस्की की 750 एमएल वाली कुल 240 बाटल एवं 14 कार्टून में 8 पीएम अंग्रेजी शराब की 750 एमएल वाली कुल 168 बाटल रखीं मिलीं, दोनों से उक्त अंग्रेजी शराब के रखने के संबंध में पूछताछ करने पर ग्राम सालीवाड़ा निवासी आकाश चक्रवर्ती द्वारा शराब बेचने के लिये लाकर देना बताये, आरोपी प्रकाश चक्रवर्ती एवं सौरभ पाल के कब्जे से कुल 408 बाटल, अंग्रेजी शराब कुल कीमती लगभग 3 लाख 6 हजार रूपये की जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की।

प्राइवेट कर्मचारियों की मासिक पेंशन बढ़ाने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई.पी.एफ.ओ.) द्वारा प्राईवेट एवं अर्धशासकीय कर्मचारियों को दी जा रही एक हजार मासिक पेंशन से बढ़ाकर साढ़े सात हजार मासिक पेंशन किए जाने की मांग को लेकर महाकौशल जनप्रतिनिधि विचार मंच ने की राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, मुख्य मंत्री मध्यप्रदेश डॉ. मोहन यादव, केन्दीय श्रम एवं रोजगार आयुक्त, संभागायुक्त कमिशनर जबलपुर व कलेक्टर जबलपुर को ज्ञापन सौंपा गया। महाकौशल जनप्रतिनिधि विचार मंच के संयोजक, व प्रदेश अध्यक्ष विजय कांडा, वरिष्ठ समाजसेवी रूपलाल यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई.पी.एफ.ओ.) द्वारा प्राईवेट एवं अर्धशासकीय कर्मचारियों को दी जा रही 1,000 रूपए मासिक पेंशन आज की बढ़ती मेंहगाई को देखते हुए यह राशि बहुत कम है, भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अपने नागरिकों के कल्यण के लिए अनेंक जनहितकारी योजनाएँ चलाई जा रही है, जिससे काफी हद तक जीवन यापन बेहतर हुआ है, लेकिन कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई.पी.एफ.ओ.) द्वारा प्राईवेट एवं अर्धशासकीय कर्मचारियों की समस्याओं को दरकिनार करके उनका शोषण किया जा रहा है, आज के जमाने में एक हजार मासिक पेंशन देना समझ से परे है, यह मुल्यांकन करने वाले अधिकारियों एवं अर्थशास्त्रियों को समझना होगा, व आज अनेंक प्राईवेट एवं मान्यता प्राप्त संस्थाओं में कर्मचारियों से जीतोड़ काम तो कराया जाता है, लेकिन उनका प्रोविडेंट फंड कम्पनी द्वारा जमा नहीं कराया जाता जो सीधे-सीधे कर्मचारियों के भविष्य को खराब करता है, प्रोविडेंट फंड न काटने वाली कम्पनियों पर सरकार को कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही करनी चाहिए। जिससे कर्मचारियों को भविष्य सुरक्षित हो सके, एवं वर्तमान समय में प्राईवेट एवं अर्धशासकीय कर्मचारियों को दी जा रही 1,000 हजार मासिक पेंशन से बढ़ाकर 7,500 हजार मासिक पेंशन किए जाने की माँग को लेकर महाकौशल जनप्रतिनिधि विचार मंच ने की महामहिम राष्ट्पति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, मुख्य मंत्री मध्यप्रदेश डॉ. मोहन यादव , केन्दीय श्रम एवं रोजगार आयुक्त, संभागायुक्त कमिशनर जबलपुर, व कलेक्टर जबलपुर से पत्र प्रेषित कर कर्मचारी हित में अपील की है, इस दौरान विजय कांडा, राजेन्द्र चैधरी, रूपलाल यादव, ठा दीपक सिंह राजपूत, पिंकी ठाकुर आदि ने मासिक पेंशन को बढ़ाने की मांग की है।

बिना मिलावट की खाद्य साम्रगियां लेने जैविक हाट बाजार में उमड़ रही खरीददारों की भीड़

प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर में लगाया जा रहा बाजार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कृषि उपज मंडी परिसर में जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के मार्गदर्शन में प्रत्येक रविवार को आयोजित किया जा रहा साप्ताहिक जैविक हाट लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है। जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित यह हाट अब शुद्धता, गुणवत्ता और भरोसे की पहचान बनता जा रहा है। इस रविवार को आयोजित हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों से लगभग 30 से 35 जैविक किसानों ने सहभागिता की। किसानों द्वारा जैविक अनाज, दलहन, गिर गाय के दूध का दही, बिलौना घी, ताजी सब्जियां, फल, कोल्ड प्रेस्ड तेलए मसाले, दाल, आटा, गेहूं, चावल, गुड़ तथा अन्य जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों का विक्र य किया गया। उप संचालक कृषि यूके कटहरे ने जैविक हाट का निरीक्षण कर विक्रेताओं से जैविक उत्पाद तैयार करने की पद्धति तथा उनसे प्राप्त उत्पादों की जानकारी ली।किसानों को अपने जैविक उत्पादों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए, जिससे उत्पादों की विश्वसनीयता बढ़े तथा उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके।

ब्रांडिंग सम्बंधी दी जानकारी

अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों को आईडी कार्ड की अनिवार्यता संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने पात्र किसानों से अपनी खेती का पूर्ण जैविक प्रमाणीकरण कराने हेतु शीघ्र आवेदन करने का आग्रह किया तथा प्रमाणीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। मौके पर दो किसानों ने जैविक प्रमाणीकरण पंजीयन करने की सहमति दी। हाट में उपस्थित कृषि अधिकारियों ने किसानों को जैविक खेती, विपणन एवं ब्रांडिंग संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की। जैविक हाट सफल संचालन में कृषि विकास अधिकारी परतेती, केके डेहरिया, निधि भलावी, सुषमा कुलेश आदि का योगदान रहा।

संस्कृत बोलना कैसे सीखें

• राजेन्द्र मिश्रा

संस्कृत को लेकर बड़ी भ्रांतियां हैं कि यह पुरानी भाषा है, कठिन भाषा है, कोई इसे बोलता नहीं है, व्याकरण याद करना पड़ता है इत्यादि। जबकि मूलतः यह विचार समझना आवश्यक है कि सारी ही भारतीय मातृ भाषाओं का मूल अंश तो संस्कृत ही है।

संस्कृत को लेकर मन में यह भ्रांति है कि कुछ और नया सीखना होगा। यदि आप कक्षा 12 की गणित की या विज्ञान की कोई पुस्तक अंग्रेजी में ही पढ़ रहे हैं लेकिन आपने अंग्रेजी कक्षा 3 तक के स्तर की पढ़ी है तब कक्षा 12 की पुस्तक तो नहीं पढ़ पाएंगे। इसी क्रम में संस्कृत के साथ भी ऐसा होता है। या तो हमें बिल्कुल नहीं आती है या हम सोच लेते हैं कि आए तो पूरी व्याकरण के स्तर पर शुद्ध आए। संस्कृत बोलना सीखने के लिए कुछ बुनियादी नियमों और तकनीकों का पालन करना होगा। यह हिंदी जानने वालों के लिए बहुत आसान हो जाता है, क्योंकि दोनों भाषाओं की जड़ें एक ही हैं। यहाँ कुछ सरल तरीके दिए गए हैं–

सुनकर और पढ़कर अभ्यास करें

संस्कृत श्लोक और मंत्र: धार्मिक श्लोक, मंत्र और गीता के कुछ सरल अध्याय पढ़ें और उनका अर्थ समझें। यह आपको शब्दों का सही उच्चारण और वाक्य संरचना को समझने में मदद करेगा। संस्कृत बालगीत: बच्चों के लिए बनाए गए संस्कृत गीत सुनकर भी आप सरल भाषा सीख सकते हैं।

शुरुआती कदमः बेसिक व्याकरण और शब्द

सबसे पहले, आपको संस्कृत व्याकरण के कुछ बुनियादी नियम समझने होंगे। यह मुश्किल नहीं है। हिंदी की तरह ही, संस्कृत में भी लिंग (पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग), वचन (एकवचन, द्विवचन, बहुवचन) और काल (भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यकाल) होते हैं।

शब्दों का अभ्यास: छोटे और रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले शब्दों को सीखना शुरू करें। जैसे–

'मैं' को 'अहम' कहते हैं।
'तुम' को 'त्वम' कहते हैं।
'वह' को 'स:' (पुल्लिंग) या 'सा' (स्त्रीलिंग) कहते हैं।
'जाता है' को 'गच्छति' कहते हैं।
'आता है' को 'आगच्छति' कहते हैं।

सरल वाक्य बनाएं

जब आप कुछ शब्द सीख लें, तो उन्हें मिलाकर सरल वाक्य बनाना शुरू करें। जैसे, 'अहम् गच्छामि' (मैं जाता हूँ)।

लिखने और बोलने का नियमित अभ्यास

बोलने का अभ्यास: आप अकेले में या किसी दोस्त के साथ संस्कृत में बात करने का अभ्यास करें। शुरुआत में भले ही आप गलतियाँ करें, पर धीरे-धीरे सुधार होगा।

छोटे वाक्य लिखना

रोज कुछ छोटे-छोटे वाक्य संस्कृत में लिखने की कोशिश करें। जैसे, 'आज मैं खुश हूँ' को 'अद्य अहं प्रसन्न: अस्मि' लिखें।

डिजिटल मदद लें

आजकल बहुत से ऐप और ऑनलाइन टूल उपलब्ध हैं जो संस्कृत सीखने में मदद करते हैं। इनका उपयोग करें। याद रखें, किसी भी नई भाषा को सीखने में समय लगता है। धैर्य रखें और नियमित अभ्यास करें। आपकी हिंदी की अच्छी समझ, संस्कृत सीखने की प्रक्रिया को बहुत आसान बना देगी।

भारतीय भाषाओं की पहचान देवनागरी लिपि

भारतीय भाषाओं की आधार स्तंभ देवनागरी लिपि भारतखंड की सबसे प्राचीन लिपि है इसके नामकरण को लेकर इतिहासकारो में कई मतभेद है, कोई कहता है कि चुंकि इसका प्रयोग देववाणी संस्कृत को लिखने में किया गया इसलिए इसका नाम देवनागरी पड़ा तो कई विद्वानों का मत है कि गुजरात के 'नागर' ब्राह्मणों द्वारा इस लिपि का सबसे पहले प्रयोग हुआ इसलिए इसका नाम 'नागरी' पड़ा, बाद में इसका संशोधित रूप देवनागरी प्रयोग में आया।

देवनागरी प्राचीन काल की सबसे महत्वपूर्ण 'ब्राह्मी' लिपि का विकसित रूप है।यह दुनिया की सबसे उन्नत व वैज्ञानिक लिपियों में शामिल है। यह एक ऐसी लिपि है, जिसका प्रयोग भारतीय भाषाओं हिंदी, संस्कृत, मराठी, भोजपुरी, कोंकणी जैसी भाषाओं में अपनी बात और विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है।

देवनागरी लिपि से जुड़े अन्य रोचक तथ्य

1. देवनागरी लिपि की वर्णमाला (अ,आ,इ,ई..... ज्ञ) पूरी तरह वैज्ञानिक है। इसमें कंठ, तालु, होंठ आदि द्वारा स्वरों व व्यंजनों के उच्चारण के तरीके व्यवस्थित ढंग से विभाजित किए गए हैं।
2. इस लिपि में हर ध्वनि के लिए एक निश्चित अक्षर तय है।
3. यह एक ऐसी लिपि है जिसमें शब्दों के स्पष्ट उच्चारण के लिए स्वर व व्यंजन मिलकर एक पूर्ण अक्षर का निर्माण करते हैं।
4. हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी तथा प्राचीन भाषा संस्कृत का आधार बिंदु है यह लिपि।
5. वर्तमान कंप्यूटर योग में कंप्यूटर, स्मार्टफोन व इंटरनेट जैसे विकसित संचार माध्यमों में कोडिंग बार टाइपिंग के लिए सबसे सरल, सुलभ व अनुकूल माध्यम है यह लिपि।
6. देवनागरी लिपि का सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि यह जैसी बोली जाती है वैसे ही लिखी जाती है इसमें अक्षरों का लोप या रूप परिवर्तन नहीं होता।
7. देवनागरी लिपि अपने आप में कला व विज्ञान का अद्भुत मिला-जुला रूप है।

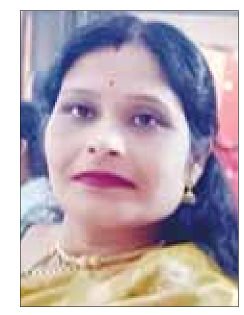

– श्रीमती सारिका मिश्रा
उप प्रचार्य
आदर्श हितकारिणी
चिल्ड्रन अकादमी गोविंदगंज,
जबलपुर

हिंदी व्याकरण की रोचक पहेलियाँ

1. मैं संज्ञा का स्थान बतलाऊँ,
नाम के बदले काम में आऊँ।
बताओ मैं कौन हूँ?

उत्तर – सर्वनाम

2. मैं किसी का गुण बताता,
वर्णन करके अर्थ बढ़ाता।
बताओ मैं कौन हूँ?

उत्तर – विशेषण

3. काम सभी का मैं बतलाता,
बिना मेरे वाक्य अधूरा रह जाता।
बताओ मैं कौन हूँ?

उत्तर – क्रिया

4. मैं व्यक्ति, वस्तु, स्थान का नाम,
व्याकरण में मेरा बड़ा काम।
बताओ मैं कौन हूँ?

उत्तर – संज्ञा

5. मैं समय का ज्ञान कराऊँ,
भूत, वर्तमान, भविष्य बतलाऊँ।
बताओ मैं कौन हूँ?

उत्तर – काल

6. मैं वर्णों से मिलकर बनता,
अर्थपूर्ण होकर सबको समझ आता।
बताओ मैं कौन हूँ?

उत्तर – शब्द

संस्कृतः केवल भाषा नहीं, भारतीय संस्कृति की आत्मा

संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, ज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिक परंपरा की आत्मा है। हजारों वर्षों से यह भाषा भारत की सभ्यता को दिशा देती रही है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों, रामायण, महाभारत तथा अनेक दार्शनिक ग्रंथों का ज्ञान संस्कृत के माध्यम से ही पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित और संरक्षित रहा है। यही कारण है कि संस्कृत को भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल आधार माना जाता है।

संस्कृत का शाब्दिक अर्थ है 'संस्कारित' या 'परिष्कृत' भाषा। इसकी वैज्ञानिक संरचना, स्पष्ट उच्चारण और व्याकरणिक शुद्धता इसे विश्व की सबसे व्यवस्थित भाषाओं में स्थान दिलाती है। संस्कृत के महान व्याकरणाचार्य महर्षि पाणिनि ने अपनी अद्भुत कृति 'अष्टाध्यायी' के माध्यम से भाषा को ऐसा स्वरूप दिया, जिसकी प्रशंसा आज भी भाषाविद् और वैज्ञानिक करते हैं। भारतीय संस्कृति के मूल मूल्य, सत्य, अहिंसा, करुणा, सहिष्णुता, कर्तव्य और मानव कल्याण, संस्कृत साहित्य में गहराई से समाहित हैं। सर्वे भवन्तु सुखिन:, वसुधैव कुटुम्बकम और सत्यमेव जयते जैसे सूत्र केवल वाक्य नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन के आधार स्तंभ हैं। ये संदेश आज भी समाज को एकता, सद्भाव और मानवता का मार्ग दिखाते हैं।

संस्कृत ने केवल धर्म और दर्शन को ही नहीं, बल्कि विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, ज्योतिष, योग, साहित्य, संगीत और नाट्यकला को भी समृद्ध किया है। आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथ, योगसूत्र, खगोल विज्ञान तथा गणित से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण रचनाएं संस्कृत में ही लिखी गईं। इससे स्पष्ट होता है कि संस्कृत ज्ञान-विज्ञान की भी महत्वपूर्ण भाषा रही है।

संस्कृत साहित्य की समृद्धि विश्व में अद्वितीय है। महाकवि कालिदास की रचनाएं प्रकृति, प्रेम और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत चित्रण प्रस्तुत करती हैं। संस्कृत के काव्य, नाटक और गद्य साहित्य में भाषा की सौंदर्यात्मकता और विचारों की गहराई का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यही कारण है कि संस्कृत साहित्य आज भी शोध और अध्ययन का महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है।

वर्तमान समय में जब वैश्वीकरण और तकनीकी विकास के कारण भाषाओं पर नए प्रकार के दबाव उत्पन्न हो रहे हैं, तब संस्कृत का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह भाषा हमें अपनी जड़ों, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ती है। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत के अध्ययन को प्रोत्साहन दिया गया है, जिससे नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा को समझ सके। आज देश-विदेश के अनेक विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में संस्कृत का अध्ययन किया जा रहा है। योग, आयुर्वेद और भारतीय दर्शन में बढ़ती वैश्विक रुचि ने भी संस्कृत को नई पहचान दी है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से संस्कृत सीखने के नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे युवाओं में भी इसके प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। संस्कृत को केवल अतीत की भाषा मानना उचित नहीं होगा। यह हमारी सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों और ज्ञान की परंपरा का जीवंत स्त्रोत है। यदि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझना और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहते हैं, तो संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में गंभीर प्रयास आवश्यक हैं।

रोचक तथ्य

जहां हिंदी व्यापक रूप से बोली जाती है

नेपाल – हिंदी फिल्मों और मीडिया के कारण हिंदी व्यापक रूप से समझी और बोली जाती है।
मॉरीशस – बड़ी भारतीय मूल की आबादी हिंदी बोलती और समझती है।
फिजी – यहां फिजी हिंदी का प्रचलन है। अधिकतर लोग हिंदी बोलते समझते हैं।
सूरीनाम – भारतीय मूल के लोगों के बीच हिंदी और उससे जुड़ी बोलियां प्रचलित हैं।
गुयाना – भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव के कारण हिंदी का महत्व बना हुआ है।
त्रिनिदाद और टोबैगो – भारतीय समुदाय हिंदी से जुड़ा हुआ है।

जहां हिंदी पढ़ाई जाती है

संयुक्त राज्य अमेरिका – अनेक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा और साहित्य का अध्ययन कराया जाता है।
यूनाइटेड किंगडम – स्कूलों और विश्वविद्यालयों में हिंदी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।
जर्मनी – भारतीय अध्ययन केंद्रों में हिंदी पढ़ाई जाती है।
फ्रांस – कई उच्च शिक्षण संस्थानों में हिंदी अध्ययन होता है।
रूस – भारतीय संस्कृति और साहित्य में रुचि के कारण हिंदी का अध्ययन किया जाता है।
जापान – विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी पढ़ाई जाती है।
चीन – भारतीय अध्ययन कार्यक्रमों में हिंदी शामिल है।

सेठ गोविंददासः राजभाषा हिंदी के लिए समर्पित युगपुरुष

भारत की स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र के सामने अनेक महत्वपूर्ण प्रश्न थे, जिनमें देश की राजभाषा का निर्धारण भी एक प्रमुख विषय था। इस ऐतिहासिक कार्य में महाकौशल की धरती जबलपुर के गौरव, स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार पद्मभूषण सेठ गोविंददास जी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय है। हिंदी को भारत की राजभाषा का सम्मान दिलाने के लिए उन्होंने संविधान सभा में सशक्त और प्रभावी भूमिका निभाई।

सेठ गोविंददास हिंदी भाषा के प्रति गहरी आस्था रखते थे। उनका मानना था कि भारत जैसे विशाल देश की एकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए ऐसी भाषा आवश्यक है, जिसे देश का अधिकांश जनसमुदाय समझ सके। इसी विचार के साथ उन्होंने संविधान सभा में हिंदी के पक्ष में लगातार अपने विचार रखे। वे हिंदी को केवल एक भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और भारतीय संस्कृति का प्रतीक मानते थे।

संविधान सभा में राजभाषा को लेकर लंबी और गंभीर बहस हुई। इस दौरान सेठ गोविंददास ने हिंदी को राजभाषा बनाए जाने के पक्ष में प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत को प्रशासन और जनसंपर्क के लिए विदेशी भाषा पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। देश की अपनी भाषा ही राष्ट्र की आत्मा को अभिव्यक्त कर सकती है। उनके विचारों और प्रयासों ने हिंदी समर्थक आंदोलन को नई शक्ति प्रदान की।

हिंदी के प्रति उनके समर्पण का परिणाम यह हुआ कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। यह दिन हिंदी के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज है।

सेठ गोविंददास केवल राजनेता ही नहीं, बल्कि प्रतिष्ठित साहित्यकार और हिंदी के सच्चे साधक भी थे। उन्होंने हिंदी साहित्य की उन्नति और प्रचार-प्रसार के लिए अनेक रचनाएँ लिखीं तथा विभिन्न मंचों पर हिंदी के सम्मान की आवाज बुलंद की। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक गौरव की आधारशिला भी होती है।

आज जब हिंदी विश्व स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रही है, तब सेठ गोविंददास का योगदान और भी अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। महाकौशल की इस महान विभूति को हिंदी जगत सदैव कृतज्ञता और सम्मान के साथ स्मरण करता रहेगा।

संस्कृत व्याकरण को रोचक बनाने के आसान उपाय

संस्कृत को भारतीय भाषाओं की जननी कहा जाता है। यह केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान, संस्कृति और दर्शन की समृद्ध परंपरा का आधार है। हालांकि, अधिकांश विद्यार्थियों को संस्कृत व्याकरण कठिन और जटिल प्रतीत होता है। संधि, समास, विभक्ति, धातुरूप और शब्दरूप जैसे विषयों के कारण कई छात्र संस्कृत से दूरी बनाने लगते हैं। यदि शिक्षण पद्धति में कुछ नवीन और रोचक उपाय अपनाए जाएं, तो संस्कृत व्याकरण को न केवल सरल बल्कि आनंददायक भी बनाया जा सकता है। संस्कृत के प्रति रुचि जागृत करना ही उसके सफल शिक्षण की सबसे बड़ी कुंजी है।

व्याकरण, रटें नहीं, समझें

सबसे पहले, व्याकरण को रटने की बजाय समझने पर जोर देना चाहिए। शिक्षक यदि नियमों को दैनिक जीवन के उदाहरणों से जोड़कर समझाएं, तो विद्यार्थी उन्हें आसानी से ग्रहण कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, संधि और समास को सामान्य हिंदी शब्दों के माध्यम से समझाया जा सकता है। खेल-आधारित शिक्षण संस्कृत व्याकरण को रोचक बनाने का प्रभावी तरीका है। शब्द निर्माण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, भाषा पहेली, फ्लैश कार्ड और समूह गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थी सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इससे उनका भय कम होता है और विषय के प्रति रुचि बढ़ती है।

रोचक कथाएं, आसान नियम

कहानियों और संवादों का उपयोग भी व्याकरण शिक्षण को जीवंत बना सकता है। यदि शिक्षक छोटे-छोटे संस्कृत संवाद, प्रेरक प्रसंग और रोचक कथाएं सुनाते हुए व्याकरण के नियम समझाएं, तो विद्यार्थी विषय को अधिक आसानी से समझ पाते हैं। इससे भाषा और व्याकरण का व्यावहारिक संबंध भी स्पष्ट होता है।

स्मार्ट शिक्षण की तकनीक

डिजिटल तकनीक का उपयोग वर्तमान समय की आवश्यकता है। संस्कृत से जुड़े मोबाइल ऐप, ऑनलाइन क्विज, एनिमेटेड वीडियो और इंटरैक्टिव प्रस्तुतियां विद्यार्थियों को आकर्षित करती हैं। दृश्य और श्रव्य माध्यमों से सीखने पर विषय अधिक समय तक स्मरण रहता है। संस्कृत श्लोकों, सुभाषितों और गीतों को शिक्षण का हिस्सा बनाना भी लाभदायक है। जब विद्यार्थी लय और संगीत के साथ संस्कृत का अभ्यास करते हैं, तो व्याकरणिक संरचनाएं सहज रूप से समझ में आने लगती हैं। इससे भाषा के प्रति आत्मीयता भी विकसित होती है।

सरकारी तालाब की जमीन पर अवैध प्लाटिंग

ग्रामीणों के विरोध के बाद प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले के वारासिवनी अनुभाग अंतर्गत ग्राम डोंगरिया में स्थित करीब 100 वर्ष पुराने सरकारी तालाब की भूमि पर कथित अवैध कब्जा और प्लाटिंग का मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों के विरोध और शिकायतों के बाद प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सात एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले इस ऐतिहासिक तालाब की भूमि पर मिट्टी भराव कर प्लॉट काटे जा रहे हैं, जिससे तालाब का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र के एक प्रभावशाली व्यक्ति दीपचंद टेंभरे द्वारा तालाब की सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर प्लाटिंग की जा रही है। ग्रामीणों का दावा है कि विवादित भूमि पर लगभग 95 प्रतिशत प्लॉट बेचे भी जा चुके हैं। इस पूरे मामले में तत्कालीन पटवारी नीरज डोंगरे पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पटवारी ने किसी अन्य स्थान के पट्टे को तालाब की भूमि पर दर्शाकर अवैध प्लाटिंग को बढ़ावा दिया।

पूर्व सरपंच लिखखन बिसेन, जनपद प्रतिनिधि बाबूलाल भगत तथा अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यह तालाब गांव के जल स्रोत का प्रमुख आधार रहा है। तालाब के क्षेत्र में लगातार किए जा रहे भराव और अतिक्रमण के कारण जल संरक्षण प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में क्षेत्र को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

ग्रामीण महिला भूमेश्वरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रशासन से तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से शिकायतें किए जाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिसके कारण अतिक्रमण लगातार बढ़ता गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल स्वयं मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अब ग्रामीणों को प्रशासन की जांच रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व में शिक्षा में नया रिकॉर्ड

शाला प्रवेश एवं पंजीयन में प्रदेश में प्रथम स्थान, 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

शिक्षा के क्षेत्र में बालाघाट जिले ने एक नई उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। वर्ष 2026-27 में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के प्रवेश एवं पंजीयन अभियान में बालाघाट जिला प्रदेश में नर्मदापुरम जिले के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। जिले ने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 100 प्रतिशत प्रवेश एवं पंजीयन सुनिश्चित कर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है।

इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे कलेक्टर मृणाल मीना का दूरदर्शी नेतृत्व, सतत मॉनिटरिंग और शिक्षा के प्रति गंभीर दृष्टिकोण प्रमुख कारण माना जा रहा है। कलेक्टर श्री मीना ने अभियान के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, बीआरसी, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों तथा स्कूलों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें कर स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जिले का कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर न रहे। जिले में कक्षा 1 से 8 तक 2 लाख 13 हजार 127 बच्चों के प्रवेश एवं पंजीयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 2 लाख 07 हजार 548 बच्चों का प्रवेश एवं पंजीयन कर 97 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई। वहीं कक्षा 9 से 12 तक 92 हजार 287 विद्यार्थियों के लक्ष्य के मुकाबले 97 हजार 349 विद्यार्थियों का प्रवेश एवं पंजीयन कर 105 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई।

कुल मिलाकर कक्षा 1 से 12 तक 3 लाख 05 हजार 414 विद्यार्थियों के लक्ष्य के विरुद्ध 3 लाख 04 हजार 897 विद्यार्थियों का प्रवेश एवं पंजीयन कर जिले ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया है। आगामी दिनों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या और बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है। शिक्षा जगत और आमजन में इस सफलता को लेकर उत्साह का माहौल है। जिले के शिक्षकों, प्राचार्यों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और अभिभावकों ने कलेक्टर श्री मृणाल मीना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतत निगरानी और स्पष्ट कार्ययोजना के कारण यह उपलब्धि संभव हो सकी है।

यह सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बालाघाट जिले में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता, अभिभावकों के विश्वास और प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का भी प्रमाण है। कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व में बालाघाट शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है, जो अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

गांव-गांव घूमकर अवैध धान बीज बेचने वालों पर कार्रवाई

बैहर थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। किसानों को अवैध रूप से धान बीज बेचने और धोखाधड़ी करने के मामले में कृषि विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों के विरुद्ध बैहर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।अनुविभागीय कृषि अधिकारी एवं बीज निरीक्षक बैहर एस.आर. धुर्वे ने बताया कि भिकेवाड़ा निवासी सानू पटले, भंडेरी निवासी पलक बिसेन तथा भोरवाही निवासी कुंजेलाल हिरवाने के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) एवं अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 07 जून 2026 को बैहर थाने में मामला दर्ज कराया गया है।जानकारी के अनुसार, कृषक साथी एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रोपराइटर सानू पटले एवं उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि पलक बिसेन, कुंजेलाल हिरवाने के वाहन क्रमांक एमपी-50-जेडजी-6496 के माध्यम से भंडेरी, गोहारा, कासीटोला सहित विभिन्न गांवों में घूम-घूमकर विभिन्न कंपनियों के धान बीज का अवैध विक्रय कर रहे थे। कृषि विभाग को इसकी सूचना मिलने पर 01 जून 2026 को मंडेरी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन एवं धान बीज को जब्त कर लिया गया था।जांच में पाया गया कि बिना वैध अनुमति एवं आवश्यक दस्तावेजों के किसानों को धान बीज बेचा जा रहा था, जिससे किसानों के साथ धोखाधड़ी होने की आशंका थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कृषि विभाग ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे बीज खरीदते समय पक्का बिल एवं आवश्यक दस्तावेज अवश्य प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध बीज बिक्री की जानकारी तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

वार्डवासियों ने पकड़ा रेत से भरा बिना नंबर का ट्रेक्टर

पुलिस अभिरक्षा में थाने में जमा, खनिज विभाग ने शुरू की कार्रवाई

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

कटंगी थाना क्षेत्र की शहरी सीमा में अवैध रेत उत्खन के खिलाफ वार्डवासियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेत से भरा एक बिना नंबर का ट्रेक्टर पकड़कर पुलिस और खनिज विभाग के हवाले कर दिया। रविवार 7 जून की सुबह करीब 7 बजे वार्ड क्रमांक 10 के धोप टोला स्थित चनई नदी में अवैध तरीके से रेत निकालकर ले जा रहे ट्रैक्टर को स्थानीय लोगों ने घेर लिया। इसके बाद वाहन को पुलिस अभिरक्षा में कटंगी थाने में जमा करवा दिया गया। खनिज निरीक्षक बसंत पाटिल ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है। वार्डवासियों का कहना है कि चनई नदी में कई दिनों से अवैध खनन किया जा रहा था। कई बार समझाइश देने के बाद भी रेत माफिया बाज नहीं आए। आखिरकार रविवार सुबह लोगों ने खुद मोर्चा संभाला और अवैध परिवहन कर रहे ट्रेक्टर को पकड़ लिया। रविवार सुबह धोप टोला के वार्ड वासी नदी किनारे घूमने निकले थे। तभी उन्होंने देखा कि चनई नदी से बिना नंबर का ट्रैक्टर रेत भरकर शहर की ओर आ रहा है। ट्रैक्टर की आवाज सुनकर और लोग भी इकट्ठा हो गए। वार्डवासियों ने ट्रेक्टर को रास्ते में ही रोक लिया। चालक वाहन छोड़कर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। जांच करने पर पता चला कि ट्रेक्टर में अवैध तरीके से निकाली गई रेत भरी हुई है और वाहन पर कोई नंबर प्लेट नहीं लगी है। वार्डवासियों ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने वाहन को कटंगी

थाने लाकर अभिरक्षा में रख दिया। पुलिस ने वार्डवासियों से कहा कि अवैध रेत खनन और परिवहन का मामला खनिज विभाग के दायरे में आता है। इसलिए इसकी शिकायत खनिज विभाग से करें। इसके बाद वार्डवासियों ने खनिज विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही खनिज निरीक्षक बसंत पाटिल मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर और उसमें भरी रेत का पंचनामा बनाया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वाहन गोपालपुर निवासी हुकुमचंद मानेश्वर का है। खनिज निरीक्षक ने बताया कि बिना रॉयल्टी और बिना परमिट के रेत का उत्खनन और परिवहन करना अवैध है। इसके खिलाफ मध्यप्रदेश खनिज नियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। वाहन को जब्त कर जुर्माना वसूला जाएगा और प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

वार्डवासियों का आरोप बार-बार समझाने के बाद भी नहीं माने- धोप टोला के वार्ड वासियों ने बताया कि चनई नदी में पिछले कई महीनों से अवैध रेत खनन का काम चल रहा है। रात के समय और सुबह जल्दी ट्रैक्टर और ट्रॉली आकर रेत निकाल ले जाते हैं। नदी की तलहटी खोद दी गई है। इससे नदी का बहाव बदल रहा है और किनारे के खेतों को भी नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय निवासी महेश मानेश्वर ने कहा कि हमने रेत माफियाओं को कई बार समझाया कि अवैध खन बंद करो। पंचायत और प्रशासन से भी शिकायत की। लेकिन कोई असर नहीं हुआ। मजबूर होकर आज हमें खुद आगे आकर ट्रेक्टर पकड़ना पड़ा। अगर हम चुप रहते तो नदी पूरी तरह खत्म हो जाती। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सवाल किया है कि शहर के अंदर हो रहे अवैध खनन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती। रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए कि बिना नंबर के ट्रेक्टर दिनदहाड़े रेत भरकर ले जा रहे हैं।

बछिया की तलाश में निकला ग्रामीण बना गोलीकांड का शिकार, कुएं से बरामद हुई अवैध बंदूक

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खैरा अमड़ी में हुई गोली लगने की घटना में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अवैध देशी भरमार बंदूक से चली गोली के छर्रे लगने से एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के करीब 17 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को दबोचते हुए घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार 21 मई की रात ग्राम खैरा अमड़ी निवासी नन्हेलाल अगरिया अपनी गाय की बछिया खोजने घर से निकला था। काफी तलाश के बाद वह छपरी हार के जंगल क्षेत्र में पहुंचा। इसी दौरान अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी और उसके शरीर के कई हिस्सों में छर्रे धंस गए। छर्रे लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घायल ने पुलिस को बताया कि घटना के कुछ ही क्षण बाद गांव का धनिया उर्फ धनीराम यादव हाथ में बंदूक लिए उसके पास पहुंचा। आरोपी ने कहा कि गोली गलती से चल गई और किसी को जानकारी नहीं देने की बात कहते हुए इलाज कराने का भरोसा दिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार कराया गया। मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने घायल की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 125(ए) तथा आर्म्स एक्ट की धाराओं 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी घटना के बाद से लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। उसकी तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी गई और मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने गांव लौट आया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि घटना में इस्तेमाल की गई बिना लाइसेंस की देशी भरमार बंदूक को उसने अपने खेत के कुएं में फेंक दिया था।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने कुएं में तलाश अभियान चलाया और बंदूक बरामद कर ली। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध हथियार रखने और लापरवाहीपूर्वक उनका उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस पूरे अभियान में कोतवाली पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके चलते फरार आरोपी कानून के शिकंजे में आ सका।

राजेश अग्रवाल की अपील खारिज, वारंट किया जारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले का एक चर्चित चेक बाउंस मामला राजेश अग्रवाल बनाम वासुदेव दासवानी में अपीलार्थी राजेश अग्रवाल की अपील खारिज होने पर वारंट किया गया। राकेश कुमार गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि विचरण न्यायालय आशीष धुर्वे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी उमरिया ने दिनांक 31 मई 2025 को अभियुक्त राजेश अग्रवाल को दोषसिद्धि ठहराते हुए 6 माह का कारावास एवं 1811206 रुपए के प्रतिकर से दंडित किया था। जिसके पश्चात आरोपी राजेश अग्रवाल ने माननीय सत्र न्यायालय, उमरिया के समक्ष अपील प्रस्तुत किया था। जिस पर अपीलीय न्यायालय स्वाति कुशाल धारीवाल, तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश ने भी दिनांक 4 जून 2026 को अभियुक्त राजेश अग्रवाल के विरुद्ध ही फैसला देते हुए विचारण न्यायालय के निर्णय की पुष्टि कर दी है। उल्लेखनीय है कि उक्त मामला कई वर्ष से उमरिया न्यायालय में विचाराधीन था। माननीय अपीलीय न्यायालय द्वारा पारित निर्णय पश्चात परिवादीध्उत्तरार्थी के साथ संपूर्ण समाज में हर्ष व्याप्त है!

अतिक्रमण कर फिर बस रहा ईरानी मोहल्ला..!

उमरिया (स्वतंत्रमत) - शासन, प्रशासन अतिक्रमण मुक्त करने की चाहे जितना कहे लेकिन धरातल पर उसके विपरीत ही हो रहा है। नगर के ज्वालामुखी कॉलोनी और डे कॉलोनी के बीच कभी शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर ईरानी मोहल्ला बस गया था और लगातार अवैध गतिविधियों में शामिल इस लोगों से परेशान होकर प्रशासन ने इन्हें यहां से हटा दिया था और शासकीय भूमि को खाली करवा दिया था लेकिन फिर वही वोट बैंक या फिर अन्य कारणों से अब फिर पक्के आवास बना कर शासकीय भूमि पर कब्जा किया जा रहा है और जनप्रतिनिधि और प्रशासन मूक दर्शक की तरह देख रहा है.!नगर के साथ साथ जिले भर में लगातार चोरियों की घटनाएं सामने आ रही हैं और जिनका रिकॉर्ड पहले से ही खराब है और अवैध गतिविधियों में देखा और पकड़ा जा चुका है उन्हें आखिर फिर से शासकीय भूमि में बसाने का जिम्मा किसने लिया है जिसकी जाँच होनी चाहिए और प्रशासन को शासकीय भूमि को खाली कराये। एक समय आधी रात को ट्रेनों में भी लगातार चोरियां हो रही थी जिनके तार उमरिया के इसी मोहल्ले से जुड़ते रहे थे और कई पकड़े भी गए थे लेकिन फिर से शांत उमरिया को अशांत करने की किसको जल्दी पड़ी हुई है कि जो वही पर फिर से रेल पटरियों के किनारे स्थायी बसाने की व्यवस्था की जा रही हैं.? शासन प्रशासन इस ओर ध्यान दे और जल्द से जल्द शासकीय भूमि में हो रहे अतिक्रमण को हटाए और यहां रहने वालों की पृष्ठभूमि की जांच कर उमरिया नगर से ही नहीं जिले से बाहर भेजे.!

सहायक परियोजना समन्वयक मोबिलाइजेशन एवं वित्त की व्यवस्थागत, नियम विरुद्ध भर्ती में डीपीसी की भूमिका संदिग्ध.!

केके शुक्ला (उमरिया ब्यूरो)

विगत कुछ दिनों से समाचार पत्रों के जरिये ध्यानाकर्षण में लाई जा रही जानकारी को कई समाचार पत्रों ने सही तो कई ने भ्रामक कहकर नकारने का काम किया है। पर वास्तविक सच्चाई यह है कि जिला मिशन संचालक कलेक्टर महोदया को भी संज्ञान लेकर न्यायसंगत निर्णय लेते हुए इन दोनों पदों पर प्रभारित भारों को निरस्त किया जाना चाहिए।

राज्य शिक्षा केंद्र से प्राप्त निर्देशों के अनुसार यह वहाँ से मार्गदर्शन प्राप्त कर एक बार देखना चाहिए। पूरे म.प्र. स्तर पर ही किसी को एक उ.मा.वि. की व्यवस्था बिगाड़ कर, नियम निर्देशों की अवहेलना कर ऐसे दायित्व व्यवस्थागत दिया जाना कहीं भी नहीं है न ही ऐसे निर्देश है। इसी प्रकार ए.पी.सी. वित्त का प्रभार भी सहायक ट्रेजरी ऑफिसर्स को देने के निर्देश थे। पूर्व में ऐसा रहा भी है किन्तु व्यवस्था के नाम पर मनमानी करने के निर्देश शासन किसी को नहीं देती। इस पूरे मामले का गंभीरता से अवलोकन करते हुए कलेक्टर महोदया एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी को न्यायसंगत निर्णय कर इन्हें पदमुक्त करते हुए नए सत्र में सही संचालन की ओर ध्यान दिया जाना उचित होगा। साथ ही वरिष्ठ कार्यालयों को भी सूचित किया जाना सही रहेगा जिससे उमरिया जिला जो चारागाह साबित होता रहा है।

ऐसे कई बिन्दुओं की जाँच कर अभी-अभी जिले में पदासीन दण्डाधिकारी महोदया को संज्ञान में लेकर सही प्रक्रिया का संचालन जिले में हो, ऐसी अपेक्षा है। अन्यथा की स्थिति में यह शिक्षा का केंद्र नहीं, व्यवसाय का केंद्र साबित होगा.! जिला परियोजना समन्वयक के.के. डेहरिया जी का लगातार मुख्यालय से बाहर रहना

और शासकीय वाहन का उपयोग निजी रूप में करना व कार्यालयीन नियंत्रण किसी और से संचालित करवाना, ये सभी गतिविधियां ही वास्तव में परिस्थिति को न समझना। इन सबका संज्ञान में लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को इनकी भूमिकाओं पर भी नजर रखा जाना उचित होगा.!

जिला शिक्षा केन्द्र में मचे बवाल की मुख्य भूमिका में शामिल कार्यालय का लेखापाल -वर्तमान परिदृश्य में जिला शिक्षा केन्द्र विवादों का अड्डा बना हुआ है। पूर्व में भी यही सब आम बातों की तरह इस कार्यालय का नाता रहा है। जिला परियोजना समन्वयक का कंधे से कंधा मिलाकर गलतियों को लगातार निमंत्रित करने के पीछे मुख्य सूत्रधार कार्यालय का लेखापाल है। पाली जनपद में पदस्थ लेखापाल कई वर्षों से जिला कार्यालय में व्यापार के जरिये अंगद की पांव की तरह जमा हुआ है। पाली जनपद का कार्य प्रभावित होता रहे वहाँ का चार्ज बस ना रहे बाकी पूरे जिले में छाप रहे यह कैसी व्यवस्था है, समझ से परे है। सभी छात्रावासों का एकाउन्टेन्ट, जिले का एकाउन्टेन्ट बस जहाँ पदस्थापना है वहाँ का प्रभार नहीं, धन्य है ऐसी व्यवस्था। अधिकतर जन शिक्षा केन्द्रों का कार्य, सभी छात्रावासों का कार्य एवं छोटी से छोटी तथा बड़े से बड़े कार्य की सप्लाई अपने रिश्तेदारों के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का ही बिल लगाकर निकाल लेना उमरिया जिले के शिक्षा व्यवस्था को किसी अनहोनी की तरफ इशारा कर रही है। जिले के मुखिया को यह सिर्फ समाचार पत्रों में ऐसे ही छपता रहता है ऐसा न सोचते हुए संज्ञान में लाना होगा कि आखिर ऐसी व्यवस्थाओं की आवश्यकता क्यों पड़ी और यदि पड़ी तो नियमानुसार क्यों नहीं पड़ी। वास्तव में किसी व्यक्ति को हितलाभ देना कहाँ तक न्याय संगत है। और यदि इन लेखापाल महोदय को ही पाली पदस्थापना जहाँ है वहाँ पर करते हुए व्यवस्थागत किसी अन्य लेखापाल को जिला शिक्षा केंद्र में रखा जाये तो व्यवस्थागत जो आदेश निकल रहे हैं उसकी पूर्ति भी हो जायेगी और जो आदेशों के पीछे कुटिलता आ रही है उस पर भी विराम लग जाये। वैसे लेखापाल साहब छोटे-मोटे साहब नहीं है वह मैनेज करना भली-भांति जानते हैं हो सकता है कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी जिला परियोजना समन्वयक सभी ही मैनेज करने की क्षमता उनमें है और ऐसा करने में वह सक्षम है। अब आगे क्या होता है यह तो आने वाला समय ही तय करेगा कि साहब पाली अपनी पदस्थापना पर जाते है या यह गलत तरीके से हुए आदेश निरस्त होते हैं या ऐसी ही मैनेजपूर्ण व्यवस्था आगे भी व्यवस्था के नाम पर नियम निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर उमरिया जिले को ही उड़ाने में सफल होती है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

महिष्मति घाट में चल रही सात दिवसीय रामधुन में अन्नदान कर दुखियों की सेवा का लिया संकल्प महाआरती में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष

मण्डला (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद समाज कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शिव तिवारी का मंडला आगमन हुआ। उनके आगमन पर पत्रकार परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्थानीय रेस्ट हाउस में पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण से उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकार परिषद के कार्यकर्ताओं समाज कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की। तत्पश्चात् श्री तिवारी अपने परिजनों एवं परिषद के सदस्यों के साथ मां नर्मदा के पावन तट माहिष्मती घाट पहुंचे जहां महिष्मति ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा शॉलश्रीफल से स्वागत किया। वही पुरूषोत्तम मास के पावन अवसर पर माहिष्मती घाट में सात दिवसीय श्रीराम धुन संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रृद्धालु शामिल होकर राम नाम का जाप कर रहे हैं श्री तिवारी ने भी संकीर्तन में भाग

लेकर रामधुन का श्रवण किया। वही उन्होंने रामेश्वर दास महाराज जी अंजनिया के सान्निध्य में अन्नदान कार्यक्रम में सहभागिता की उन्होंने श्रृद्धापूर्वक सवा सौ क्विंटल अन्नदान का संकल्प पूर्ण किया इसके साथ ही फल, मिष्ठान एवं अन्य सामग्री का भी दान किया गया। धार्मिक परंपराओं के अनुसार विधिवत पूजा-अर्चना हुआ। अन्नदान के दौरान बड़ी संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित रहे और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। वहीं परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय वृद्धाश्रम पहुंचे जहां निवासरत बुजुर्गों से मुलाकात की उन्होंने वृद्धजनों का सम्मान करते हुए उन्हें फल मिष्ठान वितरण करते हुए अपने हाथों से चप्पल पहनाई। साथ ही बुजुर्गों से उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या और आवश्यकताओं के संबंध में भी जानकारी ली श्री तिवारी और उनकी टीम को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज के समय में वृद्धजनों की सेवा करना अत्यंत पुण्य का कार्य है। इसके बाद श्री तिवारी पुनः माहिष्मती घाट पहुंचे जहां संध्याकालीन मां नर्मदा पंचचौंकी महाआरती में शामिल हुए वैदिक मंत्रोच्चार घंटियों की ध्वनि और दीपों की अलौकिक आभा के बीच उन्होंने मां नर्मदा का विधिवत पूजन-अर्चन किया श्रृद्धा और भक्ति के वातावरण में उन्होंने दीपदान कर मां नर्मदा से सुख-समृद्धि, शांति की कामना की। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे आरती के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया श्री तिवारी ने स्वयं श्रृद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण में सहयोग किया। वहीं बीते दिनों अखिल भारतीय संत समिति के प्रदेशाध्यक्ष के सानिध्य में स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज देव बप्पा सेवा आश्रम को समिति का मंडला जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिनका आगमन महिष्मति घाट में चल रही रामधुन में हुआ। नवनियुक्त संत समाज के जिला अध्यक्ष स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज का स्वागत पत्रकार परिषद समाज कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शिव तिवारी के द्वारा किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, रोहित बघेल, समाजसेवी सुधीर कांसकार, किशोर रजक, राजेश दीक्षित, दीपक कछवाहा, श्रीमति उमा यादव, संध्या शिवहरे, दीप्ति नरेलिया, सीता परतेती, सुनीता सैयाम, पं. संतोष तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे वहीं सामाजिक कार्यकर्ता राजेश क्षत्री ने श्री तिवारी के हाथों यहां लगे सकोर पर जल भरवाकर पर्यावरण और जीव जंतुओं की सुरक्षा का संदेश दिया। प्रदेश अध्यक्ष शिव तिवारी ने कहा काफी प्रयासों के बाद माहिष्मती घाट को एक विकसित धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। पंच चौकी महाआरती अब मंडला की पहचान बन चुकी है जो जिले की सांस्कृतिक विरासत और आस्था का प्रतीक है। महाआरती के पश्चात भंडारे एवं प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया जिसमें श्रृद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यहां जबलपुर ग्वारी घाट, उज्जैन महाकाल और बनारस व मां गंगा तट की तर्ज पर आयोजित इस महाआरती को देखने के लिए विगत वर्ष में दूर-दूर से धर्मप्रेमी पहुंचे हैं।

करंट की चपेट में युवक हुई मौत

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले के बम्हनी बंजर क्षेत्र के ग्राम जहमाऊ में दर्दनाक हादसे में 28 वर्षीय युवक अक्षय कुमार यादव की कथित रूप से बिजली के पोल में करंट लगने से मृत्यु हो गई। घटना सुबह लगभग 7 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है जानकारी के अनुसार युवक अपने घर के आंगन के बाहर मौजूद था तभी बिजली के पोल के संपर्क में आने से उसे करंट लगा। गंभीर स्थिति में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया जहां परिजनों ने न्याय मांगते हुए चकाजाम कर दिया। जिसकी जानकारी कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक मर्सकोले को लगी तो वे परिजनों से मिलने घटना स्थल पहुंचे और वास्तविक स्थिति जाना और बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए परिजनों को मुआवजा राशि प्रदान करते हुए उचित जांच करने की मांग की। जानकारी के अनुसार मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य बताया जा रहा है। परिवार में वृद्ध मां गर्भवती पत्नी और एक छोटा बच्चा है। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने चक्का जाम कर प्रशासन एवं बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली व्यवस्था में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है तत्काल राहत के रूप में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता एवं आउटसोर्स आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

संदीपनी विद्यालयों की समीक्षा

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में शिक्षा विभाग द्वारा संचालित दो संदीपनी विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने निवास और बिछिया में चल रहे दोनों विद्यालयों की विस्तृत जानकारी ली जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में शिक्षा विभाग के केवल दो संदीपनी विद्यालय संचालित हैं। दोनों के लिए पीडब्ल्यूडी पीआईयू द्वारा नया भवन बनाया जा रहा है अभी कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई पुरानी बिल्डिंग में हो रही है निवास स्कूल में हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम से पढ़ाई होती है जबकि बिछिया में हिंदी माध्यम की कक्षाएं हैं कलेक्टर ने ईई पीआईयू से कहा कि 15 जुलाई तक नया भवन फर्नीचर सहित विभाग को सौंप दें।

बस को दिखाई हरी झंडी

मण्डला (स्वतंत्रमत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने मवई विकासखंड के ग्राम दाढ़ी में आयोजित रात्रि चौपाल और रात्रि विश्राम के लिए अधिकारियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस रात्रि चौपाल एवं रात्रि विश्राम कार्यक्रम शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का सशक्त माध्यम है।

21 जून तक चलेगा योग

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को लेकर जिला प्रशासन द्वारा माहिष्मती घाट पर विशेष योग अभ्यास सत्र चलाया जा रहा है। शुक्रवार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर योग अभ्यास सत्र में प्रतिदिन की भाति हिस्सा लेने पहुंचे कलेक्टर, अपर कलेक्टर, सीईओ ने गमलों में औषधीय पौधों का रोपण भी किया। विदित है कि आयुष विभाग द्वारा 1 जून से जिला प्रशासन के सभी विभाग प्रमुखों के लिए विशेष योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

थानमगांव वाटरशेड में पौधारोपण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नाबार्ड एवं प्रदान संस्था की संयुक्त पहल पर विकासखंड निवास के थानमगांव वाटरशेड क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण जलवायु परिवर्तन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा क्षेत्र में हरित आवरण का विस्तार करना रहा। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य फोकस जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

वृक्षारोपण कर दिया संदेश

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 148 वी वाहिनी सीआरपीएफ मुख्यालय में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विक्रांत सारंगपाणि कमाण्डेन्ट 148 वी वाहिनी द्वारा पौधे का रोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस दौरान रत्नेश कुमार सिंह द्वितीय कमान अधिकारी मनोंरजन कुमार उप.कमा. एवं श्रीमती मनोरमा सिंह सहा.कमा. साथ-साथ वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानो ने वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया। विक्रांत सारंगपाणि कमाण्डेन्ट 148 वी वाहिनी के निर्देशन में भारत के विभिन्न स्थानों पर वर्तमान समय में तैनात इस वाहिनी की सभी समवायों में भी वृक्षा रोपण का कार्यक्रम

पुलिस का छह दिवसीय प्रशिक्षण

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

आगामी सिंहस्थ-2028 के सफल सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस द्वारा आयोजित छह दिवसीय प्रथम चरण प्रशिक्षण शनिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 1 जून से 6 जून तक आयोजित किया गया जिसमें पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में प्रभावी सेवाएं देने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया प्रशिक्षण का शुभारंभ उप पुलिस महानिरीक्षक विनीत जैन द्वारा किया गया इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

शिव कुमार वर्मा, निरीक्षक धर्मेंद्र धुर्वे, रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी, उपनिरीक्षक श्रीचंद मरावी, सूबेदार गेलेंद्र नागेश सहित अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सेवा, सुरक्षा एवं सद्भाव की भावना के साथ सिंहस्थ महापर्व में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया गया उन्हें भीड़ प्रबंधन आपदा प्रबंधन कानून-व्यवस्था बनाए रखने श्रृद्धालुओं की सहायता यातायात संचालन संचार समन्वय तथा आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के संबंध में व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक जानकारी दी गई।

किसान की डूबने से मौत

मण्डला (स्वतंत्र मत)। थाना क्षेत्र की पिंडरई चौकी अंतर्गत बिजेगांव डेम में नहाने के दौरान एक किसान की डूबने से मौत हो गई मृतक की पहचान सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के ग्राम बरगांव निवासी 57 वर्षीय मनीराम उइके के रूप में हुई है प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीराम उइके अपने रिश्तेदारों से मिलने ग्राम बिजेगांव आए हुए थे शनिवार को वे बिजेगांव डेम में नहाने के लिए गए थे इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की तथा घटना की सूचना पुलिस को दी सूचना मिलते ही पिंडरई चौकी प्रभारी राजकुमार हिरकने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

महापुराण का समापन पहुंचे धर्मप्रेमी

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत देवदरा अंतर्गत आने वाले राजीव कॉलोनी झंडा चौक में बीते सात दिनों से चल रही आस्था और आध्यात्म की अविरल गंगा का समापन हो गया। यहां सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की महिला मंडल द्वारा आयोजित इस धाार्मिक कार्यक्रम के अनूठे प्रयास से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें और अंतिम दिवस कथा स्थल पर भक्ति का चरमोत्कर्ष देखने को मिला सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित कुलदीप महाराज के मुखारविंद से बरस रहे भजनों और भगवान

श्रीकृष्ण की दिव्य व अलौकिक लीलाओं के वर्णन को सुनकर पूरा क्षेत्र पूरी तरह कृष्णमय और शिवमय नजर आया कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ से पंडित कुलदीप महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के मिलन का प्रसंग अत्यंत भावपूर्ण और मार्मिक ढंग से श्रवण कराया। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं ने एक साथ मंत्रोच्चार के बीच आहुति देकर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की महाआरती के बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें देर शाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण किया इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की महिला मंडल और समस्त राजीव कॉलोनी वासियों का सराहनीय योगदान रहा।

जल जीवन से घर-घर पहुंचा पानी

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

ग्राम पंचायत पड़रिया में पिछले कुछ दिनों से बाधित पेयजल आपूर्ति को पुनः सुचारू कर दिया गया है। पानी टंकी की सफाई एवं आवश्यक रखरखाव कार्य के कारण जल प्रदाय अस्थायी रूप से बंद किया गया था जिसे अब सफलतापूर्वक बहाल कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार पानी टंकी में लंबे समय से जमा गाद एवं मलबे की व्यापक सफाई की गई। इस महत्वपूर्ण कार्य के चलते कुछ दिनों तक ग्रामीणों को जलापूर्ति में परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्राम पंचायत पड़रिया

एवं जल जीवन मिशन की टीम ने लगातार तीन दिनों तक अथक मेहनत कर सफाई कार्य पूरा किया तथा तकनीकी खामियों को भी दूर किया। सफाई और मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद अब गांव के घर-घर में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति शुरू हो गई है। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय बाद पानी टंकी की समुचित सफाई होने से जल की गुणवत्ता में सुधार होगा और भविष्य में जल आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुचारू बनी रहेगी। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जल जीवन मिशन और पंचायत के संयुक्त प्रयासों से ग्रामीणों को फिर से घर बैठे पेयजल सुविधा का लाभ मिल रहा है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी जल स्त्रोतों के रखरखाव और नियमित सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जिससे पेयजल व्यवस्था लगातार बेहतर बनी रहे।

नियमित निरीक्षण के दिए निर्देश

मण्डला। जिले में सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड मंडला द्वारा समस्त पेयजल स्त्रोतों नल-जल योजनाओं एवं जल प्रदाय व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है। विभाग ने जलजनित रोगों की रोकथाम तथा पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड मंडला ने बताया कि वर्तमान मौसम एवं जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हैंडपंपों, नलकूपों, ओवरहेड टंकियों सहित विभिन्न पेयजल स्त्रोतों का नियमित क्लोरीनीकरण कराया जा रहा है।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने किया वृक्षारोपण

मण्डला (स्वतंत्रमत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत मंडला की ग्राम पंचायत सकवाह रामबाग में सूरजकुंड मंदिर के पास फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने उपस्थित लोगों को जन्मदिन के शुभ अवसर और पूर्वजों की याद में अधिक से अधिक पौधे लगाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में पीपल नीम बरगद जैसे वृक्षों को पवित्र माना गया है और वैज्ञानिक रूप से ये ऑक्सीजन देते हैं मिट्टी को बांधती हैं तथा भूजल स्तर बनाए रखने में मदद करती हैं। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, जनपद सदस्य श्रीमती अर्चना कछवाहा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जोरावर सिंह, सरपंच रश्मि उइके, सीईओ श्रीमती प्रतिमा शुक्ला, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अनुपम दुबे, स्वच्छ भारत मिशन की बीसी रश्मि वर्मा, सचिव शोभाराम रघुवंशी और सहायक सचिव कन्हैया लाल कछवाहा सहित स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

बीजेगांव बांध में फिर घटित हुआ हादसा

नहाते समय एक व्यक्ति डूबा, तलाश जारी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। थांवर नदी में बने बीजेगांव बांध में फिर एक हादसा घटित हुआ। जिसमें एक व्यक्ति की बांध में डूब जाने से मौत हो गई। थाना क्षेत्र नैनपुर के पिंडरई चौकी के आखरी छोर में बसे गांव केवलारी टोला में 57 वर्ष का व्यक्ति डूब गया । बताया जा रहा है कि गणिराम पिता छोटा उइके निवासी बड़र गांव थाना घंसौर जिला सिवनी गांव में मेहमानी में आया था । नहाते समय यह हादसा घटित हो गया। घटना स्थल और इलाका बेल घाट बीजेगांव बांध के अंतर्गत आता है। खबर मिलने पर पिंडरई चौकी प्रभारी राजकुमार हिरकने पिंडरई पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे है। पंक्तिया लिखे जाने तक मृतक की तलास जारी है।

केयर थैरेपिस्ट पर आवेदन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश वित्त विकास निगम एवं एमपी सेडमेप द्वारा परम फाउंडेशन के सहयोग से अनुसूचित जनजाति वर्ग की पीड़ित महिलाओं एवं युवतियों के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत विधवा परित्यक्ता एवं तलाकशुदा महिलाओं युवतियों को केयर थैरेपिस्ट का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन आईटीआई उत्कृष्टता केंद्र बिछिया में किया जाएगा।

एकजुटता के संकल्प के साथ कांग्रेसियों का वृहत कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

ब्लाक एवं नगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त आह्वान पर जुटे प्रदेश और जिले के पदाधिकारी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

कार्यकर्ताओ में सक्रियता लाने और आगामी रणनीति के मद्देनजर नैनपुर में कांग्रेस का एक वृहत कार्यकर्ता सम्मेलन आहूत किया गया । नगर पालिका के मंगल भवन में आयोजित यह सम्मेलन ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी नैनपुर के संयुक्त तत्वावधान में आहूत किया गया था। सम्मेलन में आगामी सांगठनिक गतिविधियों और क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा के साथ ही कार्यकर्ताओं में नया जोश फूंकने का सार्थक प्रयास किया गया। इस सम्मेलन में वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में मंडला जिला प्रभारी जगदीश सैनी एवं मंडला विधानसभा प्रभारी ताहिर अली खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार मर्सकोले ने की।

विशिष्ट अतिथियों में बिछिया

विधायक नारायण पट्टा, पूर्व जिला अध्यक्ष द्वय राकेश तिवारी व सत्यनारायण खंडेलवाल, तेंदूपत्ता वन उपज के प्रदेश अध्यक्ष प्रभारी सरजू प्रसाद तिवारी, पूर्व मंत्री गुलाब सिंह उइके, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कमल जायसवाल, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष जयंत रंगारी, जनपद सदस्य रंजीत उइके, जिला महासचिव संतोष उइके तथा यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजू अहिरवार मंच पर आसीन रहे।

इस अवसर पर कांग्रेसी कार्यकर्त्ताओ और पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया। सम्मेलन की शुरुआत में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दामोदर पटेल और नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धर्मेश तिवारी ने सभी अतिथियों का सूत की माला और शॉल से आत्मीय स्वागत किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली रीढ़ हैं। आगामी समय में बूथ स्तर पर जाकर जनता की समस्याओं को उठाना और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना ही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। इस दौरान क्षेत्रीय पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मौजूदगी बड़ी संख्या में देखी गई।

इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में क्षेत्र के कई प्रमुख पदाधिकारियों ने सहभागिता दर्ज कराई, जिनमें मुख्य रूप से जनपद व मंडलम अध्यक्ष जनपद सदस्य बीरबल परते, डिठोरी मंडल अध्यक्ष उमाकांत झरिया, पिंडरई मंडलम अध्यक्ष बसंत पटेल, पाठा सिहोरा मंडलम अध्यक्ष मुलायम सिंह नेती, कन्हरगांव मंडल अध्यक्ष गुलाब मरावी, निवारी मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश पीपरे, पूर्व मंडलम अध्यक्ष राजू वैष्णव, पीयूष खंडेलवाल

पार्षद एवं वरिष्ठ जन देवेंद्र जैन (पिंडरई), पातू शर्मा, नगर पालिका पार्षद मिंटू शर्मा, पार्षद सुनील विश्वकर्मा, ब्लॉक पदाधिकारी उपाध्यक्ष फहीम खान, नवनीत चौहान, नीतीश राजपूत महासचिव नरेंद्र ठाकुर, आशीष कटारे महामंत्री रवि वैष्णव सचिव महिपाल उलारी, अनिल वरकड़े, सहदेव मरावी, ग्राम एवं सोशल मीडिया टीम देल्हा ग्राम पंचायत अध्यक्ष शिवजी जघेंला, मंडलम उपाध्यक्ष राजेंद्र मरावी, अमीन दास बैरागी, रोहित उइके, हरलाल मरावी, सोशल मीडिया प्रभारी मयंक विश्वकर्मा, कार्यक्रम के अंत में जुझारू कार्यकर्ता विशाल मर्सकोले, मयंक खंडेलवाल सहित पूरे ब्लॉक से आए सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। सम्मेलन में समूचे नैनपुर ब्लॉक से भारी संख्या में आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने आयोजन को सफल बनाया।

संपादकीय

बीजेपी का रिसेट प्लान

भारतीय जनता पार्टी ने खुलकर संकेत दे दिए हैं कि उसकी नजर अब पंजाब पर है। लंबे समय से राज्य में मजबूत आधार बनाने के लिए संघर्ष कर रही बीजेपी ने हाल में पश्चिम बंगाल में मिली सफलता के बाद पंजाब में भी राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद, भगवा पार्टी ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। हालांकि, पंजाब बीजेपी के भीतर भी बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। 4 जून 2026 को घोषित राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का नाम न होने के बाद राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजस्थान से राज्यसभा सदस्य के रूप में रवनीत सिंह बिट्टू का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। बीजेपी की राज्यसभा उम्मीदवारों सूची में बिट्टू का नाम नहीं है। इसके बजाय पंजाब बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजा गया है।

पार्टी के भीतर इसे पुराने और वफादार कार्यकर्ताओं को संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है कि बाहरी नेताओं की एंट्री के बावजूद संगठन के समर्पित नेताओं की अनदेखी नहीं होगी। तरुण चुघ के संसद पहुंचने से रवनीत बिट्टू के लिए पंजाब की सक्रिय राजनीति में वापसी का रास्ता खुलता दिख रहा है। बिट्टू खुद सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि 17 साल संसद में रहने के बाद अब वह पंजाब की राजनीति पर ध्यान देना चाहते हैं और पार्टी नेतृत्व से केंद्रीय जिम्मेदारियों से मुक्त करने का अनुरोध कर चुके हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी बिट्टू जैसे बड़े सिख चेहरों को जमीनी राजनीति और संगठन विस्तार के लिए इस्तेमाल करना चाहती है, बजाय उन्हें संसद तक सीमित रखने के। 76 वर्षीय केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब बीजेपी अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के भीतर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस से बीजेपी में आए पूर्व सांसद ढिल्लों ने हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाला। उनके पदभार ग्रहण समारोह में अरदास के साथ हिंदू धार्मिक अनुष्ठान भी हुए। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष पद पर केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति को एक मजबूत सिख चेहरे को आगे लाने और नेतृत्व के खालीपन को भरने की कोशिश माना जा रहा है। लेकिन कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व सांसदों और हाल में शामिल हुए नेताओं की गैरमौजूदगी ने अंदरूनी खींचतान की अटकलों को जन्म दिया।

संगठन विस्तार और विपक्षी दलों से नेताओं को बीजेपी में लाने में अहम भूमिका निभाने वाले जाखड़ की नई भूमिका को लेकर अटकलें जारी हैं। कुल मिलाकर बीजेपी संगठन विस्तार, विपक्षी नेताओं को पार्टी में शामिल कराने और नशे के खिलाफ अभियान के जरिए 2027 में आम आदमी पार्टी को चुनौती देने की तैयारी कर रही है। पंजाब में 2027 की शुरुआत में 117 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं। बीजेपी फिलहाल दो विधायकों के साथ विधानसभा में मौजूद है और बहुमत के लिए जरूरी 59 सीटों तक पहुंचने का रास्ता बेहद कठिन है। भगवा पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण पंजाब में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की है, खासकर किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि को देखते हुए। हालांकि 2020-21 के किसान आंदोलन के बाद किसानों में बीजेपी के प्रति गुस्सा कुछ हद तक कम हुआ है, लेकिन अविश्वास पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

तमिलनाडु: अब क्या करेंगे अन्नामलै?

डॉ. सुधीर सक्सेना
स्वतंत्र पत्रकार

अन्नामलै कुप्पुस्वामी यानि के. अन्नामलै का त्यागपत्र पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन अंततः स्वीकार कर लिया है और इसी के साथ ही उनके भावी कदमों को लेकर नये सिरे से कयासों का दौर शुरू हो गया है। स्पष्ट है कि नितिन नबीन, अमित शाह और बीएल संतोष से उनकी वार्ताएं। विफल रहीं। पार्टी उन्हें फ्री हैंड देने और लंबी चौड़ी मांगे मानने को तैयार नहीं हुई। फलतः अब वह अपनी पारी अपने तरीके से आगाज करने को स्वतंत्र हैं। समझा जा रहा है कि वह पार्टी से बेतरह क्षुब्ध थे और उन्होंने इसी रौ में राज्यसभा का ऑफर भी ठुकरा दिया। उनके रवैये ने इसी पुष्टि कर दी कि प्रदेश बीजेपी के मुखिया एन. नगेन्द्रन से उनकी पटरी नहीं बैठ रही है और पार्टी को मजबूत करने का उनका खाका शीर्ष-नेतृत्व को मंजूर नहीं है।

अन्नामलै की उम्र ज्यादा नहीं है। यही कोई 42 वर्ष। चार जून को वह 42 वर्ष के हो गये। वह किसी राजनीतिक घराने में नहीं जनमे। वह करूर में थोटमपट्टी में पैदा हुये। पीएसजी कालेज से इंजीनियरिंग में उपाधि के बाद उन्होंने आईआईएम, लखनऊ में शिक्षा प्राप्त की और भारतीय पुलिस सेवा में रहे। सहायक पुलिस अधीक्षक से शुरू कर वह पुलिस उपायुक्त पद तक पहुंचे। वह पश्चिमी तमिलनाडु के प्रभावशाली कुलक समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। बतौर आईपीएस अफसर उन्होंने उडूपी में अपराध नियंत्रण के लिये प्रभावी कदम उठाये। तदंतर मणिपाल में उन्होंने नशाखोरी के खिलाफ मुस्तैदी से जनजागृति अभिान चलाया। बेंगलूरू दक्षिण में उपायुक्त पद तक पहुंचने तक उनकी ख्याति बतौर सिंघम चतुर्दिक फैल गयी थी।

यह मानने के पर्याप्त कारण है कि अन्नामलै महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं। इसी के चलते उन्होंने मई, 2019 में पद से इस्तीफा दे दिया। कयासों को विराम देते हुये अगले ही साल अगस्त में उन्होंने बीजेपी का दामन थामा और प्रदेश ईकाई के उपाध्यक्ष बन गये। शिखर नेतृत्व की नजरों में चढ़ने का ही नतीजा था कि अगले ही वर्ष आठ अगस्त, 2021 मो वह एल. मुरूगन को अपदस्थ कर तमिलनाडु, बीजेपी के मुखिया हो गये। जुलाई, 23 से फरवरी, 24 के दरम्यान उन्होंने एनमन्न एन मक्काल (हमारी धरती, हमारे लोग) यात्रा निकाली और बीजेपी को प्रदेशों में ओरछोर फैला दिया। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी शिरकत की।

अन्नामलै तुर्श जुबां उग्र नेता हैं। उनकी आडियो श्रंखला डीएमके फाइल्स पर मामला अदालत में गया और उन्हें चेतावनी भी मिली। अन्नदुरै और जयललिता पर तीखी बयानबाजी महंगी पड़ी और अन्नाद्रमुक ने सहयोग से हाथ खींच लिया। उन्होंने पीएमके, टीएमसी और

एएमएमके से भी हाथ मिलाया, लेकिन भाजपानीत गठबंधन संसदीय चुनाव में चारों खाने चित हो गया। डीएमके ने अपने सहयोगियों के साथ सभी 39 सीटें जीत लीं। और तो और कोयंबटूर में अन्नामलै को एक लाख से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा। रही सही कसर उनकी अन्नाद्रमुक नेता पलनीस्वामी की निंदा ने पूरी कर दी। अंततः अन्नद्रमुक ने बीजेपी से संबंध विच्छेद कर लिये। इस बीच एक और घटना यह घटी कि अन्नामलै को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर नैनार नगेंद्रन को अध्यक्ष बना दिया गया। बताते हैं कि इसके पीछे पलनीस्वामी की जिद की अहम भूमिका थी। बहरहाल, हाल के असेंबली चुनाव में उन्हें उपेक्षा का सामना करना पड़ा। खिन्न होकर उन्होंने स्वयं भी चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया और अंततोगत्वा पार्टी की ओर से पीठ फेरने का फैसला किया।

राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में उभरने के बावजूद अन्नामलै असफल नेता है। सन 2024 में कोयंबटूर के गढ़ से लोस चुनाव हारने के पूर्व अन्नामलै सन 2021 में अरवाकुरीचि से असेंबली चुनाव हार चुके हैं। बावजूद इसके उभरते सितारे और संभावनाशील नेता के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की उन पर निगाह है। इसी का नतीजा है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक और डायस्पोरा संबंधित आयोजनों में बुलाया गया। सन 2022 और 2023 में वे श्रीलंका गये। सन 2023 में उन्हें नेहरू सेंटर, लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम में बुलाया गया। ब्रिक्स से जुड़े एक आयोजन में शिरकत के लिए वह बीजेपी के चार सदस्यों के शिष्ट मंडल के नेता के तौर पर जोहांसबर्ग भी गये। सन 2024 में उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी के एक फेलोशिप प्रोग्राम में भी भाग लिया। इसी क्रम में सन 2025 और सन 2026 को उन्होंने अमेरिका में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की स्टैनफोर्ड इंडिया कांफ्रेंस में तेजस्वी सूर्या और शशि थरूर जैसे सांसदों के साथ बतौर वक्ता शिरकत की।

स्पष्ट है कि अन्नामलै विश्व परिदृश्य में उभरते चेहरों में शामिल है। यूं भी उन्हें सुर्खियों में रहने का शौक है। वह जहरबुझे बयानों के लिये तो जाने ही जाते हैं, बेशकीमती घड़ी और काश्त खरीदी के लिये भी सुर्खियां बटोर चुके हैं। एक बारगी उन्होंने स्वयं को कोड़े लगाने और द्रमुक को सत्ता से हटाने तक जूते नहीं पहनने का ऐलान किया था। नगेंद्रन की मनुहार पर वह बमुश्किल माने थे। उनकी सबसे बड़ी सफलता यह है कि सन 2021 के असेंबली चुनाव में उन्होंने बीजेपी का मत-प्रतिशत तीन से 11 फीसद तक पहुंचा दिया था। उनकी उपेक्षा के बाद मत-प्रतिशत के मान से तमिलनाडु में बीजेपी पुनर्मुषकोभव यानि तीन प्रतिशत मत की स्थिति में पहुंच गयी है। खबर है कि अब वह नयी पार्टी का गठन करना चाहते हैं। थलपति विजय और पवन कल्याण की कामयाबी के दृष्टांत उनके सामने हैं। वह रजनीकांत और अजित के संपर्क में बताये जाते हैं। वह मक्कल शक्ति इयक्कम (लोक शक्ति आंदोलन) भी छेड़ सकते हैं। बहरहाल, अन्नामलै का इस्तीफे का प्रसंग अलबेला है। ऐसा दर्जनों बार हुआ है कि लोगों ने इस्तीफे का प्रेसवार्ता में ऐलान किया अथवा खबर भेजी अथव ट्वीट किया। इस्तीफा लेकर कोई आलाकमान की दर तक नहीं जाता। यह बहुत कुछ म्युचुअल डाइवोर्स सरीखा लगता है। यह रजामंदी से तलाक जैसा राजनीतिक प्रसंग है। रिश्ते टूट जाएं और जुड़ें तो गांठ भी न पड़े। बताते हैं कि अन्नामलै बीजेपी संगठन पर एकछत्र राज और निष्कंटक संचालन चाहते थे। वह बीजेपी नेतृत्व को खफा भी नहीं करना चाहते थे और इच्छापूर्ति भी चाहते थे। उनकी जुबां बीजेपी की पॉलिसी के अनुरूप और उसके पास अन्नामलै का कोई विकल्प या स्थानापन्न भी नहीं है। केन्द्रीय सूत्रधारों ने इसका भी आकलन किया होगा कि क्या अन्नामलै पार्टी के बाहर रहकर पार्टी के लिए ज्यादा मददगार हो सकते हैं? यह भेदभरा खेल पार्टी अनेक प्रदेशों में बखूबी खेल चुकी है। बहरहाल, अब गेंद अन्नामलै के पाले में है और उन्हें सियासत के मैदान में टिके रहने की अपनी कुव्वत का सुबूत देना है।

चीन की दूरदृष्टि से सबक लेने की जरूरत

गुरवचन सिंह जगत

यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा रणनीतिक तेल भंडार है। दिलचस्प कि उसने 2025 में अपने तेल भंडारण में काफ़ी वृद्धि की, और रूस, ईरान और वेनेज़ुएला से रियायती दरों पर करोड़ों बैरल तेल खरीदा। जबकि भारत के पास सिर्फ़ 21 मिलियन बैरल का तेल भंडार था। पिछले कुछ दशकों में, चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स, इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन, लिथियम-आयन बैट्री उत्पादन और क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में अपनी ज़बरदस्त रणनीतिक बढ़त बनाई है। चीनी लोग इस समूची मूल्य संवर्धन शृंखला में अब दुनियाभर में अग्रणी हैं। ऐसा कर उन्होंने न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की और प्रदूषण घटाया बल्कि जीवाश्म ईंधन से दूर हटती दुनिया के दौर में अपनी बहुत मज़बूत स्थिति भी बना ली। रेयर अर्थ मिनरल, ईवी निर्माण, बैट्री उत्पादन व स्वच्छ ऊर्जा की यह तिकड़ी, किसी अर्थव्यवस्था की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करने का 'सबसे अहम माध्यम' है।

यह सब सावधानी से की गई योजनाबंदी से हासिल हो पाया, जिसे पंचवर्षीय योजनाओं में विशेष स्थान दिया गया। ये योजनाएं चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति और राज्य परिषद मिलकर बनाती हैं। बीते साल चीन ने अपने रणनीतिक अस्त्र का इस्तेमाल किया व रेयर अर्थ के निर्यात पर रोक लगाकर भारत का ईवी उत्पादन करीब ठप कर दिया था। चूंकि भारत का अपना तेल का उत्पादन बहुत कम है, इसलिए यह यकीनी बनाना केंद्र की ज़िम्मेदारी है कि आपात स्थिति में संसाधन उपलब्ध रहें, पर्याप्त भंडार बनाए, और इससे भी ज़्यादा ज़रूरी यह कि बड़े पैमाने पर हरित ऊर्जा अपनाएं, ताकि हम आयातित कच्चे तेल पर बिल्कुल निर्भर न रहें। जहां यह बात तसल्ली देने वाली है कि हमारी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का आधा हिस्सा अब नवीकरणीय स्रोतों से आता है, लेकिन कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन का हिस्सा अभी भी सबसे अधिक है। अहम बात यह है कि यह अभी भी कुल बिजली खपत का 70 प्रतिशत हिस्सा मुहैया करवाता है, जबकि भारत ने अभी तक बिजली के भंडारण की पर्याप्त क्षमता विकसित नहीं की। जबकि चीन ने इस मामले में बहुत काम किया है। यह दशक लगातार उथल-पुथल भरा रहा। पहले कोविड महामारी, फिर पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया युद्ध जो जारी हैं, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उद्भव। भारत औद्योगिक क्रांति करने से चूक गया था, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। देश '80 और '90 के दशक के कंप्यूटर-प्रधान युग के शुरुआती दौर में भी चूक कर गया; '90 के दशक के आर्थिक सुधार तब जाकर लागू किए, जब देश करीब दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया। शुक्र है, निजी क्षेत्र ने आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी संभाली, साथ ही तकनीकी विशेषज्ञों की बड़ी फौज ने भी स्थिति से उबारने में मदद की।

हालांकि भारत अभी सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी नहीं बन पाया, आईटी क्षेत्र में उसकी जगह अधिकांशतः सेवा आधारित क्षेत्र में ही है। हालांकि देर से हुई शुरुआत के मद्देनज़र, काबिल-ए-तारीफ है कि हम इतनी प्रगति कर पाए। एआई से आ रहे बड़े बदलावों की बात करें तो, हमने एक बार फिर मौका गंवा डाला है और अब हम उसे तेज़ी से दूर जाते हुए देख सकते हैं। सेमीकंडक्टर उत्पादन में हमारी कोई जगह नहीं, और हमारा इलेक्ट्रॉनिक उद्योग आपूर्ति के लिए एशियाई दिग्गजों- ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन पर निर्भर बना हुआ है। जिन डेटा सेंटर्स की स्थापना की योजना बनाई जा रही, वे भी दूसरों पर निर्भर रहेंगे। अमेरिका और चीन ने एआई और उससे जुड़े बुनियादी ढांचा निर्माण में बहुत बड़ी छलांग लगाई। इस आधारभूत ढांचे में बेहतरीन चिप बनाना, सस्ती बिजली और सरकार का योगदान बतौर सुधारक और मददगार होना शामिल है। एनवीडिया सरीखी कंपनियां अब खरबों डॉलर मूल्य की बन चुकी हैं और एआई तकनीक का प्रवाह नियंत्रित करती हैं। किसे ये चिप्स मिल सकती हैं और किसे नहीं, अमेरिका ही तय करता है। इन सब के बीच हम कहां खड़े हैं? क्या हम एक बार फिर से केवल सेवा और रखरखाव प्रदाता बनने की उम्मीद पाले हैं? जिस स्तर का ऑटोमेशन व रोबोटिक्स सामने आ रहा है, उसे देखकर लगता है, हमारी यह भूमिका भी बहुत छोटी होकर रह जाएगी।

(लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक रहे हैं)

दुनिया के मेले से आइडिया

एसी लोकल के जिस कोच में मैं बैठा हुआ था, सामने तीन-चार 20-22 साल के लड़कों की एक मंडली भी थी। इंग्लिश में खूब हंसी-मज़ाक चल रहा था। मैं ट्रेन में बैठकर अक्सर किसी अखबार के पन्ने उलट-पलट लेता हूं। लेकिन यहां ध्यान इन लड़कों की बातों पर चला गया। बात तो इंग्लिश में हो रही थी लेकिन मैं उसे हिंदी में लिख रहा हूं। एक ने कहा, इसलिए कहता हूं कि हर किसी इंसान के साथ बिल्कुल बात नहीं करनी चाहिए। दूसरे ने हामी भरते हुए कहा, तू सही बोलता है, ऐसे ही पक जाता है आदमी हर किसी से बात करने लगा तो। फिर एक अन्य बोला, हां, यह बात तो है और एक और भी बड़ी बात यह है कि हर एक इंसान से अगर बात करने लगे कोई तो वह टॉप पर नहीं पहुंच सकता। इसीलिए जो टॉप पर है, उसी से बात करनी चाहिए। उनकी बात अभी चल ही रही थी कि मेरा स्टेशन आ गया। खैर, आज मुझे इन युवाओं की बातों का ख़याल बार-बार आता रहा। हर पीढ़ी का अपना व्यू-प्वाइंट, अपना नज़रिया है। चलिए, ज़माने का चलन जो है सो है, लेकिन सच्चाई यह है कि अगर हम लोग हर किसी के साथ बात नहीं कर सकते या करना नहीं चाहते तो हम बहुत कुछ मिस कर जाते हैं। मुझे अक्सर मेरे आसपास के लोग या मेरे ब्लॉग को विज़िट करने वाले पूछते हैं कि लिखने के लिए आइडिया कहां से आते हैं। उसका दो टूक जवाब है, सब कुछ इस दुनिया के मेला देखते-घूमते ही मिल जाता है। हर किसी से बात करना है निहायत ज़रूरी। सिर्फ़ पहचान वालों से ही नहीं, जो नहीं भी पहचानते उन से भी अगर बात करनी पड़े तो ढंग से बात की जाए। जब हर किसी से बात की जाती है तो बातों से बात निकलती है तो कुछ नया पता चलता है। अख़बार, किताबें, मैगज़ीन को पढ़ने से भी बत्ती जग जाती है। रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया इनसे भी आइडिया आ जाते हैं। सबसे ज्यादा आइडिया तो दुनिया के मेले से आते हैं। आइडिया हमारे हर तरफ़ हैं। उसके लिए किसी से बात करनी होगी, इधर-उधर-हर तरफ़ देखना होगा, अनजान इंसान को भी एक मुस्कान देने से डरना न होगा। फिर से कॉलेज के लड़कों की बात याद आ रही है। पहले कंप्यूटर आने से युवा पीढ़ी लिखने से भागने लगी। अब बोलचाल भी कम ही है। आज की पीढ़ी के पास बातें ही नहीं हैं, सिर्फ हॉय-बॉय, कूल, थम्स-अप के इशारे और हर मौके के लिए बीसियों ईमोजी। क्या इतना ही काफ़ी है।

- डॉ. प्रवीण चोपड़ा

शतक लगाकर भी कहां थम रहा पेट्रोल

आलोक पुराणिक

लगातार कई बार उछलकर पेट्रोल 100 के पार पहुंचा। पेट्रोल टेस्ट में हाइएस्ट स्कोर करने वाले वीरेंद्र सहवाग की तरह बर्ताव कर रहा है। सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरी मारी थी तो लगा कि अब रुकेंगे, फिर डबल सेंचुरी मारी तो लगा अब रुकेंगे। नहीं वह रुके। टेंशन यह है कि 100 के पार जाकर पेट्रोल यह न कह दे, वैभव सूर्यवंशी की तरह अभी मेरी शुरुआत है।

उधर कॉकरोच ने ट्रंप से पूछा, सब पर टैरिफ़ लगाया- मुझे क्यों छोड़ा?

ट्रंप ने बताया, क्योंकि तुम्हें कोई रोक नहीं सकता।

कॉकरोच ने ट्रंप से कहा, हम दोनों एक जैसे हैं- कोर्ट से भी नहीं रुकते, जहां नहीं जाना वहीं घुस जाते हैं। बस एक फ़र्क है- मैं दौड़ता हूं तो पहुंचता भी हूं। आप वहीं के वहीं हैं डील के इंतजार में।

मॉरल ऑफ दि स्टोरी- न्यूक्लियर वार के बाद दो चीज़ें बचेंगी- कॉकरोच और ट्रंप के टैरिफ़।

उधर पाकिस्तानी जनरल मुनीर अमेरिका की दलाली में इतनी बार ईरान आये-गये कि धरती से मंगल ग्रह की दूरी तय हो गयी। पर मिला क्या, इस सवाल का जवाब यह है कि जनरल साहब को बीस पच्चीस बार का खाना शांति के साथ ईरान में मिल गया, यह बड़ी उपलब्धि है। क्योंकि पाकिस्तान में महंगे पेट्रोल से परेशान पाकिस्तानी तो हुक्मरानों को ही खाने दौड़ रहे हैं। शायर ब्रेकअप देहलवी बोले- पेट्रोल को दामाद समझो। एक बार देकर मामला खत्म नहीं होता।

फिर काका हाथरसी की कविता याद आई-

बड़ा भयंकर जीव है, इस जग में दामाद,
सास-ससुर को चूस कर, कर देता बरबाद।

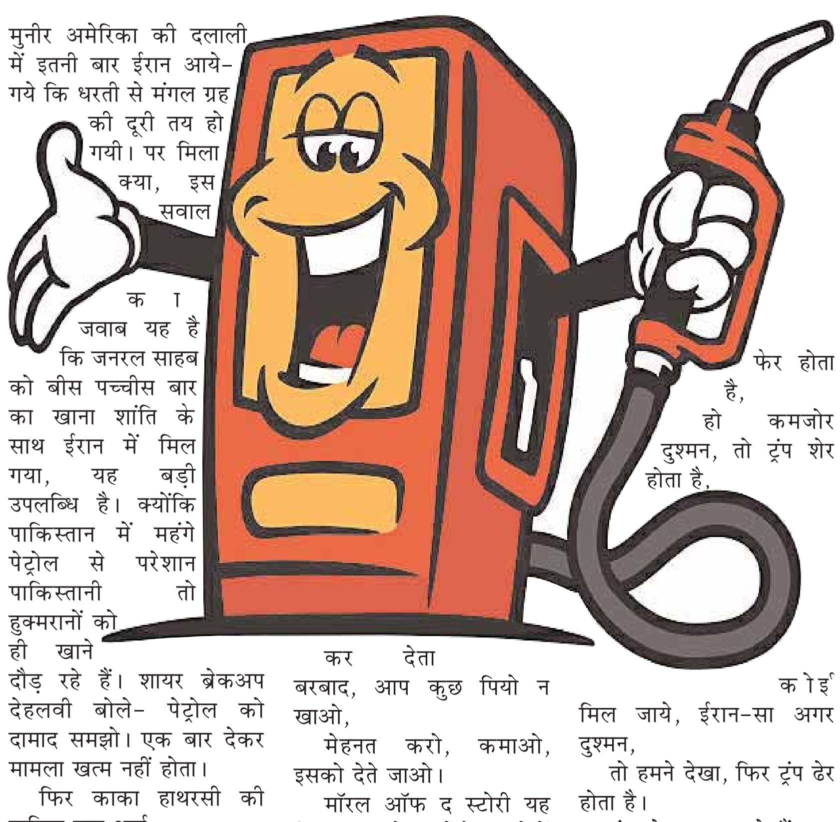

कर देता बरबाद, आप कुछ पियो न खाओ,
मेहनत करो, कमाओ, इसको देते जाओ।

मॉरल ऑफ द स्टोरी यह कि दामाद हो या पेट्रोल- दोनों का भाव कई बार चढ़ता है।

उधर मिर्जा गालिब ने कहा, ट्रंप शेर सुनो-

आपसे मिलना मुसीबत का फेर होता है,
हो कमजोर दुश्मन, तो ट्रंप शेर होता है,
कोई मिल जाये, ईरान-सा अगर दुश्मन,
तो हमने देखा, फिर ट्रंप ढेर होता है।

ट्रंप शेर समझ गये हैं, यह समझते ही गालिब भाग लिये। अब ट्रंप साहित्य का नोबल मांगेंगे, क्योंकि बड़े-बड़े शायर उनके सामने भाग लेते हैं।

वर्तमान वैश्विक संकट में कोयला रूपी हीरे की बढ़ती महत्ता

विजय कुमार
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईरान-इज़राइल संघर्ष और उसमें अमेरिका सहित अन्य देशों की बढ़ती भागीदारी ने एक बार फिर दुनिया को यह एहसास करा दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक और सामरिक शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। खाड़ी क्षेत्र विश्व के तेल और गैस भंडारों का केंद्र माना जाता है। ऐसे में वहां उत्पन्न होने वाला कोई भी संकट केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव दुनिया के लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। भारत भी इससे अछूता नहीं है, क्योंकि देश अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यदि वैश्विक परिस्थितियों के कारण तेल की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है तो उसका सीधा असर परिवहन, उद्योग, कृषि और आम नागरिकों के जीवन पर दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में भारत के लिए सबसे बड़ी राहत का विषय उसका विशाल कोयला भंडार है। यही कारण है कि आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत विद्युत आवश्यकता कोयले के माध्यम से पूरी की जाती है। भारतीय कोयला मंत्रालय के अनुसार देश में 400 बिलियन टन से अधिक का अनुमानित कोयला भंडार उपलब्ध है, जबकि लिग्नाइट का भंडार भी लगभग 47 बिलियन टन है। वर्तमान में देश के पास इतना सक्रिय कोयला स्टॉक मौजूद है कि वह कई सप्ताह तक बिजली उत्पादन को बिना किसी बाधा के बनाए रख सकता है। यही कारण है कि जब दुनिया तेल और गैस संकट से जूझ रही है, तब भारत के लिए कोयला किसी साधारण खनिज से अधिक एक रणनीतिक संपदा के रूप में उभरकर सामने आता है। भारत के अधिकांश कोयला भंडार दामोदर घाटी, महानदी घाटी, सोन घाटी तथा गोदावरी-वर्धा क्षेत्रों में स्थित हैं। झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश देश के प्रमुख कोयला उत्पादक राज्य हैं। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ का कोरबा क्षेत्र आज देश की ऊर्जा राजधानी के रूप में जाना जाता है। यहां स्थित गेवरा और कुसमुंडा जैसी विशाल खदानें न केवल भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं, बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी उत्पादन क्षमता के लिए पहचान रखती हैं। यह संयोग नहीं है कि भारत की औद्योगिक प्रगति, बिजली उत्पादन और आधारभूत संरचना विकास की कहानी कोयले से गहराई से जुड़ी हुई है। हालांकि कोयले को लेकर सबसे बड़ी चिंता पर्यावरण को होने वाले नुकसान की रहती है। पिछले कुछ दशकों में विकसित देशों ने कोयले के उपयोग को कम करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, लेकिन इसके पीछे उनकी ऊर्जा संरचना में परमाणु ऊर्जा, प्राकृतिक गैस और उच्च तकनीकी संसाधनों की बड़ी भूमिका रही है। भारत जैसी तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था के सामने चुनौती अलग है। यहां करोड़ों लोगों की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पर्यावरण संरक्षण। यही कारण है कि आज दुनिया भर में स्वच्छ कोयला तकनीक की अवधारणा तेजी से विकसित हुई है। अब कोयला केवल सीधे जलाकर बिजली पैदा करने का साधन नहीं रह गया है। कोयले की धुलाई से उसकी गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है और प्रदूषण कम किया जा सकता है। अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीक से चलने वाले आधुनिक ताप विद्युत संयंत्र कम कोयले में अधिक बिजली पैदा करते हैं तथा उत्सर्जन भी कम करते हैं। इसी प्रकार आईजीसीसी अर्थात इंटीग्रेटेड गैसीफिकेशन कंबाइंड साइकिल तकनीक के माध्यम से कोयले को सीधे जलाने के बजाय गैस में परिवर्तित कर ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है। फ्ल्यू गैस डीसल्फराइजेशन तकनीक सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों को वातावरण में जाने से रोकती है, जबकि कार्बन कैप्चर एवं स्टोरेज तकनीक के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड को नियंत्रित किया जा सकता है। वास्तव में कोयले का भविष्य केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। वैज्ञानिक प्रगति ने इसे अनेक नए औद्योगिक उपयोगों से जोड़ दिया है। कोल गैसीफिकेशन के माध्यम से सिंथेटिक गैस, हाइड्रोजन, मेथनॉल और अन्य रासायनिक उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। कोल बेड मीथेन के रूप में खदानों से निकलने वाली गैस को घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग में लाया जा सकता है। कोल टू लिक्विड तकनीक के माध्यम से डीजल जैसे ईंधन भी बनाए जा सकते हैं। यदि भारत इन तकनीकों में बड़े पैमाने पर निवेश करता है तो वह न केवल ऊर्जा के क्षेत्र में बल्कि रासायनिक और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकता है। दूसरी ओर भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर और पवन ऊर्जा क्षमता में लगातार वृद्धि हो रही है तथा परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी विस्तार की योजनाएं चल रही हैं। फिर भी वास्तविकता यह है कि वर्तमान समय में इतनी विशाल आबादी और तेजी से बढ़ती औद्योगिक मांग को देखते हुए केवल नवीकरणीय स्रोतों के भरोसे देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं है। जब तक ऊर्जा भंडारण तकनीक और ग्रिड व्यवस्था पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो जाती, तब तक कोयला भारत की ऊर्जा व्यवस्था की रीढ़ बना रहेगा।

यही कारण है कि वर्तमान वैश्विक संकट के दौर में कोयले को केवल एक पारंपरिक ईंधन के रूप में नहीं बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के आधार के रूप में देखने की आवश्यकता है। यदि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से इसके पर्यावरणीय प्रभावों को नियंत्रित करते हुए उत्पादन और उपयोग बढ़ाया जाए, तो भारत अपने विशाल कोयला भंडार को वास्तव में कोयला रूपी हीरा सिद्ध कर सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा के सभी स्रोतों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए देश अपने इस प्राकृतिक संसाधन का वैज्ञानिक, जिम्मेदार और दूरदर्शी उपयोग सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य की किसी भी वैश्विक ऊर्जा चुनौती का सामना आत्मविश्वास के साथ किया जा सके।

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने आईएईए को राजनीतिक दबाव से बचने की दी चेतावनी

तेहरान (वार्ता)

ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) पर अपनी भूमिका का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए उसे तेहरान पर दबाव बनाने से बचने की सलाह दी। ईरान का यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी बलों ने ईरान के गोरुक शहर और क़ेश्म द्वीप स्थित तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमला किया, जिससे मौजूदा युद्धविराम के बावजूद क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है।

ईरान के उप विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने कहा कि यदि आईएईए परमाणु विवाद के समाधान में कूटनीतिक भूमिका निभाना चाहता है तो उसे अपनी तकनीकी रिपोर्टों को राजनीतिक दबाव का उपकरण नहीं बनने देना चाहिए। यह टिप्पणी उस अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद आई, जिसमें ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित रडार प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका की केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) के अनुसार उसकी सेनाओं ने होरमुज जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे ईरान के चार एकतरफा हमलावर ड्रोन मार गिराए और इसके बाद गोरुक तथा क़ेश्म द्वीप के तटीय निगरानी रडार स्थलों पर हमले किए। सेंटकॉम ने दावा किया कि ये ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा थे और रडार ठिकानों पर हमले आगे होने वाले हमलों को रोकने के लिए किये गये। ग़रीबाबादी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यदि एजेंसी कूटनीतिक समाधान का हिस्सा बनना चाहती है, तो उसे तकनीकी रिपोर्टों को राजनीतिक दबाव का साधन बनाने से बचना होगा। उन्होंने आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी की भी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने हाल में ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हुए अमेरिकी और इजरायली हमलों की निंदा नहीं की। उनके अनुसार एजेंसी एक ओर हमलों के प्रभावों पर रिपोर्ट जारी करे और दूसरी ओर हमलावरों पर चुप्पी साधे रखे, यह स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा, एजेंसी हमलों के परिणामों की रिपोर्ट दे, ईरान से तकनीकी और राजनीतिक कीमत चुकाने की अपेक्षा करे और हमलावर के बारे में मौन रहे, यह उचित नहीं है। ईरान ने तड़के हुए अमेरिकी ड्रोन हमलों को अप्रैल में हुए युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया और संयुक्त राष्ट्र से अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ कदम उठाने की मांग की। साथ ही उसने आत्मरक्षा के अपने वैध अधिकार को दोहराया। ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सिरिक क्षेत्र और क़ेश्म द्वीप स्थित रडार एवं तटीय निगरानी सुविधाओं पर हमला युद्धविराम का खुला उल्लंघन और देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ सैन्य आक्रमण है। मंत्रालय ने कहा कि जिन प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया वे देश की सीमा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम करते हैं। बयान में कहा गया, यह कार्रवाई इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ अमेरिकी शासन के शत्रुतापूर्ण और उकसावेपूर्ण व्यवहार की निरंतरता है तथा यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों के प्रति अमेरिकी प्रशासन की पूर्ण अवहेलना को उजागर करती है। ईरान ने दावा किया कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अधिकार का प्रयोग करते हुए उसकी सशस्त्र सेनाओं ने अमेरिकी कार्रवाई का अनुपातिक और प्रभावी जवाब दिया और हमलावरों को अपने उद्देश्यों में सफल नहीं होने दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका द्वारा बार-बार युद्धविराम का उल्लंघन यह साबित करता है कि वह क्षेत्र में तनाव कम करने या स्थिरता बहाल करने का इच्छुक नहीं है। बयान में कहा गया, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा बार-बार युद्धविराम का उल्लंघन एक बार फिर साबित करता है कि वह न तो तनाव कम करना चाहता है और न ही स्थिरता की दिशा में लौटना चाहता है, बल्कि अपनी उकसावेपूर्ण कार्रवाइयों से क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। ईरान ने कहा कि वह अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों और क्षमताओं का उपयोग करेगा। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्रीय देशों से भी अपील की कि वे अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांत का पालन करें और अपनी भूमि या सुविधाओं का उपयोग ईरान के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई की योजना बनाने या उसे अंजाम देने के लिए न होने दें। बयान में कहा गया, विदेश मंत्रालय क्षेत्रीय देशों से आग्रह करता है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के उस मूल सिद्धांत का सम्मान करें जिसके तहत किसी भी देश को अपनी भूमि और सुविधाओं का उपयोग किसी अन्य देश के खिलाफ आक्रामक गतिविधियों के लिए नहीं करने देना चाहिये।

उद्यम सुरक्षा और एमएसएमई जोखिम-निवारण पर वैश्विक एसएमई बैठक की मेजबानी करेगा कोच्चि

कोच्चि (वार्ता)

कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के प्रभाव, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, लघु उद्यम एवं विकास संस्थान 24 जून को कोच्चि में वैश्विक एसएमई दिवस बैठक की मेजबानी करेगा। इस बैठक का मुख्य विषय उद्यम सुरक्षा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के समक्ष चुनौतियों से निपटना है। इसका उद्देश्य छोटे व्यवसायों और उद्यमियों, विशेष रूप से जमीनी स्तर के उन लोगों के समक्ष बढ़ती चुनौतियों और खतरों का समाधान करना है, जिनकी आजीविका अक्सर बाजार के उतार-चढ़ाव और नीतिगत अनिश्चितताओं से प्रभावित होती है। आयोजन की घोषणा करते हुए आईएसईडी के सीनियर फेलो और निदेशक पीएम मैथ्यू ने कहा कि वर्तमान व्यावसायिक माहौल उद्यम के प्रोत्साहन के बजाय उद्यम के जोखिम-निवारण की ओर एक बड़े नीतिगत बदलाव की मांग करता है। आईएसईडी के अनुसार, इस चर्चा में वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, विकास वित्त एजेंसियों, स्टार्टअप सहायक संगठनों और नीति निर्माताओं के प्रतिनिधि एक साथ शामिल होंगे। इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, संयुक्त राष्ट्र और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन सहित विभिन्न संस्थानों के वक्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। आईएसईडी ने ध्यान दिलाया कि एमएसएमई के लिए मौजूदा सहायता प्रणालियां अक्सर बिखरी हुई होती हैं, जहां उद्यमियों को अलग-अलग प्राथमिकताओं के साथ काम करने वाले कई संस्थानों के माध्यम से सहायता मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, कई कार्यक्रम व्यक्तिगत उद्यमों के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों और कमजोरियों को दूर करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाते हैं। इस कमी को दूर करने के लिए संस्थान अपने उद्यम सुरक्षा ढांचे को प्रदर्शित करेगा। यह एक व्यापक रणनीति है, जिसे व्यवसायों को बाहरी झटकों को सहने, बदलती बाजार स्थितियों के अनुकूल बनने और दीर्घकालिक सुदृढ़ीकरण में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह ढांचा व्यवसाय की स्थिरता के वित्तीय, कानूनी, संस्थागत, सामाजिक और पर्यावरणीय आयामों को जोड़ता है। इस मॉडल की एक प्रमुख विशेषता आईएसईडी का पेंटागन प्रारूप है, जो पांच स्तंभों पर केंद्रित है, प्रशासनिक, कानूनी, संस्थागत, राजनीतिक और पर्यावरणीय एवं सामाजिक समाधान। संस्थान ने कहा है कि यह ढांचा व्यावसायिक मजबूती को मजबूत करने और दीर्घकालिक व्यवहार्यता में सुधार करने के उद्देश्य से व्यवस्थित समाधान प्रदान करता है। मैथ्यू ने बताया कि आईएसईडी मॉडल ने पहले भी कई नीतिगत पहलों में योगदान दिया है। इस कानून को नियामक बोझ को कम कर एमएसएमई के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए लागू किया गया था।

धोखाधड़ी कर लोगों के खातों से रुपये निकालने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना पुलिस ने एटीएम मशीनों में धोखाधड़ी कर लोगों के खातों से रुपये निकालने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि गत शनिवार बिसरख थाना पुलिस एसकेएस तिराहे पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान ग्रीन आर्च की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे नहीं रुके और तेज गति से 6 प्रतिशत पार्क की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया, इस दौरान बदमाशों की मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान सोहेल मलिक (24), निवासी सलारपुर, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। वहीं उसके दो साथियों शोएब मलिक (25) और राकेश कुमार (24) को पुलिस ने खोज के दौरान गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एटीएम मशीनों को निशाना बनाते थे। गिरोह एटीएम के कार्ड स्लॉट में (फेवीक्विक) डाल देता था, जिससे ग्राहकों के कार्ड मशीन में फंस जाते थे। इसके बाद आरोपी एटीएम पर एक पर्ची चिपका देते थे, जिस पर अपना मोबाइल नंबर हेल्पलाइन नंबर के रूप में लिख देते थे। जब कोई ग्राहक कार्ड फंसने पर उस नंबर पर कॉल करता था, तो आरोपी उसे गुमराह कर एक-दो बार पिन डालने के लिए कहते थे और उसका पिन नंबर देख लेते थे। फिर वे ग्राहक को यह कहकर भेज देते थे कि एक घंटे बाद उसका कार्ड निकलवा दिया जाएगा। ग्राहक के जाने के बाद आरोपी प्लास और पेचकस की मदद से एटीएम से कार्ड निकाल लेते थे और उसके जरिए खाते से रुपये निकाल लेते थे।

विनय कुमार बने केंद्र सरकार की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य

पटना (वार्ता)

केन्द्र सरकार ने बिहार तथा झारखंड के वरिष्ठ पत्रकार और राष्ट्रीय समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया के बिहार-झारखंड के कोऑर्डिनेटर विनय कुमार को केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया है। इस समिति के अध्यक्ष केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान हैं। मंत्रालय के उप सचिव डीएसएस श्रीनिवासा राव द्वारा जारी पत्र के अनुसार मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया गया है। इस समिति में लोकसभा और राज्यसभा के कई सदस्यों के अलावा भारतीय प्रशासनिक सेवा के सचिव तथा अध्यक्ष स्तर के अधिकारी भी बतौर सदस्य शामिल हैं। इस संबंध में भारत सरकार के गजट के माध्यम से अधिसूचना जारी कर दी गई है ।

गौरतलब है कि करीब साढ़े तीन दशक से बिहार और झारखंड में कई दैनिक समाचार पत्रों के अलावा यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, हिंदुस्थान समाचार के ब्यूरो प्रमुख और विशेष संवाददाता के रूप में कार्य कर चुके श्री कुमार ने इसके पूर्व भी केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ग्रामीण विकास , इस्पात मंत्रालय समेत कई मंत्रालयों की विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सूरीनाम में आयोजित सातवें विश्व हिंदी सम्मेलन को भी एक पत्रकार के रूप में कवर किया था। श्री कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन पर जो विश्वास व्यक्त किया गया है, उस पर वह पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि विनय कुमार जमुई जिले के खैरा प्रखंड के खैरा गांव के रहने वाले हैं।

ओहायो में गोलीबारी में 12 लोग घायल

न्यूयॉर्क (वार्ता)। अमेरिका में ओहायो के टोलेडो शहर में एक उत्सव में पास हुयी गोलीबारी में बारह लोग घायल हो गए है। पुलिस ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस उप प्रमुख जोसेफ हेफ़रनन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अभी तक की जानकारी के मुताबिक 12 लोगों को गोली लगी है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि पुलिस का मानना है कि दो हमलावर थे जिन्होंने एक-दूसरे पर गोलियां चलाई। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

लेबनान में इजरायली हमला, उच्च सैन्य अधिकारियों समेत 12 लोग मारे गए

बेरूत (वार्ता)। दक्षिणी लेबनान में हुए इजरायली हमलों में सेना के उच्च अधिकारी समेत कम से कम 12 लोग मारे गये हैं। यह हमला दोनों देशों के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में हुई सशर्त युद्धविराम पर सहमति बनने के कुछ ही दिनों बाद हुआ है। लेबनान की सेना ने कहा कि खरदाली-नबातीह मार्ग पर एक सैन्य वाहन पर हुए इजरायली हमले में एक ब्रिगेडियर जनरल, एक कैप्टन और एक सैनिक की मौत हो गयी। वहीं इजरायली सेना ने कहा कि शनिवार का हमला एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ था। सेना ने यह भी कहा कि इस घटना की जांच की जा रही है। लेबनानी सेना ने कहा, जानबूझकर और बार-बार किये जा रहे क्रूर इजरायली आक्रमण का जारी रहना, समाधान तक पहुंचने के सभी प्रयासों को विफल करने के उद्देश्य से है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे लेबनानी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों व मानदंडों का घोर उल्लंघन बताया। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इसे जघन्य अपराध और सभी लेबनानी पर हमला करार दिया।

श्री सलाम ने हमले में मारे गये ब्रिगेडियर जनरल वस्साम सबरा, कैप्टन एली खौरी और सैनिक हुसैन गोजाल के परिवारों और सहयोगियों के साथ-साथ लेबनानी सेना के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

एसआईआर के नाम पर वोट कटौती नहीं होने देंगे: कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने संभावित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की आशंकाओं के बीच शुक्रवार को बीएलए-1 कार्यकर्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।

कार्यक्रम का नेतृत्व दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने किया तथा कार्यशाला का संचालन बूथ मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के अध्यक्ष राजेश गर्ग ने किया। कार्यशाला में बीएलए-1 कार्यकर्ताओं को एसआईआर प्रक्रिया, मतदाता सूची के सत्यापन और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर किसी भी दलित, अल्पसंख्यक, पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले निम्न वर्ग के नागरिकों तथा कानूनी रूप से वैध मतदाताओं के नाम किसी भी स्थिति में मतदाता सूची से न काटे जाएं। पार्टी लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए हर स्तर पर सतर्क रहेगी।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षित बीएलए-1 कार्यकर्ता अगले चरण में बीएलए-2 साथियों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी सत्यापित करेंगे और जरूरत पड़ने पर मतदाता सहायता केंद्र भी स्थापित करेंगे।

कार्यशाला में एडवोकेट निशांत मंडल ने एसआईआर प्रक्रिया पर प्रस्तुति दी, जबकि डॉ. सौरभ वाजपेई और एडवोकेट सुनील कुमार ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

ना कहने का साहस रखो, पेड्डी पर अनु अग्रवाल ने जान्हवी कपूर को ही घेरा!

बोलीं- मैं तभी फिल्मों से दूर हुई

की एक्ट्रेस अनु अग्रवाल ने हाल ही में जान्हवी कपूर वाले मामले पर बात की है। पेद्दी में जाह्नवी कपूर के किरदार पर चल रहे विवाद को लेकर एक्ट्रेस ने कहा है कि हर किसी को कहानी सुनने के बाद ही हां कहना चाहिए। आशिकी फिल्म की एक्ट्रेस अनु अग्रवाल ने हाल ही में रिलीज हुई बुची बाबू द्वारा की फिल्म पेद्दी में जाह्नवी कपूर के किरदार को लेकर चल रहे विवाद पर बात की है। हालांकि जाह्नवी ने इस आलोचना पर सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन अनु अग्रवाल ने युवा कलाकारों से ऐसे किरदार न चुनने का अनुरोध किया है और उनसे कहा है कि वे कोई भी रोल लेने से पहले कहानी को ध्यान से सुनें। 7 जून को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अनु अग्रवाल ने लिखा, पेद्दी को लेकर हाल ही में हुई चर्चाओं ने मुझे अपने पुराने फैसले की याद दिला दी। मैं आज के दर्शकों की सराहना

करती हूं जो महिलाओं के चित्रण में अधिक गरिमा की मांग कर रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारी सिर्फ दर्शकों की नहीं है। न ही सिर्फ फिल्म निर्माताओं की। यह हम कलाकारों की भी है। 30 साल से भी पहले, आशिकी के बाद, मैंने यह तय कर लिया था कि फिल्म साइन करने से पहले कहानी को ध्यान से सुनूंगी। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, महिलाओं को सामान की तरह देखना आम बात थी। मैंने उस आम धारणा के खिलाफ काम करने का फैसला किया। मैंने जो फिल्में कीं, वे मेरे इस फैसले की गवाह हैं। कई मायनों में, यही एक कारण है कि मैंने आखिरकार फिल्मों से दूरी बना ली। आज मैं युवा एक्टर्स और एक्ट्रेसेस को प्रोत्साहित करती हूं कि वे पहले कहानी को सुनें। सवाल पूछें। और अगर कोई बात मानवीय गरिमा को ठेस पहुंचाती है, तो ना कहने का साहस रखें। इस बीच, डायरेक्टर ने फिल्म के विवादित सीन्स में बदलाव करने का वादा भी किया है। बुची बाबू सना ने ङ्ग पर लिखा, एक फिल्म निर्माता के रूप में, मेरा मानना है कि सिनेमा का उद्देश्य दर्शकों का मनोरंजन करना, उन्हें प्रेरित करना और उनसे जुड़ाव बनाना होना चाहिए। इससे किसी को भी असहज या अपमानित महसूस नहीं होना चाहिए।

राम चरण के बॉडीगार्ड केविन कुंटा ने चिकिरी गाने पर दिखाया डांस, फैंस बोले- एमएमए फाइटर तो कड़क डांसर निकले

राम चरण के बॉडीगार्ड केविन कुंटा की हर तरफ चर्चा हो रही है। वो हाल ही में राम चरण के साथ नजर आए थे और अब पेद्दी के गाने पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। फैंस उनके दीवाने हो गए हैं और कमेंट में खूब तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में, राम चरण के बॉडीगार्ड ने तब सुर्खियां बटोरीं जब वह उनकी आगामी फिल्म पेद्दी के प्रमोशन के लिए तेलुगू स्टार के साथ गए। उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे, और कई लोग यह जानकर हैरान रह गए कि राम के बॉडीगार्ड केविन कुंटा एक एमएमए फाइटर भी हैं। प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में एक्टर से बॉडीगार्ड की इस अचानक मिली प्रसिद्धि के बारे में पूछा गया, और उन्होंने मजेदार रिएक्शन भी दिया था। इसके बाद अब केविन ने एक डांस वीडियो शेयर किया है जो राम चरण की फिल्म पेद्दी के गाने चिकिरी का है। राम चरण की फिल्म पेद्दी के गाने चिकिरी चिकिरी पर उनके बॉडीगार्ड केविन कुंटा ने गजब का डांस किया। उन्होंने हाथ में बैट लेकर अपने शानदार मूव्स भी दिखाए। फैंस उनके वीडियो पर खूब कमेंट कर रहे हैं और उन्हें भारत और विदेशों से भी प्यार मिल रहा है।

उर्वशी ढोलकिया ने अनीता हसनंदानी से 13 साल बाद मांगी माफी

उर्वशी ढोलकिया और अनीता हसनंदानी ने साल 2001 में आए टीवी कभी सौतन कभी सहेली में साथ काम किया था, और तभी से उनके बीच गहरी दोस्ती हो गई थी। अनीता भी उर्वशी को हमेशा से अपनी इंस्पिरेशन मानती रही हैं, फिर ऐसा क्या हुआ कि उर्वशी ढोलकिया को अनीता से अब माफी मांगनी पड़ी? बात 13 साल पुरानी है, जिसका जिक्र हाल ही राजीव खंडेलवाल के टीवी शो तुम हो ना में हुआ।

उर्वशी ढोलकिया और अनीता हसनंदानी हाल ही टीवी शो तुम हो ना में आईं। यहां उर्वशी ने अनीता से माफी मांगी और वह भी 13 साल बाद। अनीता और उर्वशी ने कभी सौतन कभी सहेली में साथ काम किया था और पक्की दोस्त हैं। पर उर्वशी, अनीता की शादी में शामिल नहीं हो पाई थीं।

उर्वशी ढोलकिया और अनीता हसनंदानी तुम हो ना के आने वाले एपिसोड में नजर आएंगी। इसमें दोनों का इमोशनल मिलन दिखाया जाएगा। साथ ही उर्वशी ने अनीता हसनंदानी से माफी भी मांगी क्योंकि वह 13 साल पहले उनकी शादी में शामिल नहीं हो सकी थीं। उर्वशी ने कहा कि उस वक्त उनका पूरा ध्यान सिर्फ कमाने और करियर बनाने पर था ताकि परिवार और बचों को अछी जिंदगी दे सकें। वह खुद को भी समय नहीं दे पाती थीं।

उर्वशी ढोलकिया ने अनीता के लिए कहा, जब अनीता की शादी हुई तब मैं नहीं जा सकी, क्योंकि मैं काम कर रही थी। मेरी जिंदगी थोड़ी अलग ही रही है, काम से घर और घर से काम। अब जैसे मैंने आपको बताया मेरे पास जरा भी वक्त नहीं था। न मैं अपने बचों को वक्त दे पाई, ना किसी चीज को वक्त दे पाई। मेरा फोकस बस यही था कि काम करो, पैसे कमाओ, घर चलाओ, माता-पिता को अछी जिंदगी दो, बचों को जिंदगी दो।

कलेक्टर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ राष्ट्रव्यापी मेधा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम

40 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित

नरसिंहपुर/करेली (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मुख्य आतिथ्य में होटल सावित्री सिग्नेचर नरसिंहपुर में राष्ट्रव्यापी मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों ने सागर क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं द्वारा कृषि एवं कृषि-संबद्ध क्षेत्रों के हितग्राहियों को 40 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृति पत्र हितग्राहियों को प्रदान किए। कार्यक्रम में बैंक की सेंट कोल्ड स्टोरेज योजना, सेंट फूड प्रोसेसिंग योजना, पोल्ट्री फार्म योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान साथी योजना, कृषि अवसंरचना वित्त एवं खाद्य प्रसंस्करण वित्त जैसी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय सागर के द्वारा कृषि क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि मोरिस नाथ, जिला विकास प्रबंधक (नाबार्ड) अमित बोयर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सागर क्षेत्रीय प्रबंधक कुंदन कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक (एनआरएलएम) श्रीमती मीना परते, अग्रणी जिला प्रबंधक नरसिंहपुर विकास पंवार, अग्रणी जिला प्रबंधक सागर सहेंद्र पाल सहित जिले की सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की सभी 13 शाखाओं के शाखा प्रबंधक, मुख्य प्रबंधक भानु प्रताप सिंह राजपूत, राजेश कुमार, बैंक के अधिकारी व कर्मचारी जिले के किसान, स्वसहायता समूहों, कृषि उद्यमियों एवं ग्रामीण हितग्राही मौजूद थे। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के केंद्रीय कार्यालय मुंबई की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती कविता ठाकुर ने कहा कि किसान, युवा, गरीब एवं महिला शक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उपस्थित नागरिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देकर अधिकाधिक लोगों को इनसे जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने किसानों एवं ग्रामीण उद्यमियों से बैंक की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आव्हान करते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रसंस्करण एवं वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने पर बल दिया।

मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग में आशीष राय को मिली बड़ी जिम्मेदारी

जबलपुर संभाग अध्यक्ष पद पर नियुक्त

मानव अधिकार संरक्षण और जनजागरूकता अभियान को देंगे नई दिशा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। सामाजिक सरोकारों, जनहित के मुद्दों और मानव अधिकारों के प्रति निरंतर सक्रिय रहने वाले युवा समाजसेवी आशीष राय को मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोग द्वारा उन्हें जबलपुर संभाग अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र सिंह तोमर की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष कमलेश राय द्वारा जारी नियुक्ति प्रमाण-पत्र के माध्यम से की गई। यह नियुक्ति मानव अधिकार संरक्षण, सामाजिक न्याय तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। आयोग ने विश्वास व्यक्त किया है कि आशीष राय अपने अनुभव, सामाजिक सक्रियता और जनसेवा की भावना के साथ जबलपुर संभाग में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मानव अधिकारों की रक्षा और जनजागरूकता पर रहेगा विशेष फोकस= नियुक्ति पत्र के अनुसार मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग संगठन जो कि नई दिल्ली भारत सरकार से पंजीकृत है। जिसने आशीष राय को मानव अधिकारों के संरक्षण, सामाजिक न्याय की स्थापना, आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी है। वे संभाग स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सुरक्षा, बाल अधिकार, सामाजिक समानता, आर्थिक न्याय एवं नागरिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर कार्य करेंगे। साथ ही समाज के वंचित, शोषित एवं जरूरतमंद वर्गों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए भी प्रयास करेंगे।

92 मरीजों का निःशुल्क उपचार, मुफ्त मिली दवाइयां

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

साई धामं मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है।को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार को किया जाता है।जिसमें इस रविबार 82 वें कैम्प का आयोजन किया गया।जिसमें शहरों एंव अनेक गावों के लगभग 92 मरीजों ने अपना उपचार करवाया।साथ ही युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रहां सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी। मेडीकल कैम्प में डाक्टर संजय मोदी, डाक्टर मनीष महोबिया, डाक्टर करूणा मालवीय, सहयोगी,राहुल गिरी गोस्वामी, आकास रजक, प्रशांत सोनी, सहित साई धांम मंदिर समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि। मेडीकल कैम्प में सोहागपुर, सालेचौक, बोहानी, कठौतिया, सीहोरा, इमलिया, गोलगाव, चीचली, उदयपुरा, बनखेड़ी, कामती, इमलिया, बरेली, गाडरवारा, महगवां कला, कान्हरगांव सहित अनेक गावों के मरीज उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 220108.726 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 271325 खसरों का क्षेत्रफल 220108.726 हेक?टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा गिरदावरी कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और सभी एसडीएम व तहसीदार को भी गिरदावरी कार्य की समीक्षा दैनिक रूप से करने के निर्देश दिए हैं। राजस्व विभाग के पटवारी और राजस्व निरीक्षक लगातार खेतों में पहुंचकर सर्वे का कार्य कर रहा है।

जीवन बचाने के संकल्प के साथ पुलिस लाइन में लगा विशाल रक्तदान शिविर

जरूरतमंद मरीजों की सहायता एवं मानव सेवा के उद्देश्य से आयोजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। मानव सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से पुलिस लाइन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पुलिस परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के दौरान डॉ. स्वाति मीना, (ब्लड बैंक अधिकारी), डॉ. पल्लवी शर्मा, डॉ. मध्यांतिका एवं डॉ. बिन्सी की विशेष उपस्थिति रही।

मुख्य उद्देश्य-रक्तदान शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान से न केवल किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।

मानव सेवा के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

शिविर के दौरान पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना एवं अति. पुलिस अधीक्षक, श्री संदीप भूरिया के साथ-साथ लगभग 50 पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। रक्तदाताओं का उत्साह एवं समर्पण पुलिस विभाग की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पुलिस लाईन में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाजहित के कार्यों में भी सदैव अग्रणी भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी नागरिकों से समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करने की अपील की। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में रक्षित निरीक्षक, श्रीमति मनोरमा बघेल, सूबेदार लाखन बघेल, सूबेदार प्रियंक सराठिया, सूबेदार पुष्पराज सिंह एवं स्वास्थ्य विभाग से श्री स्वप्निल चौरसिया, श्री अजय सेन, श्री अभिषेक कहार, शेख शाहरूख का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कंटूर ट्रेंच निर्माण से जल संरक्षण को मिल रही नई दिशा

श्रीराम आरण्यक पहाड़ी चिनकी में करीब 350 कंटूर ट्रेंचों का हुआ निर्माण

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में श्रीराम आरण्यक पहाड़ी चिनकी में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य किया जा रहा है। अब तक करीब 350 कंटूर ट्रेंच निर्मित किए जा चुके हैं। यह कार्य आगामी 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। कंटूर ट्रेंच निर्माण का कार्य नवांकुर संस्था प्रवाह जन पुनुरुत्थान समिति ग्वारी, अखिल विश्व गायत्री परिवार इकाई चिनकी तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिनकी के सहयोग से निरंतर संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्र में वर्षा जल संरक्षण के उद्देश्य से कंटूर ट्रेंच बनाए जा रहे हैं, जिनमें वर्षा का जल संचित होकर भूमि के भीतर पहुंचेगा। जिला समन्वयम मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने बताया कि वर्षा जल को अधिकाधिक मात्रा में भू-जल स्तर में वृद्धि करना, पौधों एवं वनस्पतियों को पर्याप्त नमी उपलब्ध कराना तथा माँ नर्मदा को सदानीरा बनाए रखने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जा रहा है।

जल संरक्षण की दिशा में यह अभियान पर्यावरण संतुलन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन का महत्वपूर्ण प्रयास बन रहा है। इस दौरान जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा स्थानीय समितियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणजनों की सक्रिय सहभागिता रही।

श्रीमद्भागवत कथा का भव्य विश्राम : सुदामा चरित्र सुन भावुक हुए श्रद्धालु, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ अनुष्ठान संपन्न

तुलसी मानस भवन में सात दिनों तक बही भक्ति की अविरल गंगा, व्यास पीठ का हुआ भावपूर्ण पूजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। नगर में समस्त मातृशक्ति संगठन, नरसिंहपुर के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आज अत्यंत गरिमामयी और भावपूर्ण माहौल में समापन हो गया। स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में आयोजित इस ऐतिहासिक आध्यात्मिक समागम के अंतिम दिन श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि समूचा परिसर छोटा पड़ गया। सात दिनों तक भीषण गर्मी के बावजूद नगरवासियों, विशेषकर मातृशक्तियों द्वारा दिखाई गई अटूट श्रद्धा और एकजुटता की चारों ओर सराहना हो रही है। कथा के सातवें और अंतिम दिन सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के मिलन का प्रसंग सुनाया, पंडाल में उपस्थित हर आँख नम हो उठी। महाराज जी ने मर्मस्पर्शी वाणी में वर्णन किया कि जब दरिद्रता से व्याकुल सुदामा द्वारिकाधीश के महल पहुँचे, तो प्रभु ने ऊंच-नीच और राजा-रंक का भेद भुलाकर नंगे पैर दौड़ते हुए अपने सखा को गले लगाया और अपने आंसुओं से उनके पैर धोए। महाराज जी ने संदेश दिया कि संसार में मित्रता केवल स्वार्थ की नहीं, बल्कि सुदामा और कृष्ण की तरह समर्पण और निष्काम प्रेम की होनी चाहिए। इसके पश्चात महाराज जी ने देवलोक से धरती पर पारिजात वृक्ष लाने के दिव्य प्रसंग का वाचन करते हुए इसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। अंतिम सत्र में उन्होंने नवयोगेश्वर संवाद और भगवान दत्तात्रेय के 24 गुरुओं की कथा विस्तार से सुनाई। उन्होंने बताया कि दत्तात्रेय जी ने प्रकृति के कण-कण-जैसे पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, सूर्य और यहाँ तक कि पशु-पक्षियों से भी कुछ न कुछ सीख लेकर उन्हें अपना गुरु बनाया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि यदि हमारे भीतर सीखने की जिज्ञासा हो, तो संपूर्ण संसार ही हमारा शिक्षक है। कथा के अंतिम सोपान पर महाराज जी ने यदुवंश के उपसंहार और भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य स्वधाम गमन (परम धाम प्रस्थान) की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि ठाकुर जी ने अपनी लीलाओं को समेटकर संसार को यह संदेश दिया कि जो भी इस धरा पर आया है, उसका गमन निश्चित है; केवल उनके द्वारा स्थापित धर्म और संस्कार ही शाश्वत रहते हैं। इसके उपरांत राजा परीक्षित को तक्षक सर्प के डसने और भागवत श्रवण के पुण्य से उनके परम मोक्ष की प्राप्ति का प्रसंग सुनाकर कथा को विश्राम दिया गया। कथा के विश्राम के पश्चात मुख्य यजमानों एवं समस्त मातृशक्तियों द्वारा व्यास पीठ और श्रीमद्भागवत महापुराण की पोथी जी का भावपूर्ण महापूजन व आरती की गई। इसके तुरंत बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य यज्ञशाला में विश्व-कल्याण की कामना के साथ आहुतियां डालकर पूर्णाहूति दी गई। दोपहर 12ः00 बजे से विशाल भंडारे (महाप्रसाद वितरण) का शुभारंभ हुआ, जिसमें हज़ारों की संख्या में नगरवासियों ने कतारबद्ध होकर सात्विक प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति ‟समस्त मातृशक्ति संगठन‟ की प्रमुख सदस्यों ने इस भव्य अनुष्ठान को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए नगर के समस्त पत्रकारों, जिला प्रशासन, प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोगियों और हज़ारों धर्मप्रेमी भाई-बहनों का हृदय से आभार व धन्यवाद व्यक्त किया है।

वाहन चालक-यांत्रिक कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर संघ की बैठक संपन्न

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ, नरसिंहपुर द्वारा वाहन चालकों एवं कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक लोक निर्माण विभाग के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर के वाहन चालक, हेल्पर एवं संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में कर्मचारियों की लंबित समस्याओं, कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने वाहन चालकों के हितों की रक्षा तथा उनकी मांगों को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र मालवीय, संभागीय अध्यक्ष मनोज पाण्डे, संभागीय सचिव अरविंद कराड़े एवं विशेष सलाहकार विनोद सनोडिया ने कर्मचारियों को संगठन की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी तथा कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वाहन चालक एवं यांत्रिक कर्मचारी शासन-प्रशासन की व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना आवश्यक है। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए आगामी रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

ईश्वर प्राप्ति और प्राणीमात्र के कल्याण हेतु ज्ञान-भक्ति है, सर्वाधिक सरल माध्यम : पं. वैभव भटेले

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ, धार्मिक-आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरणकाल, पुरुषोत्तम मास के पावनपर्व में श्री देव मुरलीधर जी मंदिर लोक न्यास समिति, ग्राम नयाखेड़ा (गरगटा) एवं क्षेत्रवासियों द्वारा देवधाम वाटिका मे 17 मई से 14 जून तक निरंतर प्रतिदिन ही दोपहर 3 बजे से सांय 6 बजे तक, संगीतमय श्रीराम कथामृत एवं श्रीमद् भागवत पुराण का भव्य आयोजन किया जा रहा है । जिसमे 17 मई से 23 मई तक मानस पियूषा सुश्री आस्था दुबे, (जबलपुर), 24 मई से 31 मई तक मानस मंजरी सुश्री आस्था गोस्वामी (झांसी) द्वारा अपने ज्ञानामृत व व्याख्यान दिये गये है । वही 01 जून से 07 जून तक राष्ट्रीय मानस प्रवक्ता श्री महाराज वैभव भटेले (भोपाल) द्वारा आध्यात्मिक सत्संग मे भागवत भाव का रसपान कराया गया जिसमे उन्होंने अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि नियमित ध्यान और आत्म-निरीक्षण से मस्तिष्क के उन भागों की सक्रियता बढ़ती है जो संवेदनशीलता और सामाजिक समझ के लिए जिम्मेदार हैं। ज्ञानार्जन के संयोजन से मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ता है। साथ ही इस प्रकार के कार्यक्रमों मे सहभागिता से सामूहिकता, सहानुभूति तथा सहनशीलता बढ़ती है, जो समाज में करुणामय व्यवहार को बढ़ावा देकर मानवीय मूल्यो को भी संरक्षित करती है ईश्वर को पाने का मार्ग ज्ञान और भक्ति दोनों के समन्वय से स्पष्ट होता है। शास्त्रों में भी ज्ञान (विद्या) और भक्ति (श्रद्धा) को साथ चलने वाला मार्ग माना गया है, जो मनुष्य को आत्मपरिवर्तन और ईश्वरीय अनुभूति दोनों की ओर ले जाता है। 8 जून से 14 जून तक साधवी बालसंत श्री शत्रुघनदास जी राधे राधे भरकेश्वरधाम (अशोकनगर) द्वारा श्रीमद भागवत प्रवचन रसवर्षा की जायेगी । 15 जून, सोमवती अमावस्या के दिन कन्याभोजन, सामूहिक भंडारा महाप्रसादी के आयोजन के साथ सम्पूर्ण कार्यक्रम का समापन होगा । आयोजको ने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ समाज में नैतिक मूल्यों और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूती प्रदान करती हैं।प्रतिदिन के कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा सामूहिक भजन-कीर्तन व सत्संग मे सक्रिय सहभागिता के साथ सामूहिक संकल्प लिया जा रहा है।

पुलिस परिजनों, नव आरक्षकों एवं समर कैंप के बच्चों ने उत्साहपूर्वक की सहभागिता

पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार के मध्य बेहतर समन्वय और संवाद पर दिया गया बल

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस लाइन में पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक श्री राकेश कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना, अति. पुलिस अधीक्षक, श्री संदीप भूरिया एवं जिले के समस्त अनु. पुलिस अधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही। सम्मेलन में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस परिजनों, नव आरक्षकों तथा समर कैंप में शामिल बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार के मध्य बेहतर समन्वय और संवाद पर दिया गया बल =* सम्मेलन के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक, श्री राकेश कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, जनसेवा एवं संवेदनशील पुलिसिंग को पुलिस विभाग की मूल पहचान बताते हुए सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पुलिस परिवारों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए विभाग एवं परिवार के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर बल दिया। पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना ने पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पुलिस परिवारों के हित में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

नव आरक्षकों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा का दिया गया संदेश – सम्मेलन में नव आरक्षकों को विभागीय कार्यप्रणाली, अनुशासन, आचरण, व्यावसायिक दक्षता एवं जनसंपर्क के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें पुलिस सेवा के मूल्यों एवं जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। समर कैंप के बच्चों का किया गया उत्साहवर्धन एवं सम्मान =* इस अवसर पर समर कैंप में सहभागी बच्चों से भी संवाद किया गया तथा उनकी प्रतिभाओं एवं उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बच्चों द्वारा कैंप के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा किया गया, जिसकी उपस्थितजनों ने सराहना की।

पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार के मध्य बेहतर समन्वय और संवाद पर दिया गया बल – कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवारों के बीच संवाद, विश्वास एवं सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। सम्मेलन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने आयोजन की सराहना की।

किसानों, युवाओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर भोपाल में हुई सार्थक चर्चा

केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेताओं से की मुलाकात, क्षेत्रीय समस्याओं और जनहित के विषयों पर दिया पत्र, मिला आश्वासन

कटनी (स्वतंत्रमत)

भोपाल प्रवास के दौरान युवा व्यवसायी एवं समाजसेवी कुशल प्रकाश मिश्र ने विभिन्न स्तरों पर जनसंपर्क एवं संवाद के माध्यम से क्षेत्रीय समस्याओं, विकास कार्यों एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से रखा। इस क्रम में उन्होंने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्र सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट कर कटनी जिले के किसानों से जुड़े जमीनी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान कृषि क्षेत्र की चुनौतियों, किसानों की आय, संसाधनों की उपलब्धता तथा ग्रामीण विकास से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके

पश्चात मिश्र ने खजुराहो-कटनी लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा से मुलाकात की। भेंट के दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, आमजन की समस्याओं तथा विभिन्न लंबित जनहित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने इन विषयों पर शीघ्र एवं प्रभावी समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। इसी दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर्स से भी सौजन्य भेंट हुई। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, युवाओं की भूमिका, रोजगार के अवसरों तथा सामाजिक एवं राजनीतिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। युवाओं को अधिक सक्रिय रूप से विकास एवं सामाजिक कार्यों से जोड़ने पर भी विचार साझा किए गए। युवा व्यवसायी, समाजसेवी कुशल प्रकाश मिश्र ने बताया की किसानों की समस्याओं, युवाओं की भागीदारी और क्षेत्रीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहा, जिसमें भविष्य की दिशा और जनहित में व्यावहारिक समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण का लिया संकल्प

कटनी (स्वतंत्रमत)

विश्व पर्यावरण दिवस की सायंकालीन गोधूलि बेला में अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद नीलांजना संभाग शाखा कटनी के तत्वाधान में चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र गौशाला परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन विशिष्ट अतिथि जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष सुधीर जैन एवं दयोदय पशु सेवा केंद्र के उपाध्यक्ष मगन जैन एवं प्रांतीय सहसचिव शशि जैन के आथित्य में संपन्न हुआ। जिसमें परिषद के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा औषधीय एवं फलदार वृक्षों का पौधा रोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस के स्वर्णिम स्वप्न को साकार किया गया। आज जब विश्व पर्यावरण प्रदूषण से बुरी तरह ग्रसित है, पर्यावरण प्रदूषण संतुलन हेतु वृक्षों का आरोपण कर प्रभावी रोक लगाने का प्रयास किया गया इस अवसर पर संस्था द्वारा एक

वृहद संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें परिषद की प्रांतीय चेयरपर्सन मीनू सिंघई द्वारा अपने उद्गार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर आहावन किया गया। उनका इस कार्यक्रम में विशेष सराहनीय योगदान रहा। एवं परिषद के पदाधिकारी एवं अन्य सदस्यों द्वारा शालू जैन, प्रीति पटवारी, अर्चना चंदेरिया, सीमा चौधरी, सचिव मंजू जैन ने इस गोष्ठी में विचार व्यक्त कर पर्यावरण सुरक्षा हेतू संतुलन बनने पर जोर दिया गया। संस्था के प्रांतीय प्रभारी बबीता जैन, प्रांतीय प्रभारी नीता जैन, एकता, मधुबाला, अनीता वाझल, कल्पना जैन, जय श्री जैन एवं अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थति में कार्यक्रम सानंद संपन्न हुआ। संचालन एवं आभार प्रदर्शन अध्यक्ष मंजू जैन दुबे कॉलोनी द्वारा किया गया संस्था की समस्त सदस्यों द्वारा प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया गया।

थाना ढीमरखेड़ा में आदतन अपराधियों की चेकिंग

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में, अति पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र में आदतन अपराधियों, निगरानी बदमाशों एवं अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की

सघन चेकिंग एवं सत्यापन की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा आदतन अपराधियों की वर्तमान गतिविधियों, आजीविका एवं आपराधिक प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही उन्हें अपराध से दूर रहने एवं कानून व्यवस्था भंग न करने की समझाइश दी गई। जिन व्यक्तियों के विरुद्ध पूर्व में आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध रहे हैं, उनकी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चेकिंग अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं असामाजिक तत्वों की भी जांच की गई तथा सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधों की रोकथाम हेतु इस प्रकार के अभियान निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे। पुलिस प्रशासन आमजन से अपील करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा व्यक्ति की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा सके।

समय पर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं देना 5 पंचायत सचिवों को पड़ा महंगा

लगा 19 हजार रुपए का जुर्माना, वेतन से होगी वसूली

कटनी (स्वतंत्रमत)

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करना और तय समय-सीमा से बाह्य अवधि में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और विवाह पंजीयन संबंधी 11 आवेदनों का निराकरण करना 5 पंचायत सचिवों एवं उप रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को महगा पड़ गया। कलेक्टर आशीष तिवारी के सख्त रुख के बाद इन सभी के विरुद्ध 19 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कलेक्टर ने सेवा में कमी मानते हुए इस जुर्माना को वसूल कर संबंधित आवेदकों को जुर्माना राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल पर कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दी जा रही सेवाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान समय-सीमा बैठक में समय बाह्य होने के बाद आवेदकों को जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रदान करने के मामले पर कड़ी

कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए संबंधित शासकीय कर्मचारियों के विरुद्ध जुर्माना अधिरोपित करने के सख्त निर्देश दिए थे। समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि 5 पंचायत सचिवों द्वारा जन्म प्रमाण पत्र और विवाह पंजीयन जैसे लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाले आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर नहीं किया गया था। इस संबंध में उन्हें पहले कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये। लेकिन संबंधित सचिवों द्वारा कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद जिला योजना अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंहमारे उइके ने लोक सेवा के जिला प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर 5 ग्राम पंचायत सचिवों पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई की गई। निर्धारित समय-सीमा के भीतर जन्म प्रमाण पत्र और विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र हेतु प्राप्त आवेदन का निराकरण नहीं करने पर ग्राम पंचायत पोंनिया के सचिव हिम्मत सिंह पर दो आवेदनों के लिए कुल 3 हजार रूपये, ग्राम पंचायत नदवान की सचिव राजकुमारी चतुर्वेदी पर 1 आवेदन के लिए 5 हजार रुपयेए ग्राम पंचायत छिहाइपिपरिया के सचिव दीपक कुमार गौतम पर 1 आवेदन के लिए 1 हजार रूपये, ग्राम पंचायत बड़वारा के सचिव रंजीत सिंह चौहान पर 5 आवेदन के लिए कुल 7 हजार 500 रुपये और ग्राम पंचायत इमलाज के सचिव राजकुमार श्रीवास पर 2 आवेदन के लिए कुल 2 हजार 500 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। अधिरोपित शास्ति (जुर्माना) की राशि संबंधित पंचायत सचिवों के आगामी वेतन से काटकर सरकारी शीर्ष 0070 (60) (800) में जमा की जाएगी।

दल-बदल कानून में कड़े संशोधन की मांग को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

कटनी (स्वतंत्रमत)। अखिल भारतीय हिन्द क्रांति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट पन्नालाल त्रिपाठी ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर कटनी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपकर देश में लागू दल-बदल कानून को और अधिक प्रभावी एवं कठोर बनाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 1985 में लागू किए गए दल-बदल विरोधी कानून का उद्देश्य लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखना तथा जनमत का सम्मान करना था, किंतु वर्तमान समय में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा पार्टी बदलने की घटनाएं लगातार लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही हैं। इससे मतदाताओं के विश्वास को ठेस पहुंचती है तथा जनता के जनादेश का अनादर होता है। प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट पन्नालाल त्रिपाठी ने ज्ञापन में सुझाव दिया है कि जो विधायक अथवा सांसद अपनी पार्टी छोड़कर किसी अन्य दल में शामिल होता है, उसकी सदस्यता तत्काल समाप्त की जाए तथा उसे आगामी 15 वर्षों तक कोई भी चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस प्रकार के मामलों में कठोर दंडात्मक प्रावधान किए जाएं ताकि दल-बदल की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि जनता किसी उम्मीदवार को केवल उसके व्यक्तिगत आधार पर नहीं, बल्कि उसकी पार्टी की विचारधारा, नीतियों और चुनावी वादों को ध्यान में रखकर अपना मत देती है। ऐसे में निर्वाचित होने के बाद दल बदलना मतदाताओं के साथ विश्वासघात के समान है। अखिल भारतीय हिन्द क्रांति पार्टी का मानना है कि लोकतंत्र की मजबूती, राजनीतिक नैतिकता की रक्षा तथा जनता के जनादेश के सम्मान के लिए दल-बदल कानून में व्यापक सुधार समय की आवश्यकता है। पार्टी ने केंद्र सरकार एवं संसद से इस विषय पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक संवैधानिक एवं विधायी संशोधन करने की मांग की है। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी लोकतंत्र की मर्यादा और जनहित में दल-बदल पर कठोर नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया।

पुरुषोत्तम मास में अन्नदान एवं भव्य दीपदान कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुरुषोत्तम मास के पावन एवं पुण्यदायी अवसर पर आयोजित सीमू गांधी की अध्यक्षता में अन्नदान एवं भव्य दीपदान का कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समिति के सभी सदस्यों ने अपनी अथक मेहनत से इस कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। समिति की समस्त सदस्याओं के सहयोग, समर्पण एवं सेवा भाव से यह पुण्य आयोजन भव्यता एवं गरिमा का अद्भुत उदाहरण बना। अन्नदान के माध्यम से मानव सेवा का श्रेष्ठ कार्य सम्पन्न हुआ तथा दीपदान के माध्यम से भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के श्रीचरणों में श्रद्धा, भक्ति एवं समर्पण के दीप श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में प्रज्वलित किए गए। आचार्य निलेश पाठक ने अन्न दान, दीप दान का संकल्प करवाया। दीपों की दिव्य ज्योति से सम्पूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय एवं आलोकित हो उठा। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर पर पुण्य लाभ अर्जित कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति प्राप्त की। इस सफल आयोजन में विशेष रूप से समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. हजारीलाल नौगरहिया, अशोक सेठिया, राजेश बरसैंया, सेठिया, पुरुषोत्तम टंडन, राजकुमार गांधी, धर्म दास चौदह, गुड्डू टूडहा, सुधीर कनकने, प्रशांत सेठिया, अतुल बिलैया, अनुराग सरावगी, हितेश बिलैया, विनय कंदेले, डॉ. अशोक चौदह, नरेंद्र चौदह, राजेश बरसैया, साक्षी गांधी, आर्य बरसैया, रजनी बिलैया, ममता सरावगी, रीता चौदह, रेखा सरावगी, कांची, प्रीति सुहाने एवं सुमन कनकने की उपस्थिति विशेष रूप से प्रेरणादायी रही। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के ट्रस्टी बेबू चौदह एवं रामेश्वर चौदहा के सानिध्य में ये कार्यक्रम संपन्न हुआ। साथ ही बजरंग बाल रामायण समाज के अध्यक्ष नरेंद्र ताल ने इस आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग एवं अमूल्य योगदान प्रदान किया। उनके मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दीपदान सम्पन्न हुआ, जिससे कार्यक्रम की भव्यता एवं आध्यात्मिक गरिमा में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। महिला समिति उनकी सेवाओं, सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करती है। महिला समिति के सभी सदस्यों की उपस्थिति रही। इस सफल आयोजन को संपन्न बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाली समिति की समस्त सदस्याओं, मातृशक्ति, समाजजनों एवं श्रद्धालुओं का महिला समिति हार्दिक अभिनंदन एवं धन्यवाद ज्ञापित करती है।

छबील का किया गया वितरण

कटनी (स्वतंत्रमत)। सिख धर्म के पांचवे गुरु अर्जुन देव महाराज के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर 5 जून को प्रातः 10 बजे से विश्राम बाबा मोड़ में लारेंस लाइन गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं कटनी की समूह साद संगत द्वारा छबील (कच्ची लस्सी) की सेवा का आयोजन किया गया। जिसमें सबही संगत एवं श्रद्धालुओं से सेवा करने के लिए पहुंचे यहाँ पर सभी संगत ने आने जाने वाले राहगीरो को ठंडी लस्सी छबील पीलायी यहाँ से गुजरने वाले सभी छोटे बडे वाहनो के लोगो को रोक रोक कर प्रसाद व छबील दी गयी सभी लोगो ने इस नेक कार्य की सराहना की इस दौरान लकी ग्रोवर, लकी सचदेवा, प्रिंस चावडा, सृजन सलूजा, टीनू सचदेवा, तेजपाल सिंह भाटिया, विक्की

ग्रोवर, अमरजीत सिंह ग्रोवर, मंजीत सिंह ग्रोवर, राजन माँगट, वीर ग्रोवर, गुरजोत सिंह, साध्वी जन कल्याण समिति की अध्यक्ष साध्वी निगम, नील शर्मा, शशांक तिवारी, धीरज सिंह, जग्गी गौरव, मालिक रोशित, मालिक पंकज गांधी, प्रशांत तिवारी सहित समाज के साथ स्थानीय जन उपस्थित रहे।

60.18 लाख के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन संपन्न

पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ जनप्रतिनिधियों ने किया पौधारोपण

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम कटनी द्वारा वीर सावरकर वार्ड में विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के समन्वित प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न निर्माण कार्यों का शुभारंभ महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद राजेश भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लगभग 60.18 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विकास कार्यों का भूमिपूजन कर किया गया। कार्यक्रम में मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, जयनारायण निषाद, पार्षद शकुंतला सोनी, पूर्व पार्षद पार्वती निषाद, मछुआरा संघ प्रदेश संयोजक श्याम निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने वार्ड में स्वीकृत विकास कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर, क्षेत्रीय पार्षद एवं

जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने के लिए आभार व्यक्त किया। भूमिपूजन अंतर्गत वीर सावरकर वार्ड में 15 लाख रुपये की लागत से नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य, 26.38 लाख रुपये की लागत से आधारकाप अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर नाली निर्माण कार्य सहित 18.80 लाख रुपये की लागत से संत रविदास नगर स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इन सभी कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा वर्षाकाल में होने वाली समस्याओं से नागरिकों को राहत मिलेगी, साथ ही विद्यालय भवन निर्माण से शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रयास भी समान रूप से आवश्यक हैं। इसी सोच के अनुरूप नगर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों के साथ-साथ वृक्षारोपण अभियानों को भी निरंतर गति दी जा रही है। क्षेत्रीय पार्षद भास्कर ने कहा कि वीर सावरकर वार्ड में नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नाली, पुलिया एवं विद्यालय भवन निर्माण कार्यों से क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा तथा रहवासियों को लंबे समय तक इसका लाभ मिलेगा।

29.48 लाख के निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

महापौर, क्षेत्रीय पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

कटनी (स्वतंत्रमत)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम कटनी द्वारा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के दोहरे संकल्प को साकार करते हुए बाबू जगमोहन दास वार्ड अंतर्गत गोवर्धन धाम कॉलोनी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। लगभग 29.48 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी. नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण कार्यों की आधारशिला महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद एवं मेयर इन काउंसिल सदस्य जयनारायण निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में रखी गई। कार्यक्रम में मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, पार्षद शकुंतला सोनी, सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद पार्वती निषाद, मछुआरा संघ के प्रदेश संयोजक श्याम निषाद एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा महापौर एवं उपस्थित अतिथियों का

पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया जाकर वार्ड में स्वीकृत विकास कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार भी जताया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में विकास कार्यों के भूमिपूजन उपरांत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कटनी के निर्माण का संकल्प लिया। पौधारोपण के माध्यम से विकास और प्रकृति के संतुलन का संदेश देते हुए नागरिकों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने की अपील की गई। भूमिपूजन अंतर्गत गोवर्धन धाम कॉलोनी में 13.66 लाख रुपये की लागत से सी.सी. नाली निर्माण कार्य तथा 15.82 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य कराया जाएगा। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी, आवागमन सुगम बनेगा तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलेंगे- महापौर

इस अवसर पर महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर विकास कार्यों के शुभारंभ एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन इसी सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रत्येक वार्ड में नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने के साथ-साथ हरित वातावरण के निर्माण के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय पार्षद एवं मेयर इन काउंसिल सदस्य जयनारायण निषाद ने कहा कि महापौर प्रीति संजीव सूरी के सरल, सहज एवं जनहितैषी नेतृत्व के कारण नगर के सभी वार्डों में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि जगमोहन दास वार्ड की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्य स्वीकृत कराए जा रहे हैं। सी.सी. नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण कार्यों से क्षेत्रवासियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा आधारभूत सुविधाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महापौर के मार्गदर्शन में आगे भी वार्ड के विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। कार्यक्रम का समापन विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने स्वच्छ, हरित और सुविधासंपन्न कटनी के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

हिमांशु, दीक्षा और सूरज ने राइफल पिस्टल ट्रायल्स में दर्ज की जीत

टी4 राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स के पहले फाइनल्स में किया शानदार प्रदर्शन

हरियाणा के हिमांशु ढिल्लों ने पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने को अंतिम शॉट में मात देकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तर प्रदेश की दीक्षा वैश्या और मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में जीत दर्ज की।

देहरादून

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में रविवार को आयोजित टी4 राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स के पहले फाइनल्स में यह मुकाबले खेले गए।पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में 24वें और अंतिम शॉट से पहले हिमांशु, पार्थ से 0.2 अंक पीछे थे।हालांकि अंतिम शॉट में हिमांशु ने 10.6 और पार्थ ने 10.3 का स्कोर किया, जिससे हिमांशु ने बेहद करीबी अंतर से मुकाबला अपने नाम कर लिया।हिमांशु ने कुल 252.2 अंक हासिल किए, जबकि दिल्ली के पार्थ माखिजा ने कांस्य पदक जीता।महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में दीक्षा वैश्या ने शानदार शुरुआत की और दूसरी पांच-शॉट श्रृंखला में बढ़त हासिल कर ली।इसके बाद उन्होंने मजबूत चुनौती का सामना करते हुए अपनी बढ़त बरकरार रखी और 252.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता।उन्होंने आशी चौकसे को 1.2 अंकों से पीछे छोड़ा।रेलवे की सोनम उत्तम मस्कर ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

दिन के तीसरे फाइनल, पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में सूरज शर्मा ने 29 हिट्स के साथ जीत दर्ज की। उत्तराखंड के अंकुर गोयल 27 हिट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि भव्येश शेखावत ने 25 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। हालांकि राष्ट्रीय रैंकिंग में पार्थ माने शीर्ष स्थान पर बने रहे, जबकि हिमांशु दूसरे स्थान पर पहुंचे।

महिलाओं की एयर राइफल स्पर्धा के बाद सोनम मस्कर को सबसे अधिक फायदा हुआ और वह एलावेनिल वलारिवन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गईं।वहीं पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल की घरेलू रैंकिंग में नौसेना के अनुभवी निशानेबाज ओमकार सिंह, अनीश भनवाला के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए।टी4 राइफल/पिस्टल ट्रायल्स आगामी एशियाई खेलों के मद्देनज़र बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, जहां निशानेबाजी की 28 स्पर्धाओं में 15 पुरुष और 15 महिला निशानेबाज भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 12 सदस्यीय शॉटगन टीम की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जबकि राइफल और पिस्टल टीमों की घोषणा इन ट्रायल्स के बाद की जाएगी।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे: रोहित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरे्लू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत 451 रन से आगे

पहली पारी 564/8 पर घोषित की

दूसरे दिन अफगानिस्तान का स्कोर 113/5, सुथार को 3 विकेट

न्यू चंडीगढ़

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट की पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित की। रविवार को न्यू चंडीगढ़ में दूसरे दिन के स्टंप्स तक अफगानिस्तान की टीम 5 विकेट पर 113 रन बना पाई। रहमत शाह 43 रन पर नाबाद लौटे। भारत पहली पारी के आधार पर 451 रन से आगे है। भारत के लिए डेब्यू कर रहे मानव सुथार ने 3 विकेट लिए। उन्होंने रहमानुल्लाह गुरबाज, अब्दुल मलिक और अफसर जजई को पवेलियन भेजा। प्रसिद्ध कृष्णा ने कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी और सेदीकुल्लाह अटल के विकेट लिए। डेब्यू कर रहे लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार ने अपने पहले ही ओवर में विकेट लिया। इसके साथ ही वे ऐसा करने वाले भारत के आठवें खिलाड़ी बन गए। 25 साल बाद किसी भारतीय ने यह कारनामा किया।इससे पहले 2001 में टीनू योहानन ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट के पहले ओवर में विकेट लिया था।

गिल और राहुल के शतक, 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई

कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 126 रन बनाए। ओपनर केएल राहुल ने 100 रन की पारी खेली। ऋषभ पंत और साई सुदर्शन ने 81-81 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 और कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार ने 28, यशस्वी जायसवाल ने 24 और ध्रुव जुरेल ने 19 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 12 गेंदों पर 22 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सफी ने 6 विकेट लिए। जियाउर रहमान और हश्मतुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला। गिल और राहुल के शतक, 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 126 रन बनाए। ओपनर केएल राहुल ने 100 रन की पारी खेली।

7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियन बना भारत

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप जीत ली है। खिताबी मुकाबले में भारत नेडिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराया है। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार यह टूर्नामेंट जीता है।

शैली सिंह ने लॉन्ग जंप में जीता गोल्ड

भारतीय एथलीटों को चार मेडल मिले

न्यू ताइपे सिटी

शैली सिंह ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन 2026 में महिलाओं का लॉन्ग जंप टाइटल जीता, जिसमें भारतीय एथलीटों ने वीकेंड में कुल चार मेडल जीते। चीनी ताइपे के बानकियाओ स्टेडियम में मुकाबला करते हुए, शैली ने 6.24मी की बेस्ट जंप दर्ज की और वियतनाम की ट्रान थी लोन (6.23मी) और ऑस्ट्रेलिया की ज़ो चेस्टर (6.13मी) से आगे रहीं।शैली ने पिछले महीने फेडरेशन कप में 6.58मीका सीज़न-बेस्ट प्रयास किया, जबकि उनका पर्सनल बेस्ट 6.76मी है, जो 2023 में हासिल किया गया था।यह मार्क अंडर 20 इंडियन नेशनल रिकॉर्ड भी है।सीनियर महिलाओं का लॉन्ग जंप नेशनल रिकॉर्ड 6.83मी का है, जो अंजू बॉबी जॉर्ज के नाम है।भारत की महिलाओं की 4×100मी रिले चौकड़ी जिसमें एसएस स्नेहा, रियो 2016 ओलंपियन श्राबनी नंदा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना शामिल थीं, ने भी प्रभावित किया, 44.07 सेकंड का समय लेकर मीट रिकॉर्ड की बराबरी की और गोल्ड मेडल जीता।थाईलैंड 44.68 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहा।तेजस शिरसे ने शनिवार को पुरुषों की 110मी हर्डल्स इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीता।शिरसे ने फाइनल में 13.58 सेकंड का समय निकाला, और गोल्ड मेडल से सिर्फ़ 0.01 सेकंड से चूक गए।चीनी ताइपे के हसेह युआन-काई ने 13.57 सेकंड में रेस जीती, जबकि मलेशिया के मोहम्मद आर्मिन ज़हरील अब्दुल लतीफ़ ने 13.87 सेकंड में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।शिरसे का सीज़न का सबसे अच्छा टाइम 13.43 सेकंड पिछले महीने चेन्नई में इंडियन ओपन एथलेटिक्स सीरीज़ में आया था।

इस इवेंट में इंडियन नेशनल रिकॉर्ड 13.41 सेकंड का है, जो शिरसे ने 2024 में बनाया था। रविवार को, इंडियन स्प्रिंटर अनिमेष कुजूर ने पुरुषों की 200मी रेस में 20.47 सेकंड के टाइम के साथ सिल्वर मेडल जीतकर कैंपेन खत्म किया।थाईलैंड के पुरीपोल बूनसन, जो एशियन गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं, ने 20.03 सेकंड में रेस जीती, जबकि गे वुयानमिंग 20.65 सेकंड में तीसरे स्थान पर रहे।अनिमेष के नाम इंडियन मेन्स 200 मी का नेशनल रिकॉर्ड 20.32 सेकंड का है, जो उन्होंने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में बनाया था।

एपीडा ने झारखंड के आमों का ब्रिटेन को निर्यात शुरू कराया

महिला एफपीसी से 1.5 टन आम्रपाली आम भेजा गया

नयी दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने झारखंड से कृषि निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में राज्य से ब्रिटेन को ताजे आमों की पहली वाणिज्यिक खेप हरी झंडी दिखाकर रवाना की।उद्योग मंत्रालय की रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार झारखंड के आम्रपाली आम की खेप 4 जून को कोलकाता से समारोह पूर्वक ब्रिटेन के लिए भेजी गयी।इस खेप में सिमडेगा जिले के बानो ब्लॉक में स्थित महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लि. से प्राप्त 1.5 टन ताजे आम्रपाली आम भेजे गए हैं।इस खेप का निर्यात कोलकाता स्थित मैसर्स जेजीबी एग्रोफ्रेश प्रा लि द्वारा लंदन को किया जा रहा है।यह निर्यात, सिमडेगा जिले के किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी), किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और प्रगतिशील किसानों के लिए एपीडा द्वारा 5 मई को आयोजित निर्यात-उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम के बाद किया जा रहा है।मंत्रालय का कहना है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य निर्यात संबंधी आवश्यकताओं, गुणवत्ता मानकों और बाजार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना था।इसके बाद, एपीडा ने जिले से निर्यात योग्य गुणवत्ता वाले आमों की खरीद के लिए बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और जेजीबी एग्रोफ्रेश के बीच संपर्क स्थापित करने में सहायता की।वर्तमान खेप इसी पहल का परिणाम है।इस साझेदारी से एफपीसी को निर्यात मूल्य श्रृंखला में प्रत्यक्ष भागीदारी मिली है और इसके सदस्य किसानों को बाजार तक पहुंच प्राप्त हुई है।एफपीसी से जुड़े किसानों को घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों की तुलना में अपनी उपज के लिए अधिक लाभ प्राप्त हुआ है।इस पहल से क्षेत्र के किसान समूहों के बीच गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पद्धतियों को अपनाने, फसल कटाई के बाद बेहतर प्रबंधन करने और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करने को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।झारखंड में बागवानी के लिए अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियां मौजूद हैं।राज्य में उगाई जाने वाली आम की आम्रपाली किस्म अपनी गुणवत्ता और बाजार में स्वीकार्यता के लिए जानी जाती है।

एनएसई में निवेशक खातों की संख्या 26 करोड़ के पार

मुंबई

देश के प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ऑफ इंडिया ने जून में 26 करोड़ निवेशक खातों की उपलब्धि हासिल कर ली।एनएसई ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एक्सचेंज पर यूनीक ट्रेडिंग खातों की संख्या 26 करोड़ के आंकड़े को पार कर गयी है।खास बात यह है कि 25 करोड़ से 26 करोड़ का सफर चार महीने से भी कम समय में तय हुआ है जो निवेशकों की भागीदारी में निरंतर वृद्धि दिखाता है।पिछले एक साल में ही 4.3 करोड़ से अधिक निवेशक खाते एक्सचेंज से जुड़ चुके हैं।यह कुल खातों का लगभग 17 प्रतिशत है।वहीं, 31 मई तक एनएसई में पंजीकृत यूनीक निवेशकों की संख्या 13.1 करोड़ से अधिक थी।ट्रेडिंग खातों की संख्या यूनीक निवेशकों से अधिक है क्योंकि एक निवेशक विभिन्न ब्रोकरों के माध्यम से कई ट्रेडिंग खाते रख सकता है।अप्रैल 2026 में यूनीक निवेशकों की संख्या 13 करोड़ के पार पहुंची थी।निवेशक खातों के मामले में 4.4 करोड़ के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर है।यह कुल खातों का लगभग 17 प्रतिशत है।इसके बाद लगभग तीन करोड़ (11 प्रतिशत) खातों के साथ उत्तर प्रदेश , 2.2 करोड़ (8.6 प्रतिशत) खातों के साथ गुजरात, 1.5 करोड़ (5.9 प्रतिशत) खातों के साथ पश्चिम बंगाल और 1.5 करोड़ (5.8 प्रतिशत) खातों के साथ राजस्थान का स्थान है।ये पांच राज्य मिलकर देश के लगभग 49 प्रतिशत निवेशक खातों का प्रतिनिधित्व करते हैं।इसके अतिरिक्त, पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों में निवेशक खातों की वृद्धि उल्लेखनीय रही है।

टॉप कंपनियों को 1.25 लाख करोड़ का नुकसान, आरआईएल सबसे बड़ा लूजर

नई दिल्ली

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत बढ़ गई।समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,95,346.09 करोड़ रुपये पर आ गया।भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये रह गई।

एफपीआई ने जून के पहले सप्ताह में पूंजी बाजार से निकाले 37,804 करोड़

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 37,804 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की।शुद्ध निकासी बाजार में लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है।यह लगातार चौथा महीना है जब एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं।केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा (सीडीएसएल) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में एफपीआई का निवेश कम हुआ है जबकि डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से पैसा लगाया है। सप्ताह के पांच कारोबारी दिन में उन्होंने 42,927 करोड़ रुपये की इक्विटी की शुद्ध बिकवाली की।वहीं, डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 5,326 रुपये लगाये।बीते सप्ताह म्यूचुअल फंड में एफपीआई का निवेश 180 करोड़ रुपये कम हुआ।हाइब्रिड उपकरणों से भी उन्होंने 23.8 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। इससे पहले मई में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से 29,919 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी।अप्रैल में उन्होंने 70,786 करोड़ रुपये और मार्च में रिकॉर्ड 1,26,991 करोड़ रुपये निकाले थे।

भागवत कथा श्रवण से मिटते हैं दु:ख-दर्द संसार का होता है कल्याण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जहां-जहां कृष्ण लीलाएं हुईं, वहां-वहां भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बना रही सरकार, मुख्यमंत्री ने कथा समापन समारोह को वीसी से किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्रीमद्भागवत कथा का पुण्य-प्रताप ऐसा है कि इसे सुनने मात्र से ही मनुष्य के दु:ख-दर्द दूर हो जाते हैं। भागवत कथा श्रवण से कष्टों का शमन होता है और पूरे संसार का कल्याण होता है। इस कथा का श्रवण मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति में भी सहायक होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में ऐसे धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ये समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं और सबके जीवन में सद्भाव एवं आत्मिक शांति का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को धर्म के मर्म एवं नैतिकता का भान कराती है। यह मनुष्य को उसके कर्तव्यों और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ज्ञानामृत है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में भागवत गीता कथा एक पवित्र माध्यम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जैन जिले के ग्राम टंकारिया पंथ में एक से सात जून तक हुई श्रीमद्भागवत कथा के समापन समारोह को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कथा समापन समारोह में सहभागिता की।

जीवन में अपनाएं गीता का संदेश -मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में नाना प्रकार के कष्ट थे, परंतु उन्होंने अपने कष्टों से इतर कुशासन (कंस) का अंत किया। वे सदैव धर्म मार्ग पर बने रहे। उन्होंने समारोह में बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं से कहा कि वे गीता के संदेश को अपने जीवन में भी अपनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण ने लीलाएं कीं, वहां-वहां हमारी सरकार भव्य श्रीकृष्णु तीर्थ बनाने जा रही है। उन्होंने बताया कि उज्जैन जिले के नारायणा गांव और धार जिले के अंका-झंका माताजी परिसर में भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बनाया जायेगा। ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम टंकारिया पंथ से लेप? तक एवं इसी गांव से रानापुर फाटक तक पक्की सड़क बनाई जायेगी। यहां धर्मशाला में शेड निर्माण के लिए भी राशि और गौशाला निर्माण के लिए अनुदान दिया जायेगा।

सरकार कराएगी तीर्थ यात्रा

मुख्यमंत्री ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाली राखी में भी हमारी सरकार लाड़ली बहनों को शगुन के रूप में राशि भेजेगी, बुजुर्गों से कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को हमारी सरकार तीर्थ यात्रा करायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कथा आयोजन को समाज में आध्यात्मिक जागृति और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। सात दिवसीय भागवत् कथा के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों, संतजनों एवं श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी के सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना का व्यापक प्रसार हुआ है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और संस्कारों को सुदृढ़ करने में मददगार होते हैं।

बारिश पूर्व तैयारियों की जमीनी हकीकत जांचने निकले मंत्री सारंग

पातरा नाले में मिट्टी डंप होने पर जताई नाराजगी, तत्काल शुरू कराया मिट्टी हटाने का कार्य

भोपाल (स्वतंत्र मत)

आगामी मानसून को देखते हुए नरेला विधानसभा क्षेत्र में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग रविवार सुबह स्वयं सड़कों पर उतरे और नरेला विधानसभा के प्रमुख नाले-नालियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान नगर निगम एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री श्री सारंग ने प्रभात चौराहा, महामाई की पुलिया, द्वारका नगर, भानपुर खंती सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति देखी और अधिकारियों को बरसात के पहले सफाई और मरम्मत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर नाले-नालियों की सफाई कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर मंत्री श्री सारंग ने नगरनिगम के अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले सभी नाले-नालियों की पूरी तरह सफाई होना अनिवार्य है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति नहीं बननी चाहिए, आम नागरिकों को बाढ जैसी समस्या का सामना नहीं करना पड़े, इसलिए पहले से ही पूरी तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी छोटे-बड़े नालों की सफाई युद्ध स्तर पर की जाए ताकि पानी की निकासी सुचारू बनी रहे। दौरे के दौरान मंत्री श्री सारंग ने भोपाल शहर के सबसे बड़े पातरा नाले का भी निरीक्षण किया, जो नरेला विधानसभा क्षेत्र से होकर गुजरता है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पातरा नाला पूरे भोपाल शहर की जल निकासी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि इसकी सफाई समय पर नहीं हुई तो बारिश के दौरान शहर के कई हिस्सों में गंभीर जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

एनएचएआई के कार्य पर जताई नाराजगी

भानपुर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने देखा कि एनएचएआई द्वारा निर्माणाधीन 10 लेन प्रोजेक्ट के कार्य के चलते पातरा नाले में बड़ी मात्रा में मिट्टी डंप की गई है। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की और नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाले में मिट्टी डंप होने से पानी का प्रवाह बाधित होगा और इसका असर पूरे भोपाल शहर पर पड़ेगा। बारिश के समय यह स्थिति बाढ़ जैसे हालात पैदा कर सकती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पीएम सूर्य घर योजना में 1.33 लाख से ज्यादा सौर संयंत्र स्थापित : ऊर्जा मंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा को लेकर नागरिकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 33 हजार 121 सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश में कुल 498.03 मेगावॉट सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है। साथ ही हितग्राहियों को अब तक 942.19 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि इस योजना से परिवार ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना मध्यप्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आमजन को आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान के रूप में स्थापित हो रही है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी योजना के क्रियान्वयन में अग्रणी है। यहां 54 हजार 773 संयंत्र स्थापित किए गए। क्षेत्र में 202.07 मेगावॉट क्षमता विकसित हुई है और 389.31 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में अब तक 47 हजार 734 सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे 50 हजार 323 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 185.09 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हुए हैं तथा 339.28 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में 30 हजार 614 सौर संयंत्र स्थापित किए गए, जिनसे 30 हजार 899 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 110.87 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला फुटबॉल टीम को दी बधाई

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम को साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन चैम्पियनशिप-2026 जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह शानदार विजय भारत की बेटियों के साहस, प्रतिभा और टीम भावना का प्रतीक है। भारतीय टीम की यह सफलता खेल जगत में प्रेरणा का नया अध्याय लिखेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पूरी टीम हार्दिक बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। उल्लेखनीय है कि गोवा राज्य के मडगांव में 25 मई से 6 जून की अवधि में हुई इस चैम्पियनशिप में भारत की सफलता पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों को बधाई दी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 18 गोल करने की उपलब्धि भी हासिल की है। अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भारतीय महिला खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की चहुँओर प्रशंसा हो रही है।

एसएएफएफ वुमेन चैपिंयनशिप-2026 में भारत ने बांग्लादेश को दी शिकस्त

जनकल्याण शिविर के माध्यम से मिलेगा योजनाओं का लाभ, समस्याओं का होगा निराकरण

विकासखंड और नगरीय निकाय मुख्यालयों पर लगेंगे शिविर

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 12 से 18 जून 2026 की अवधि में जिले के प्रत्येक विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर 03 दिवसीय 'जनकल्याण शिविर' आयोजित किये जायेंगे। इन शिविरों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना और आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। जिले में संचालित केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं (सेचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित) के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही प्राथमिकता से की जायेगी। साथ ही विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) के लिये भी हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी संभागायुक्त, कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, आयुक्त, नगर पालिक निगम और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि शिविरों का रोस्टर इस प्रकार तैयार किया जाए कि यथासंभव कलेक्टर/अपर कलेक्टर/मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिविर में उपस्थित रहें और विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के दौरान चिन्हांकित योजनाओं में प्राप्त आवेदनों को दर्ज करने एवं निराकरण संबंधी कार्यवाही सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से की जायेगी। पोर्टल में एक पृथक मॉड्यूल तैयार कर अधिकारियों को लॉगइन उपलब्ध कराने की सुविधा दी जा रही है।

एक ही रात में 2 स्थानों पर अवैध शराब बरामद

पथरिया (स्वतंत्र मत)। नशा विरोधी जनआंदोलन के तहत भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने एक ही रात में दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध शराब पकड़वाने में सफलता प्राप्त की। पहली कार्रवाई बोतराई रोड रेलवे फाटक के पास की गई, जहां लगभग 225 पाव लाल मसाला अवैध शराब बरामद की गई। संगठन के कार्यकर्ताओं को देखकर आरोपी शराब छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं दूसरी कार्रवाई दमोह रोड स्थित यज्ञशाला गेट के पास की गई, जहां 115 पाव लाल मसाला अवैध शराब बरामद हुई। इस मामले में आरोपी शोहिल खान निवासी वार्ड क्रमांक 3 पथरिया बताया गया है जो संगठन के कार्यकर्ताओं को देखकर शराब फेंककर भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों स्थानों से बरामद अवैध शराब को जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया। पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश एवं मामले की विवेचना की जा रही है। लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। वहींए नशा विरोधी अभियान को भी मजबूती मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब सामाजिक संगठन लगातार अवैध शराब के खिलाफ सक्रिय हैं तो संबंधित विभागों को भी प्रभावी कार्रवाई कर क्षेत्र को नशामुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

पुलिस ने 46 वारंटियों को दबोचा

दमोह (स्वतंत्र मत)।

आदतन अपराधियों एवं सामाजिक तत्वों फरार चल रहे अपराधियों के खिलाफ पुलिस सख्त हो गई है। रात्रि गस्त के दौरान पुलिस ने अनेक अपराधियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यबाई की। आपको बता दें कि पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया तथा समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में देर रात्रि विशेष कांबिंग गश्त एवं अपराधियों की धरपकड़ अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य फरार आरोपियों, वारंटियों, आदतन अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही कर जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा जिले भर में अपराधियों के संभावित ठिकानों, संवेदनशील क्षेत्रों एवं संदिग्ध स्थानों पर सघन दबिश दी गई। पुलिस की सक्रिय कार्यवाही के परिणामस्वरूप अनेक अपराधियों एवं गुंडा-बदमाशों की जांच एवं धरपकड़ की गई तथा विभिन्न प्रकरणों में वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

स्थायी वारंटी गिरफ्तार 21 एवं गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार 25

गुंडा बदमाश चेकिंग 33, निगरानी बदमाश सत्यापन 23, आबकारी एक्ट के प्रकरण 19, आर्म्स एक्ट के प्रकरण 1, सट्टा एक्ट के प्रकरण 6, जुआ एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही 1 पर कार्यवाही की। कांबिंग गश्त के दौरान सक्रिय अपराधियों, निगरानीशुदा बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के ठिकानों की गहन जांच की गई तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया कि जिले में अपराध एवं अवैधानिक गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं है तथा कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध कठोर एवं निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, वारंटों की तामीली, गुंडा बदमाशों की निगरानी एवं अपराध नियंत्रण की कार्यवाही सतत जारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं जिले में सुरक्षित वातावरण बनाए रखना दमोह पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुलिस ने सट्टा पर्ची लिखते 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

दमोह (स्वतंत्र मत)। पुलिस जहां फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़ में लगी है। वहीं सट्टा पर्ची काटने वालों के खिलाफ भी प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। कोतवाली पुलिस ने शनिवार को रेड कार्यवाही कर सट्टा पर्ची काटते 5 आरोपियो को पकड़ा। पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध शराबए अवैध मादक पदार्थ, अवैध सट्टा के विरूद्ध ऑपरेशन क्लीन चलाया जा रहा है जो उक्त संबंध मे प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था जो पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में मुखबिर सूचना तंत्र मजबूत किया गया। इसी तारतम्य में शहर मे अलग-अलग स्थानों पर रेड कार्यवाही करते हुए 5 आरोपियों से कुल 5020 रूपये, 5 सट्टा पर्ची, 5 राड पेन जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही कर थाना कोतवाली में 5 अपराध पंजीबद्ध किये गये। जिनमें आरोपी महेश पटैल पिता माधव पटैल उम्र 39 साल निवासी मंगल भवन बजरिया वार्डन 6 दमोह, सीमा ठाकुर पति चिजू ठाकुर उम्र 37 साल निवासी धरमपुरा दमोह, हसीना अहमद पति अहमद खान उम्र 30 साल निवासी शोभानगर दमोह, फूलसींग अहिरवार पिता मोहनलाल अहिरवार निवासी बडापुरा दमोह। गुड्डू उर्फ रामगोपाल पिता रामदास अहिरवार निवासी बडापुरा दमोह शामिल हैं। आरोपियों से जप्त मशरुका 2500-650-500-670-700 कुल मशरूका 5020 रूपये 5 सट्टा पर्ची एवं 5 राड पेन।

धोलियाखेड़ा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी तक नहीं पहुंचा उदय प्रोजेक्ट का पानी

कलेक्टर की बैठक के बाद बिछाई गई नई पाइपलाइन भी बेअसर

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से संचालित उदय प्रोजेक्ट के तहत घर-घर नल से जल पहुंचाने की योजना के बावजूद पटेरा मार्ग स्थित धोलियाखेड़ा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी आज भी पेयजल संकट से जूझ रही है। कलेक्टर की समीक्षा बैठक के बाद कॉलोनी में बिछाई गई नई पाइपलाइन से भी जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी जिससे लगभग 40 परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद अधूरी रह गई। जानकारी के अनुसार वर्ष 2017 से उदय प्रोजेक्ट के अंतर्गत नगर में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। एमपीयूडीसी के माध्यम से यह कार्य गुजरात की जय वारुणी कंपनी को सौंपा गया था जिसे वर्ष 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। परियोजना के तहत लगभग साढ़े पांच हजार घरों में पाइपलाइन बिछाकर कनेक्शन दिए गए और नवंबर 2024 में योजना को पूर्ण घोषित कर दिया गया। बाद में करीब दो हजार नए कनेक्शन जोड़कर कुल साढ़े सात हजार उपभोक्ताओं को जलापूर्ति का दावा किया गया। इसी दौरान 7 मई को दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने नगर पालिका में पेयजल संकट को लेकर बैठक ली थी। बैठक में जलापूर्ति प्रभावित क्षेत्रों में सुधार के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद कुछ जनप्रतिनिधियों ने पटेरा मार्ग स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के 25 से 30 घरों में पानी की समस्या का मुद्दा उठायाए जिस पर उदय प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू कर दिया। बताया जाता है कि कॉलोनी के प्लॉट क्षेत्र से पाइपलाइन बिछाने को लेकर आपत्तियां भी सामने आईं। बाद में जब पानी नहीं पहुंचा तो अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि उक्त कॉलोनी के लिए वर्ष 2016 में ही नगर पालिका द्वारा अलग से पाइपलाइन बिछाई जा चुकी थी।

पुजारी आवास से मोबाइल चोरी सीसीटीवी कैमरा में कैद हुआ संदिग्ध

हटा (स्वतंत्र मत)

नगर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोगों में चिंता का माहौल है। पुलिस की निष्क्रियता के आरोपों के बीच चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व तहसील कार्यालय में पदस्थ कानूनगो राजाराम गोस्वामी द्वारा आयोजित नवचंडी यज्ञ के समापन के बाद चण्डी जी सिद्धपीठ मंदिर परिसर में चोरी की घटना सामने आई। बताया जाता है कि पानी के कुप्पे रखने में मदद करने के बहाने एक युवक मंदिर परिसर स्थित पुजारी राजू महाराज के आवास में पहुंचा और उनकी पत्नी का मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गया। घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में सफेद गमछा बांधे एक संदिग्ध युवक दिखाई दे रहा है। चोरी की शिकायत हटा थाना में दर्ज कराते हुए सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंप दी गई है। इस संबंध में प्रधान आरक्षक भगवानदास दाहिया ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इसी मंदिर के समीप स्थित एक किराना दुकान में कुछ माह पूर्व लगभग 16 लाख रुपये की बड़ी चोरी हुई थी जिसका अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है।

➤ बरगी पुलिस की कार्यवाही, ट्रैक्टर चालक गिरफ्तार

नर्मदा नदी से भरकर ले जाई जा रही थी रेत

जबलपुर। चेकिंग के दौरान बरगी में स्वराज कम्पनी के टेक्टर समेत 46 वर्षीय बाबूलाल भूमियाा ग्राम बसहा चौकी गौर को रोका गया और उससे ट्राली में लोड रेत के संबंध में पूछताछ करने पर उक्त रेत नर्मदा नदी बसही घाट से चोरी से लोड कर ले जाना बताया गया। टेक्टर ट्राली मालिक कौशल पटेल निवासी हिनौता से किराये से लेकर चलाना तथा किराये के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं होना व बिना रायल्टी दस्तावेज के नर्मदा नदी बसहा घाट से चोरी से रेत बेचने ले जाना भी जाच में आया।

➤ आधा किमी के दायरे में फैली आग, दमकल ने पाया काबू

सोनपुर में स्थित फार्म हाउस का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सोनपुर के आगे लखनवाड़ा फार्म हाउस के पास बांस के झुरमुटों में विगत दिवस भीषण आग लग गई। आग करीब आधा किलोमीटर क्षेत्र में फैल गई। रांझी फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। जानकारी के मुताबिक दमकल विभाग को शनिवार देर रात करीब 12.30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी तुरंत रवाना हो गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। बांस के घने झुरमुट होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी।

पिस्टल लेकर बदमाशों को भगाने आई भाजपा महिला नेता के हाथों दबा ट्रिगर, हुई मौत

रांझी थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रांझी थाना क्षेत्र के पुराने शोभापुर में शनिवार देर रात गोली लगने से घायल हुई भाजपा नेत्री संगीता रजक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौके पर पहुंची रांझी थाने की पुलिस ने शव को पीएम के भिजवाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि विगत कुछ दिनों पहले न्यू शोभापुर निवासी 38 वर्षीय भाजपा नेत्री संगीता रजक के घर में बदमाशों ने बम फेंके थे, जिसके बाद से लगातार वहां तनाव का माहौल बना हुआ था। इसी बीच शनिवार देर रात संगीता के घर के बाहर शोर हो रहा था। घर के पुरूष शोर सुन दरवाजे की तरफ भागे। इसी दौरान संगीता भी अपनी लायसेंसी बंदूक लेकर निकली। इसी बीच घर की गैलरी में अचानक गोली चलने की सुनाई दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य जैसे ही वहां पहुंचे, तो संगीता घायल पड़ी हुई थी। पेट से काफी खून बह रहा था। परिजन तत्काल उसे लेकर एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ देर चले इलाज के बाद दम तोड़ दिया।

धोखे से दब गया ट्रिगर- इस मामले में परिजनों ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले उनके घर में कुछ बदमाशों ने बम चलाया था, तो सुरक्षा की दृष्टि से अपनी लायसेंसी पिस्टल अपने पास में रखते थे। रात 1 बजे के लगभग घर के बाहर कुछ हलचल सुनाई दी, तो संगीता के पति बंटी रजक घर के बाहर निकले। पति को बन्दूक देने के लिए संगीता कमरे से बाहर निकल रही थी, तो बरामदे में अचानक बंदूक से गोली चल गयी।

आशंका जताई जा रही है कि संगीता के हाथ से धोखे से बन्दूक का ट्रिगर दब गया। जिससे गोली उनके पेट में जा लगी। घटना की सूचना मिलते ही रांझी थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला हादसा प्रतीत हो रहा है, लेकिन देर रात हुए विवाद और गोली चलने की परिस्थितियों की गहन जांच की जा रही है।

पार्षद चुनाव लड़ चुकी थीं संगीता

जानकारी के मुताबिक संगीता रजक भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता थीं। उन्होंने पिछले नगरीय निकाय चुनाव में गोकलपुर वार्ड से भाजपा प्रत्याशी के रूप में पार्षद चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन वे आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई थीं। वहीं उनके पति बंटी रजक भी विधायक प्रतिनिधि रह चुके हैं। बहरहाल पुलिस अब पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मनी लान्ड्रिंग देश की वित्तीय व्यवस्था पर सीधा हमला

नकली डेयरी उत्पादों और मनी लान्ड्रिंग के मामले में आरोपी की जमानत याचिका खारिज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नकली दूध, घी और अन्य डेयरी उत्पादों के जरिए करोड़ों रुपये के कथित अवैध कारोबार से जुड़े मामले में मप्र हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि मनी लान्ड्रिंग कोई सामान्य अपराध नहीं, बल्कि देश की वित्तीय व्यवस्था और संप्रभुता पर सीधा प्रहार है। इसी टिप्पणी के साथ अदालत ने आरोपित किशन मोदी की जमानत याचिका खारिज कर दी। दरअसल न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की समर वेकेशन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य प्रथमदृष्टया आरोपित की गंभीर भूमिका की ओर संकेत करते हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। किशन मोदी

भोपाल स्थित मेसर्स जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं, जो मिल्क मैजिक ब्रांड के नाम से डेयरी उत्पादों का निर्माण करती है।

ईडी जांच में सामने आए गंभीर आरोप- प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार कंपनी में दूध से प्राकृतिक फैट निकालकर उसकी जगह पाम ऑयल और अन्य पदार्थ मिलाए जाते थे। कथित रूप से मिलावटी उत्पादों की बिक्री देश और विदेश तक की गई, जिससे लगभग 20 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। जांच में 15 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध मनी लान्ड्रिंग लेन-देन का भी खुलासा हुआ है। ईडी ने अदालत को बताया कि जांच के दौरान बड़े पैमाने पर पाम ऑयल की खरीद, फर्जी इनवाइस और लैब रिपोर्टों में हेरफेर के प्रमाण मिले हैं। कोर्ट ने माना कि जिस स्तर पर यह कारोबार संचालित हो रहा था, उसमें कंपनी के डायरेक्टर का अनभिज्ञ होना प्रथमदृष्टया स्वीकार्य नहीं माना जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि आर्थिक अपराध और मनी लान्ड्रिंग जैसे मामलों का प्रभाव व्यापक होता है तथा यह देश की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। इसी आधार पर किशन मोदी की जमानत याचिका निरस्त कर दी गई।

जल्द तैयार करें जर्जर भवनों की सूची बारिश में ना बने जल भराव की स्थिति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आगामी मानसून के दौरान नागरिकों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। निगमायुक्त ने सभी विभागीय प्रमुखों को शहर में 15 दिवसीय महास्वच्छता अभियान चलाने निर्देश दिये। एक बैठक में उन्होंने कहा कि अब नाला-नालियों एवं कंजरवेंसियों की बेहतर सफाई के लिए स्वच्छता का महाअभियान चलेगा। जिसकी निगरानी प्रतिदिन अपर आयुक्त अरविन्द शाह, देवेन्द्र सिंह चैहान, व्हीएन बाजपेयी एवं अशफाक परवेज कुरैशी करेगें। निगमायुक्त ने वर्षाऋतु के दौरान वर्षाजल निकासी की व्यवस्था और जल को संचय करने की जिम्मेदारी बैठक के दौरान स्वास्थ्य, भवन, अतिक्रमण, उद्यान, विद्युत, फायर और लोककर्म विभाग के सभी संबंधित अधिकारियों को दी।

समय से पहले रोकी जा सकें संभावित दुर्घटनाएं- बैठक में नागरिकों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के त्वरित निवारण पर भी विशेष जोर दिया गया। मानसून में किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए शहर के सभी जर्जर भवनों की सूची पूर्ण कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सके।

85 हजार एमवीए के पार पहुंची ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र ने ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी कुल ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी को 85,000 एमवीए के पार पहुंचा दिया है। अब मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की कुल ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी बढ़कर 85284 एमवीए की हो गई है। इस उपलब्धि में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 400 केवी सबस्टेशन बीना में 315 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना एवं उसके सफल ऊर्जीकरण का योगदान रहा है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता का 85,000 एमवीए के आंकड़े को पार करना ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पाटन विधानसभा में कांग्रेस का पोल खोल हल्ला बोल प्रदर्शन

विविध मांगों को लेकर फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पाटन विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी द्वारा पोल खोल हल्ला बोल आंदोलन के तहत प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों एवं युवाओं की समस्याओं के विरोध में मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर जोरदार प्रदर्शन किया गया।

यह कार्यक्रम पाटन चौक, डूडी पंचायत, बेलखेड़ा, बजरगढ़ एवं माला पंचायत में आयोजित किया गया, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष

संजय यादव, विक्रम सिंह, विधानसभा प्रभारी परम यादव, विवेक पटेल, शिव नामदेव, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष संजय यादव, वीरेंद्र यादव,विवेक यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, युवा बेरोजगारी से परेशान हैं और आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। आरोप लगाया कि पाटन विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश के गांव-गांव में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। अवैध शराब की बिक्री से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी ने सरकार से अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की। कार्यक्रम का समापन सरकार के खिलाफ संघर्ष को और तेज करने तथा जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर आंदोलन चलाने के संकल्प के साथ किया गया।

शादी से इनकार करने पर युवती का चाकू से गला रेता

गोरखपुर थाने का मामला, हालत गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गोरखपुर थाना अंतर्गत रामपुर इलाके में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां शादी का प्रस्ताव ठुकराने से नाराज एक युवक ने युवती की जान लेने की नीयत से चाकू से उसका गला रेत दिया। लहूलुहान हालत में युवती को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक रामपुर में पिछले 5 साल से किराए के मकान में रहने वाली एक 28 वर्षीय युवती (जो पेशे से डेटा ऑपरेटर है) ने मामले की शिकायत दर्ज कर बताया कि उसकी 30 वर्षीय बड़ी बहन 4 दिन पहले ही उससे मिलने जबलपुर आई थी।

वह रोज की तरह सुबह 10 बजे अपनी ड्यूटी पर चली गई थी और घर पर उसकी बड़ी बहन अकेली थी। शाम करीब सवा 6 बजे जब वह ऑफिस से तीसरी मंजिल पर स्थित अपने किराए के कमरे पर लौटी, तो बाहर से दरवाजा बंद था। जैसे ही उसने दरवाजा खोला और अंदर गई, तो नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। उसकी बड़ी बहन दीवार के सहारे जमीन पर बैठी हुई थी और चारों तरफ काफी खून बिखरा हुआ था। उसके गले और दाहिने हाथ पर गहरे जख्म थे। घायल बड़ी बहन ने अपनी छोटी बहन को बताया कि शाम करीब 4 बजे उसका दोस्त मयूर चौरसिया कमरे में आया था। मयूर उस पर शादी करने का दबाव बना रहा था। जब उसने मयूर के इस प्रस्ताव को साफ इंकार कर दिया, तो वह आगबबूला हो गया। मयूर ने उसकी हत्या करने की नीयत से पास रखे चाकू से उसका गला रेत दिया। जब युवती ने खुद को बचाने की कोशिश की, तो उसके दाहिने हाथ में भी गंभीर चोट आ गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मयूर उसका मोबाइल भी छीन ले गया और बाहर से कुंडी लगाकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल बहन को लेकर छोटी बहन तुरंत सुले हॉस्पिटल भागी, वहां से उसे जबलपुर हॉस्पिटल ले जाया गया। हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां फिलहाल उसका इलाज जारी है और स्थिति नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी मयूर चौरसिया की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

मझौली में हर साल लगेगा आदिवासी मेला सरकार करेगी सहायता: मंत्री डॉ. शाह

नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण, दी अनेक सौगातें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह ने रविवार को मझौली स्थित बड़ादेव देवालय और आदिवासी समाज के लिए 40.96 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने मंच से कहा कि सामुदायिक भवन बनाने में विधायक अजय विश्नोई का सबसे बड़ा योगदान है। साथ ही बड़ादेव देवालय के अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा की मप्र में मुख्यलमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सभी आदिवासी देवालयो के जीर्णोद्धार के लिए 4 करोड़ की राशि स्वीकृति की है। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मंत्री श्री शाह ने कहा कि अब बड़ादेव देवालय परिसर में प्रतिवर्ष आदिवासी मेले का आयोजन होगा, जिसके लिए जनजातीय कार्य विभाग हर साल 15 लाख रुपए की सहायता देगा, शेष व्यवस्थाएं स्थानीय विधायक और समाज जन मिलकर करेंगे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ शाह ने कहा कि सरकार जनजातीय समाज के छात्र छात्राओं की शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के लिए

लगातार योजनाएं बनाई है। आदिवासी समाज में वकील और जज बनने के लिए भी क्लेट परीक्षा की तैयारी भी की जाएगी। इसके अलावा यूपीएससी पीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी सरकार द्वारा करवाई जाएगी। साथ ही जो आदिवासी बच्चे डॉक्टर, या आईआईटी, ट्रिपलआईटी की तैयारी करना चाहते है उनके लिए जबलपुर, इंदौर, भोपाल में नि:शुल्क तैयारी सरकार द्वारा करवाई जाएगी। मंत्री श्री शाह ने कहा कि जो आदिवासी भाई बहन व्यापार करना चाहते हैं उनके लिए सरकार द्वारा 2 से 5 लाख रूपये तक का ऋ ण उपलब्ध कराया जायेगा।

अग्निवीर में चयनित युवाओं का सम्मान

साथ ही उन्हें व्यापार का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के 11 युवाओं का अग्निवीर में चयन होने पर सम्मान किया गया। साथ ही उन्होंने अपनी ओर से सभी चयनित युवाओं को 5.5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। मंत्री श्री शाह ने कहा कि आदिवासी युवाओं को अग्निवीर भर्ती की तैयारी कराने के लिए विशेष प्रशिक्षण योजना बनाई जाएगी।

यदि सेना की ओर से प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है तो प्रशिक्षण अवधि के दौरान युवाओं के भोजन और अन्य आवश्यक खर्च जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वहन किए जाएंगे। मंत्री डॉ शाह ने कहा कि जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए जबलपुर में भी एक सांस्कृतिक संरक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस केंद्र में आदिवासी युवक युवतियों तथा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा और पारंपरिक संस्कृति, कला एवं लोक परंपराओं को संरक्षित करने का कार्य किया जाएगा।

2 माह से निरंतर जारी है रामसागर तालाब की सफाई

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। रामसागर तालाब के घाटों की सफाई का सिलसिला 12 हफ्ते भी अनवरत रूप से जारी है। जिसमें बड़ी संख्या में लोग प्रत्येक रविवार को पहुंचकर सामूहिक जन सहभागिता से श्रमदान करके घाटों की सफाई के कार्य में लगे हुए हैं। इस सफाई अभियान में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। तालाब की कई दशकों से साफ सफाई न होने व उपेक्षा के चलते घाट उपयोग विहीन हो गये थे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**